फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 322 प्रभात जयपुर, सोमवार 27 जून, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

'Khullam Khula Pyar Karenge Hum Dono'

"He was all Eminem. On my birthday, I wanted him to come online and he didn't and I was crushed." How old was she? "9."

Spruce Up Your Beauty Game

CLIMATE-CHANGE: How Can Cities Respond To Extreme Heat

समुद्र की गहराइयों में इतना अंधेरा होता है कि परभक्षी जीव भोजन तक नहीं ढूंढ पाते। कुछ जानवर, जैसे टूथ्ड व्हेल शिकार को ढूंढने के लिए एकोलोकेशन का प्रयोग करते हैं, तो कुछ अपने शिकार को रिझाकर पास बुलाते हैं। लेकिन सील भोजन की तलाश में 5000 फीट की गहराई तक चली जाती हैं और उपरोक्त कोई भी तरीका इस्तेमाल नहीं करतीं। शोधकर्ता काफी समय से सोच रहे थे कि पानी में विभिन्न जानवरों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए सील अपने "विस्कर्स" (मूँछों) का इस्तेमाल करती हैं, जैसे चूहे करते हैं। इस बात की पुष्टी के लिए वैज्ञानिकों ने एलिफैंट सील्स पर इन्फ्रारैड कैमरे लगाए और भोजन ढूंढते समय विस्कर्स की गतिविधि रिकॉर्ड की। टीम ने 9 घंटे के विडियो फुटेज लिए। उन्होंने देखा कि गहराई में शिकार करते समय सील अपने विस्कर्स को आगे पीछे घुमाती हैं लेकिन कम गहरे पानी में जब वे शिकार नहीं कर रही होती हैं तब उनके विस्कर्स स्थिर रहते हैं। मुख्य शोधकर्ता और युनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, सैंटाक्रूज़ में मरीन इकॉलजिस्ट ताइकी अडाची ने कहा कि, प्राकृतिक स्थिति में जानवर सूचना पाने के लिए अपनी सभी ज्ञानेन्द्रियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे आंख, कान, विस्कर्स आदि। पर समुद्र की गहराई में, अंधेरे में जानवर सिर्फ खुद के प्रयासों से ही जानकारी जुटा सकते हैं। प्रोसीडिंग्स ऑफ द नैशनल अकैडमी ऑफ साइन्सेज़ में प्रकाशित इस शोध में शोधकर्ताओं का निष्कर्ष है कि, विस्कर्स की लयबद्ध गतिविधि शिकार पकड़ने में अहम भूमिका निभाती है। युनिवर्सिटी ऑफ सेंट एंड्रूज़ की साशा केट हूकर, जो शोध में शामिल नहीं हैं, ने कहा, "यह बात समझ में आती है, गहराई में जाने वाले समुद्री स्तनपायी जीवों में एलिफैंट सील ही है जो स्पर्म व्हेल और बीक्ड व्हेल जितनी गहराई तक जाती हैं, कई बार तो उससे भी एक किलोमीटर आगे। पूर्व में हुई रिसर्च में देखा गया था कि कैप्टिविटी में जिन सील्स की आंखों पर पट्टी बांध दी गई थी उन्होंने विस्कर्स की मदद से शिकार किया। सील अपने विस्कर्स से 130 फीट दूर की हरकत भी भांप लेती हैं, ऑब्जैक्ट द्वारा हरकत करने के कुछ सैकेण्ड से भी कम समय में सील को हरकत का पता चल जाता है। किसी समुद्री स्तनपायी जीव में लयबद्ध विस्कर्स मूवमैंट पहले कभी भी नहीं देखा गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि, इस शोध से, लम्बे समय से चले आ रहे इस रहस्य से पर्दा उठ गया है कि सील समुद्र की गहराई में घने अंधेरे में कैसे शिकार करती हैं।

शिवसेना के बागी एकनाथ शिंदे ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई होगी, इस याचिका में अजय चौधरी को शिवसेना विधायक दल का नेता चुने जाने को चुनौती दी गई है

मुंबई/नई दिल्ली, 26 जून। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है तथा उन्होंने घर लौटने के बाद केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला को शिंदे गुट के विधायकों की सुरक्षा के संबंध में पत्र लिखा है। उन्होंने अनुरोध किया है कि, स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों का पर्याप्त प्रावधान किया जाए और जरूरत पड़ने पर तैयार रखा जाए।

- एकनाथ शिंदे ने अपनी याचिका में महाराष्ट्र में डिप्टी स्पीकर की नियुक्ति को भी चुनौती दी है।
- इस बीच महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की तबीयत में भी सुधार है तथा उन्होंने केन्द्रीय गृह सचिव को पत्र लिखकर गुवाहाटी में ठहरे शिवसेना के बागी विधायकों को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने के लिए कहा है।

बागी शिवसेना विधायक एकनाथ शिंदे ने डिप्टी स्पीकर द्वारा महाराष्ट्र के बागी विधायकों के खिलाफ जारी अयोग्यता नोटिस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। शिंदे की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

त्रिपुरा में कांग्रेस कार्यालयों पर हमला

अगरतला, 26 जून (वार्ता)। त्रिपुरा की चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम रविवार को घोषित किए गए, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बंपर जीत मिली। चुनाव परिणाम घोषित होने के कुछ घंटे बाद त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर हमला किया गया। कथित तौर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यालय में तोड़फोड़ की, जिससे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बिरजीत सिन्हा गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

पुलिस ने यह जानकारी दी। सिन्हा के पेट में चोट लगी है, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद राज्य के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने भाजपा समेत सभी राजनीतिक दलों के समर्थकों से राज्य में शांति बनाए रखने का आव्हान किया। उन्होंने पुलिस से कानून को ध्यान में रखते हुए स्थिति से सख्ती से निपटने के भी निर्देश दिए। कांग्रेस ने बाद में आरोप लगाया कि भाजपा समर्थित उपद्रवियों ने खोवाई जिले में भी उनके

- उपचुनावों के नतीजे आने के बाद हुये हमलों और तोड़फोड़ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गंभीर रूप से घायल हुये।

कई कार्यालयों में तोड़फोड़ की है और कईयों को आग के हवाले कर दिया है। इसके अलावा, उनके घरों और दुकानों को भी निशाना बनाया गया है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में 23 जून को हुए उपचुनाव में भाजपा ने चार विधानसभा सीटों में से तीन पर जीत हासिल की, जबकि अगरतला निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस को जीत मिली है। इस बीच, पुलिस ने जानकारी दी कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और भाजपा पार्षद शिल्पी सेन के बीच मतभेद की छोटी सी घटना हुई, जब वह आई.जी.एम. अस्पताल के पास मतगणना हॉल से लौट रही थीं। घटना के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने यहां कांग्रेस भवन पर हमला किया और तोड़फोड़ की।

सत्तारूढ़ भाजपा ने हालांकि, कांग्रेस पर अराजकता शुरू करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई और पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की मांग की क्योंकि हिंसा उन्हीं की वजह से हुई।

सपा के किले आज़मगढ़ व रामपुर भरभराकर ढह गये

दोनों लोकसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज की

लखनऊ, 26 जून। उत्तर प्रदेश की दो लोकसभा सीटों पर हुये उपचुनाव के नतीजे रविवार को सामने आ गये लेकिन इन नतीजों ने सपा की टैंशन बढ़ा दी है, सपा के पुराने और मजबूत किले माने जाने वाले आजमगढ़ और रामपुर दोनों ही किले भरभराकर ढह गये हैं और इन दोनों ही सीटों पर भाजपा को कामयाबी हासिल हुई है।

उत्तर प्रदेश की रामपुर संसदीय सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार घनश्याम लोधी ने 42,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ सपा नेता आजम खान के बेहद करीबी माने जाने वाले सपा उम्मीदवार मोहम्मद आसिम राजा को इस सीट से हार का सामना करना पड़ा है। रामपुर में हार को लेकर जब सपा नेता आजम खान से सवाल किया गया तो वह भड़क गए। आजम ने कहा कि ये चुनाव था ही कहां? इसे ना आप चुनाव कह सकते हैं और ना ही चुनावी नतीजे कह सकते हैं।

- रामपुर सीट से भाजपा के घनश्याम लोधी ने 42 हजार वोटों से सपा नेता आज़म खान के बेहद करीबी मो. आसिम रजा को हराया।
- आज़मगढ़ सीट से सपा नेता धर्मेन्द्र यादव को हराकर दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने भी जीत दर्ज की।

वहीं आजमगढ़ सीट पर सपा के धर्मेंद्र यादव को हराकर भाजपा के दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने जीत हासिल की है।

इस मौके पर आजम खान ने कहा कि 900 वोट के पोलिंग स्टेशन पर केवल 6 वोट कैसे? उन्होंने कहा कि 2200 के पोलिंग वाले मुस्लिम मुहल्ले में केवल एक वोट कैसे? जब आजम खान से सपा की इस हार की वजह पूछी गई तो वे मीडिया पर ही उल्टा सवाल करने लगे। आजम ने कहा कि, जब आप ही को (मीडिया) कुछ नहीं दिख रहा तो हम तो पैदाइशी अंधे हैं, और अंधो ने चश्मा भी लगा रखा है। इस दौरान उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को भी संदेश देते हुए कहा कि घृणा का जवाब घृणा से न दें।

रामपुर लोकसभा उपचुनाव के नतीजों के बाद संवाददाताओं से बातचीत में आजम खान ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा ने सरकारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'लोकसभा में आप एब्सैंट'

चंडीगढ़, 26 जून (वार्ता)। पंजाब के संगरूर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के सिमरजीत सिंह मान ने राज्य में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) को गंभीर झटका देते हुए चुनाव जीत लिया। इस हार से आप पार्टी को बड़ा झटका लगा है अब लोकसभा में आप पार्टी का कोई भी प्रतिनिधि अथवा सांसद अब नहीं रह गया है।

- पंजाब की संगरूर लोकसभा सीट हारने के बाद आप पार्टी का लोकसभा में कोई सांसद नहीं बचा है।

रविवार को सामने आये चुनाव परिणाम में मान ने कुल 253154 वोटों से जीत हासिल की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी आप के गुरमैल सिंह को हराया। आप को कुल मतों का 34.79 फीसदी वोट हासिल हुए।

इस सीट पर 23 जून को उपचुनाव हुआ था। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस समेत सभी प्रमुख राजनीतिक पार्टियों को हार का सामना करना पड़ा है। शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के सिमरनजीत सिंह मान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पायलट और शेखावत मिले हुए थे'

शांति धारीवाल ने कहा कि, हमने खुद ऐसा होते देखा है, मुख्यमंत्री ठीक कह रहे हैं

कोटा, 26 जून (नि.सं.)। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल ने अपनी ही पार्टी के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के मिले हुए होने की बात को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वक्तव्य का समर्थन किया है।

धारीवाल ने कहा कि, मुख्यमंत्री गहलोत ठीक ही कहते हैं, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। मैं उनकी बात से सहमत हूं। हमने तो खुद यह देखा है। रविवार को प्रदेश के यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल कोटा दौरे पर आए थे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट पर हमला बोला है।

सी.एम. अशोक गहलोत की बात को दोहराते हुए धारीवाल ने दोनों को मिला हुआ बताया है। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री गहलोत ने ठीक कहा है। इसमें

- शांति धारीवाल ने केन्द्रीय मंत्री शेखावत को फोन टैपिंग के मामले में नोटिस दिये जाने का मुद्दा भी उठाया।

कुछ भी गलत नहीं है। हमने खुद दोनों को मिला हुआ देखा है। वहीं दौसा सांसद जसकौर मीणा के राजस्थान में भी महाराष्ट्र जैसे हालात बनने के बयान पर धारीवाल ने कहा कि, भाजपा वाले पहले भी मुंह की खा चुके हैं फिर मुंह की खाएंगे। राज्यसभा के चुनाव में उन्होंने देख लिया है कि कांग्रेस को तो पूरे 126 वोट मिले हैं जबकि बीजेपी का ही एक वोट टूटा है। ज्ञात रहे कि, फोन टैपिंग प्रकरण पर गहलोत ने गजेंद्र सिंह शेखावत के लिए कहा था कि, कानून अपना काम कर रही है। वह काफी समय से बचते रहे। आखिर में कोर्ट की ओर से उन्हें नोटिस सर्व हो ही गया। इनको वॉइस सैंपल देने में तकलीफ क्या है? वे स्वीकार कर चुके हैं कि ये इनकी वॉइस है। लोकेश शर्मा के खिलाफ जो केस इन्होंने दर्ज करवाया है वह उलटा चोर कोतवाल को डांटे वाली बात है। आप सरकार गिराने के प्रयास का मुख्य किरदार थे। सबको मालूम है कि आप एक्सपोज हो गए हैं। आपने खुद सरकार गिराने का षडयंत्र किया। अब आप सचिन पायलट का नाम ले रहे हैं। कह रहे हैं कि उन्होंने चूक कर दी। इसके बाद तो और प्रूफ हो गया। आपने खुद ठप्पा लगा दिया कि आप उनके साथ मिले हुए थे।

नाइट क्लब में 17 लोग मृत पाए गए

केप टाउन, 26 जून (वार्ता)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी लंदन शहर के एन्योबेनी टैवर्न में रहस्यमय परिस्थितियों में 17 लोग मृत पाए गए। मीडिया ने रविवार को यह रिपोर्ट दी है।

बी.बी.सी. को पुलिस प्रवक्ता ने न्यूज़रूम अफ्रीका टेलीविज़न चैनल के हवाले से बताया, घटना के आसपास की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

ब्रिगेडियर टेम्बिंकोसी किनाना ने

- दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी लंदन शहर के एक क्लब में ऐसा मामला सामने आया है।

कहा, हम इस तरह की कोई अटकलें नहीं लगाना चाहते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पीड़ितों के परिजन को शवों को देखने नहीं दिया जा रहा है।

बी.बी.सी. ने डेली डिस्पैच अखबार के प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया, समारोह स्थल पर शव फर्श पर पड़े हुए हैं। घटनास्थल पर पहुंचे पूर्वी केप पुलिस आयुक्त नोमथेलेली लिलियन मेने ने एस.ए.बी.सी. न्यूज को बताया कि ऐसा लगाता कि बार के अंदर भगदड़ हुई है।

ब्रिगेडियर किनाना के अनुसार अधिकांश शव 18 से 20 वर्ष के युवाओं के हैं।

राहुल गांधी ने धैर्य के मामले में पायलट का उदाहरण दिया, तो क्या मु.मंत्री असहज हो गए?

वैसे भी एक सवाल अनुत्तिरत है कि, गहलोत 4 दिन सक्रिय रहने के बाद राहुल गांधी के भाषण से पहले ही अचानक जयपुर क्यों लौट आए थे

जयपुर, 26 जून (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के बयान के बहाने राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को निशाने पर लेते हुए 2020 में हुई बगावत का जिम्मेदार ठहराया था और शेखावत के साथ मिलीभगत बताई थी। इस मामले के बाद सचिन पायलट या उनके कैंप की ओर से किसी तरह का जवाब नहीं आया था, लेकिन अगले ही दिन नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने आग में घी डालने का काम करते हुए अशोक गहलोत के बयान का समर्थन करते हुए कह दिया "हां, मुख्यमंत्री सही कह रहे हैं और इनकी मिलीभगत को हमने देखा है।"

इन दोनों बयानों के बाद अब तय हो गया कि आने वाले दिनों में राजस्थान कांग्रेस में भूचाल आना तय है और देखना यह भी है कि अब जिस शीतयुद्ध की शुरुआत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की तरफ से हुई है उसका अंत किस तरह और किसकी ओर से होता है। वैसे राजनीतिक जानकारों का कहना है कि, राहुल गांधी की ओर से धैर्य के मामले में सचिन पायलट का नाम लिए जाने के बाद मुख्यमंत्री कहीं ना कहीं असहज जरूर हुए हैं। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि आने वाले दिनों में पार्टी के अंदर

- शांति धारीवाल ने आग में घी डाला और बोले "हां, मुख्यमंत्री सही कह रहे हैं और इनकी (शेखावत और पायलट) मिलीभगत को हमने देखा है।"
- मुख्यमंत्री ने एक दिन पहले ही शेखावत के बयान के बहाने पायलट को निशाने पर लिया था।
- हालांकि, सचिन पायलट और उनका खेमा शांत बैठा है।

सचिन पायलट को लेकर बड़ा फैसला होने वाला है, इसलिए भी हो सकता है कि मुख्यमंत्री ने इस तरह का बयान देकर सचिन पायलट के धैर्य की परीक्षा लेने के साथ ही आलाकमान को भी एक बार फिर चुनौती दी है।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच राजनीतिक रूप से ठन चुकी है और भले ही कांग्रेस आलाकमान कितने भी प्रयास करें, यह मामला शांत होने का नाम नहीं ले रहा। हालांकि सचिन पायलट की ओर से कभी भी इस तरह का कोई बयान जारी नहीं किया गया है जिससे कि टकराव बढ़े, लेकिन गाहे-बगाहे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से लगातार 2020 की बगावत के मामले को लेकर बयानबाजी लगातार चलती रही है। हालांकि इससे पहले मुख्यमंत्री ने रगड़ाई और विधायकों की खरीद-फरोख्त में करोड़ों की लेन-देन की बातें तो की थी। इस बार तो उन्होंने सीधे ही सचिन पायलट का नाम लेकर उनकी गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ मिलीभगत का आरोप जड़ दिया।

इस आरोप के बाद सचिन पायलट खेमे की ओर से कोई जवाब आता, इससे पहले ही रविवार को कोटा में नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने आग में घी डालने का काम किया और कहा कि "हां, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सही कह रहे हैं, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। हमने खुद दोनों को मिला हुआ देखा है। दोनों नेताओं के बयान के बाद अब पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट 27 जून को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से अग्निपथ योजना के खिलाफ किए जा रहे विधानसभा वार धरने-प्रदर्शनों के सिलसिले में टोंक आ रहे हैं, तो देखना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दोष निकालना सुगम है, उसे अच्छा करना कठिन। –प्लूटार्क

अपने डेटा को लेकर अधिक जागरुक और सतर्क होने की ज़रूरत

बहुचर्चित किताब **सेपियन्स** के लेखक, विश्व इतिहास के विशेषज्ञ और हिब्रू विश्वविद्यालय, यरूशलम के प्राध्यापक युवालनोआहरारी ने अपनी किताब **21वीं सदी के लिए 21 सबक** में एक बहुत महत्वपूर्ण बात लिखी है:– ''वर्तमान में लोग नि:शुल्क ई मेल सेवाओं और हास्यास्पद कैट वीडियो के बदले अपनी सबसे मूल्यवान परिसंपत्ति –अपने निजी डेटा– सौंपा कर खुश होते हैं। यह कुछ–कुछ अफ्रीका और अमरीका के मूल निवासी कबीलों के जैसी स्थिति है, जिन्होंने अनजाने में रंगीन मनकों और सस्ते आभूषणों के बदले में अपने पूरे–के–पूरे मुल्कों को यूरोप के साम्राज्य वादियों के हाथों बेच दिया था।''

यह उद्धरण पढ़कर भी अगर आप न चौंके हों तो कृपया एक प्रयोग करके देखें। प्रयोग यह कि इण्टरनेट पर आप किसी चीज़ की खोज कीजिए। मान लीजिए, आप एक दीवार घड़ी की खोज करते हैं। या आप शिमला के बारे में कुछ जानकारी लेने का प्रयास करते हैं। आप पाएंगे कि आपकी इस खोज के तुरंत बाद आप पर चारों तरफ से दीवार घड़ी या शिमला के होटलों, रेस्तराओं आदि के बारे में विज्ञापनों की बौछार होने लग जाती है। अगर आपने अब तक इस बात पर ध्यान नहीं दिया हो तो मेहरबानी करके मेरा अनुरोध मानें और ऐसा करके देखें। इसके बाद सोचें कि जो हो रहा है वह आकस्मिक है या सुनियोजित! और सोचते हुए युवालनोआहरारी के उपर्युक्त उद्धरण को भी ध्यान में रखें।

इसके बाद मेरा एक और अनुरोध स्वीकार करें। ज़रा यह सोचें कि जहां हर चीज़ की कीमत बढ़ती जा रही है, कितना कुछ है जो आपको नि:शुल्क मिल रहा है! आप तमाम सोशल मीडिया का आनंद मुफ़्त में लेते हैं। फ़ेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और ऐसी न जाने कितनी सेवाएं आपको बिना एक भी पैसा खर्च किए सुलभ हैं! और यही क्यों, आप जो ई मेल भेजते–पाते हैं, वह भी तो नि:शुल्क है! आप इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए इण्टरनेट सेवाओं पर जो खर्चा करते हैं, उसे इन सेवाओं पर किया जाने वाला खर्च न मानें। वह अलग खर्चा है।

क्या हम कलयुग से निकल कर सतयुग में पहुंच गए हैं कि महादानी अपनी सारी सेवाएं हमें नि:शुल्क उपलब्ध करा कर धन्य हो रहे हैं? या बात कुछ और है! यहीं ज़रा ठहर कर अंग्रेज़ी के उस बहु उद्धृत कथन को भी याद कर लीजिए जिसका काम चलाऊ हिंदी अनुवाद यह होगा कि दुनिया में मुफ्त लंच जैसी कोई चीज़ नहीं होती है। बात बहुत साफ़ है। जिन चीज़ों को हम मुफ़्त की समझ कर खुश होते हैं, असल में वे हमें मुफ़्त में नहीं दी जा रही हैं। उनके बदले में हमसे कुछ, बल्कि काफी कुछ वसूल किया जा रहा है, और इस बात से हममें से ज़्यादातर लोग अनजान हैं।

हक़ीक़त यह है कि इन तथाकथित मुफ़्त सेवाओं के बदले गूगल और फ़ेसबुक जैसी बड़ी कंपनियां, और उन जैसी अन्य अनेक कंपनियां हमारे पल–प्रतिपल के व्यवहार को ट्रैक करती हैं, हमारा डेटा संग्रहित करती हैं, उस डेटा को विभिन्न संस्थानों को बहुत बड़ी राशि लेकर बेचती हैं और वे संस्थान उस डेटा का न जाने कैसा–कैसा उपयोग करके हमें अपनी उंगलियों के इशारों पर नचाते हैं। उनके उपयोग का एक रूप तो यही टारगेटेड विज्ञापन हैं जिनका ज़िक्र मैंने अभी थोड़ी देर पहले दीवार घड़ी और शिमला के उदाहरण से किया था। हमारे व्यवहार को ट्रैक करके हमें वे विज्ञापन दिखाए गए जो हमारी ज़रूरतों से मेल खाते थे। यह तो बस, इस संग्रहित डेटा का एक छोटा–सा उपयोग है। हाल में किए गए एक अध्ययन से यह बात सामने आई है कि यूरोप में लोग इण्टरनेट पर क्या देखते हैं, इससे जुड़ा डेटा दिन भर में 376 बार और अमरीकी लोग क्या देखते हैं उससे जुड़ा डेटा दिन में 747 बार साझा किया जाता है। इस लेख के प्रारम्भ में मैंने युवालनोआहरारी का जो उद्धरण दिया है वह इसी बात की तरफ इशारा करता है।

''जैसे-जैसे डेटा आपके शरीर और मस्तिष्क के बायोमैट्रिक सेंसर के रास्ते प्रवाहित होकर बुद्धिमान मशीनों तक पहुंचते जाएंगे, वैसे-वैसे व्यापारिक प्रतिष्ठानों और सरकारी एजेंसियों के लिए आपको जानना, आपको मनमाने ढंग से परिचालित करना और आपकी ओर से फैसले लेना आसान होता जाएगा।''

ज़रा यह भी जान लें कि आपका डेटा किस तरह आपसे पूछ कर प्राप्त किया जाता है। जब भी आप किसी नए एप को या किसी नई वेबसाइट को इस्तेमाल करना शुरू करते हैं, आपसे कुछ अनुमतियां ली जाती हैं और आप बेधड़क मैं सहमत हूं कहकर वे अनुमतियां दे देते हैं। मैं नहीं जानता कि हममें से कितने लोग हैं जो यह समझने के बाद कि हमसे किस बात की अनुमति ली जाती है, वह अनुमति देते हैं। बीबीसी की शोध टीम ने कुछ बहुत लोकप्रिय एप्स और वेबसाइट्स का अध्ययन करके बताया है कि आम तौर पर ये अनुमतियां तीन तरह की होती हैं:– पहली लोकेशन ट्रैकिंग, दूसरी सहयोगी कंपनियों को डेटा देना और तीसरी आपने डेटा को थर्ड पार्टीज़ के साथ साझा करना। यहीं यह भी जान लेना उपयोगी होगा कि अगर आपके मोबाइल में कोई एप, जैसे फ़ेसबुक, है और आपने उसमें लॉग इन नहीं कर रखा है, या यहां तक कि उसमें अपना अकाउण्ट ही नहीं बना रखा है तो भी फ़ेसबुक आपका फ़ोन ट्रैक कर सकता है। यह जानकारी स्वयं फ़ेसबुक ने अपनी डेटा पॉलिसी में दी है।

अब यहां दो बड़े मुद्दे सामने आते हैं। एक तो यह कि यह तकनीक हमारी निजता में, अलबत्ता हमारी अनुमति से, घुसपैठ करती है। दूसरा यह कि इस तरह घुसपैठ करके प्राप्त किए गए डेटा से बहुत लोगों की रोजी–रोटी चलती है। और तीसरा जो सबसे बड़ा मुद्दा है वह यह कि इस तरह प्राप्त किए गए डेटा से हमें नियंत्रित करने की सम्भावनाओं से मना नहीं किया जा सकता। इसी बात को लक्ष्य करके युवालनोआहरारी ने अपनी उक्त किताब में लिखा है कि ''जैसे जैसे डेटा आपके शरीर और मस्तिष्क के बायोमैट्रिक सेंसर के रास्ते प्रवाहित होकर बुद्धिमान मशीनों तक पहुंचते जाएंगे, वैसे–वैसे व्यापारिक प्रतिष्ठानों और सरकारी एजेंसियों के लिए आपको जानना, आपको मनमाने ढंग से परिचालित करना और आपकी ओर से फैसले लेना आसान होता जाएगा।''

इन सारी बातों से एक आधारभूत सवाल उपजता है। बकौल हरारी, ''मूल प्रश्न यह है: डेटा का स्वामित्व किसके हाथ में है? क्या मेरे डीएनए, मेरे मस्तिष्क और मेरे जीवन से संबंधित डेटा पर मालिकाना हक़ मेरा है, सरकार का है, किसी व्यापारिक निगम का है, या मानव–समूह का है?''

और शायद इसी प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास किया है कनाडा की एक ट्रैक कंपनी सर्फ़ ने। इस कम्पनी ने हाल में सर्फ़ नाम से ही एक ब्राउज़र एक्स्टेंशन लॉंच किया है। यह ब्राउज़र एक्स्टेंशन एक तरह से गूगल को चकमा देकर, उसे बाइ पास करके अपना काम करता है। सर्फ़ का वादा है कि आप अपने डेटा के ख़ुद मालिक हैं और आपको हक़ है कि आप उसे जिसे चाहे बेचें, या न बेचें। सर्फ हालांकि अभी अपने अस्तित्व के शुरुआती दौर में है और अभी यह अमरीका और कनाडा में बहुत सीमित रूप में ही उपलब्ध है, फिर भी इसका दावा है कि यह अपने उपयोग कर्ताओं को कुल मिलाकर 1.2 मिलियन डॉलर कमाने का मौका देगा। कंपनी का कहना है कि विभिन्न ब्राण्ड्स उसके उपयोग कर्ताओं का डेटा इस्तेमाल कर सकेंगे और इसके बदले में वे ब्राण्ड्स उन उपयोग कर्ताओं को धनराशि अदा करेंगे। यहां जो बात ग़ौर तलब है वह यह कि सर्फ़ अपने उपयोग कर्ताओं को यह विकल्प देता है कि वे अपना डेटा साझा करें या न करें, जबकि अभी अन्यत्र हमें यह सुविधा सुलभ नहीं है। सर्फ़ की यह पहल उस निरंतर बड़े होते जा रहे अभियान का हिस्सा है जिसे ज़िम्मेदार तकनीक के नाम से जाना जाता है। इस तकनीक का मकसद लोगों को उनके डेटा पर और ज़्यादा नियंत्रण प्रदान करना है। कनाडा की एक और स्टार्टअप कंपनी जिसका नाम बेवरली है वह भी ऐसा ही कर रही है। यह कंपनी लोगों को गूगल न्यूज़ और एपल न्यूज़ से हटकर अपना न्यूज़फ़ीड हासिल करने की सुविधा देती है। इसी तरह एक अमरीकी कंपनी अबाइन अपने दो एप्सब्लर और डिलीट के माध्यम से आपको आश्वस्ति देती है कि आपके पासवर्ड और भुगतान ब्यौरों को ट्रैक नहीं किया जाएगा तथा आप सर्च इंजन से अपने निजी डेटा को मिटा सकेंगे। इस कंपनी अबाइन के मालिक रॉबशैवेल का सोच यह है कि इण्टरनेट पर कुछ भी सर्फ करने में स्वत: प्राइवेसी सुनिश्चित होनी चाहिए।

हमारे डेटा की निजता और सुरक्षा के बारे में जैसे–जैसे जागरूकता बढ़ती जा रही है, इनसे मोटा लाभ कमाने वाली कंपनियां भी इस दिशा में अधिक ज़िम्मेदार होने का एहसास दिलाने लगी हैं। हाल में गूगल के एक प्रवक्ता का बयान सामने आया है जिसमें वे कहते हैं कि ''इस साल के अंत में, हम माईएडसेण्टर लॉंच करेंगे, जो हमारे प्राइवेसी कंट्रोल को बढ़ाएगा ताकि लोगों को जो विज्ञापन दिखाए जाते हैं, उन्हें वे लोग और ज़्यादा नियंत्रित कर सकें।''

जब तक सब कुछ आदर्श नहीं हो जाता, हमें अपने डेटा को लेकर और अधिक जागरूक और सतर्क होना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

(26 जून - शाहूजी महाराज जयंती विशेष)

सामाजिक लोकतंत्र के आधार स्तंभ थे छत्रपति शाहूजी महाराज

छत्रपती शाहूजी महाराज एक ऐसे मातृहृदयी राजा थे जिन्होंने मनुवादी व्यवस्था से पीड़ित पिछड़े समाज को अपनी संतान के रूप में स्वीकार किया था। उन्होंने पिछड़े समाज के दु:ख–दर्द तथा जरूरतों को समझते हुए निवारण करने का बीड़ा उठाया था। इसलिए डा. बाबा साहब अम्बेडकर ने उन्हें सामाजिक लोकतंत्र का आधार स्तम्भ कहा था। बाबा साहब कहते थे कि शाहूजी महाराज का जन्मदिवस त्यौहार के रूप में मनाना चाहिए।

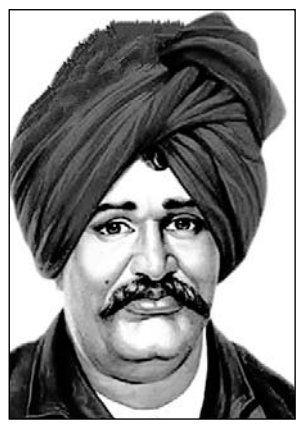

छत्रपति शाहूजी महाराज

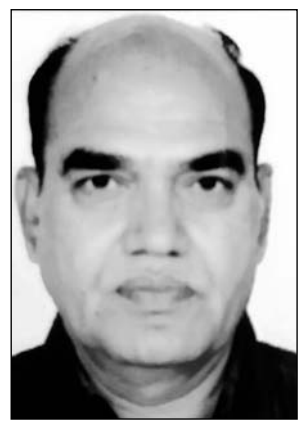

पन्नालाल मेघवाल

बाबा साहब अम्बेडकर से उनके भावनात्मक सम्बन्ध थे। वे बाबा साहब के सबसे बड़े हितैषी और सहयोगी थे। उन्होंने बाबा साहब अम्बेडकर को पिछड़ों के लिए उनका अपना हितैषी नेता घोषित किया था।

छत्रपति शाहूजी महाराष्ट्र राज्य की कोल्हापुर रियासत के राजा थे। ये शूद्र कुर्मी जाति से थे। उन्होंने मूल निवासियों–शूद्रों एवं अतिशूद्रों के लिए शिक्षा के दरवाजे खोले थे, जिससे उन्हें मुक्ति की राह दिखाने में उनका बहुत बड़ा योगदान था।

छत्रपति शाहूजी महाराज का जन्म 26 जून 1874 को कोल्हापुर में हुआ था। उनके पिताजी का नाम श्रीमंत जयसिंह राव आबा साहब घाटगे तथा माताजी का नाम राधाबाई साहिबा था। छत्रपति शाहूजी के जन्म का नाम यशवंतराव था। आबा साहब यशवंतराव के दादा थे। चौथे शिवाजी का अंत होने के बाद शिवाजी महाराज की पत्नी महारानी आनंदीबाई साहिबा ने 1884 में यशवंत राव को गोद लिया था। इसके बाद यशवंतराव का नाम शाहू छत्रपति रखा गया। उन्हें कोल्हापुर रियासत का वारिस बनाया गया था।

छत्रपति शाहू महाराज की शिक्षा राजकोट स्थित राजकुमार महाविद्यालय में हुई। राजकोट की शिक्षा समाप्त करके शाहूजी को आगे की शिक्षा पाने के लिए 1890 से 1894 तक धारावाड़ में रखा गया। छत्रपति शाहू महाराज ने अंग्रेजी, इतिहास और राज्य कारोबार चलाने की शिक्षा ग्रहण की। अप्रैल, 1897 में राजा शाहू का विवाह खानविलकर की कन्या श्रीमंत लक्ष्मीबाई से संपन्न हुआ। विवाह के समय लक्ष्मीबाई की उम्र महज 11 वर्ष की थी।

जब छत्रपति शाहूजी महाराज की आयु 20 वर्ष थी तब उन्होंने कोल्हापुर रियासत के अधिकार ग्रहण करके सत्ता की बागड़ोर अपने हाथ मेली तथा शासन करने लगे। कहा जाता है कि जब 1894 में इनका राज्यभिषेक समारोह हुआ तो उनके शूद्र होने की वजह से हिन्दू धर्म के अनुसार ब्राह्मणों ने पैर के अँगूठे से उनका राजतिलक किया, इससे उन्हें अत्यधिक दु:ख एवं पीड़ा हुई।

आमतौर पर सभी राजाओं की छवि जनता की आमदनी को कर के माध्यम से हड़पने एवं जबरन वसूली की थी, लेकिन छत्रपति शाहूजी ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने सबसे बड़ा काम राज व्यवस्था में परिवर्तन करके किया। उनका मानना था कि संस्थान की वृद्धि में उन्नति के लिए प्रशासन में हर जाति के लोगों की सहभागिता जरूरी है। उस समय उनके प्रशासन में ज्यादातर ब्राह्मण जाति के अधिकारी थे, बहुजन समाज के मात्र 11 अधिकारी थे। ब्राह्मणों ने एक चाल के तहत बहुजन समाज को शिक्षा से दूर रखा था, ताकि पढ़–लिखकर ये सरकार में शामिल न हो सकें। छत्रपति शाहूजी इस बात से चिंतित रहते थे। उन्होंने प्रशासन में ब्राह्मणों के इस एकाधिकार को समाप्त करने के लिए बहुजन समाज की भागीदारी के लिए आरक्षण कानून बनाया।

छत्रपति शाहूजी महाराज ने राजा बनते ही 28 साल की उम्र में 1902 में वंचितों के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था लागू की। यह सामाजिक न्याय की दिशा में पहला बहुत बड़ा क़दम था कानून के अंतर्गत बहुजन समाज के लिए आरक्षण व्यवस्था लागू करना क्रांतिकारी पहल थी। जो देश में आरक्षण की यह पहली व्यवस्था थी। तब तक बहुजन समाज के लिए शिक्षा के दरवाजे बंद थे, उन्हें तिरस्कार की जिंदगी जीने के लिए मजबूर किया जाता था।

गंगाधर काम्बले जो कि अछूत जाति के थे, उनकी चाय की दुकान खुलवा कर स्वयं महाराज चाय पीने जाते थे ताकि जाति प्रथा और ऊंच–नीच को जड़ से मिटाया जा सके। इसलिए उन्हें सबसे बड़ा समाज सुधारक भी माना जाता है। उनका कहना था कि कल न मैं होंऊगा, न आप होंगे, न राजा होंगे, न रजवाड़े होंगे। मगर यह राष्ट्र हमेशा रहेगा और हमें इसको आगे बढ़ाने का काम करते रहना है। समाज में सबको सम्मान मिले, सभी शिक्षित होकर राष्ट्र के उत्थान में भागीदार बनें, तभी हमारा जीवन सफल माना जायेगा।

–पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

भयमुक्त, यौनातुर, बेशर्म विस्मृति–क्लूवर बूसी सिन्ड्रॉम

अत्यंत विचित्र और विलक्षण विस्मृति की स्थिति होती है क्लूवर–बूसी सिन्ड्रोम (Kluver-Bucy Syndrome) में।

एक व्यक्ति को मस्तिष्क का वायरल इनफेक्शन हुआ। हर्पीज वायरस से, जो नाक में ओल्फैक्टरी नर्व से मस्तिष्क में पहुँचा था। व्यक्ति इलाज से ठीक तो हो गया लेकिन उसके स्वभाव में अजीब परिवर्तन आ गया। स्वभाव से बड़ा सीधा हो गया। आचरण में अजीब परिवर्तन। हर चीज को मुँह में लेना, चखना और ऐसा बार–बार करना, उसी चीज को लेकर करना। अजीब खब्त। इससे भी बदतर भावशून्य अश्लील यौन आतुरता। शील–अश्लील का भाव खत्म। जाँच से उजागर हुआ कि ऐसा मस्तिष्क के टेम्पोरल लोब में संक्रमण जनित क्षति के कारण हुआ। मस्तिष्क के इस भाग की विशेष क्षति का कारण, नाक से आने वाली नर्व जिससे वायरस आये थे, यहीं पहुँचती है। मस्तिष्क की टी बी या अन्य कारणों से जिस रोगी में दोनों साइड के टेम्पोरल लोब में क्षति हुई, उनमें कमोबेश ऐसे ही स्वभाव व यौन आचरण सम्बन्धी लक्षण मिलते हैं। इसे क्लूवर बूसी सिंड्रोम के नाम से जाना जाता है।

सन् 1930 में क्लूवर और बूसी नाम के दो डॉक्टरों ने बन्दरों में मस्तिष्क के टेम्पोरल लोब को शल्य क्रिया कर हटा दिया। इसके बाद बन्दरों के स्वभाव और व्यवहार में विलक्षण बदलाव देखा गया। मस्तिष्क के इस भाग में ऐमिग्डेलॉइड केन्द्रक (न्यूक्लियस), लिम्बिक सिस्टम का एक प्रमुख भाग, स्थित होता है। प्रयोग के तौर पर जब बन्दर में इसे क्षतिग्रस्त किया गया तो बन्दर भयमुक्त हो गया (साँप से डरा नहीं), क्रोध विहीन हो गया (कितना भी छेड़ने पर उद्वेलित नहीं हुआ) उसकी तात्कालिक स्मृति लुप्त हो गई (दी गई वस्तु को हाथ से उठाया,

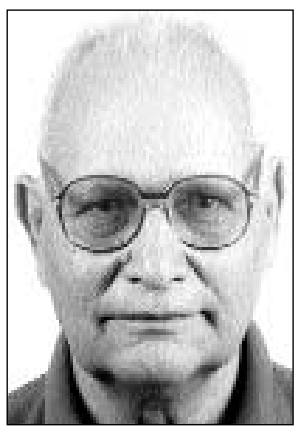

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

देखा, मुँह मे रख चखा और बेस्वाद पाकर फेंक दी। लेकिन तुरन्त ही उसे फिर उठाया, देखा, चखा और फेंका और ऐसा बार–बार करता रहा।) नई अनुभूति की याद ही नहीं रहती, स्मृति नहीं बनती। (Antegrade amnesia) और वह कामान्ध होकर आक्रामक और असंयमित लेकिन सर्वथा भावशून्य यौन क्रिया के लिए प्रवृत्त हो गया।

मस्तिष्क के इस भाग के क्षति लक्षण थे –

1. विस्मृति – न नये अनुभवों की स्मृति बनी, न पुरानी स्मृति को बचाए रखने की क्षमता रही।
2. भय मुक्त, आक्रामकता खत्म, किसी बात से क्रोध नहीं आता (Docility)
3. हर चीज को मुँह में रखना, चख कर देखना (Hyperorality)
4. अत्यधिक कामोत्तेजना, कामातुरता, असंयमित व अस्वाभाविक काम प्रवृति, – नर, मादा, पशु या वस्तु के साथ – कामांधता (Hypersexuality) देखकर किसी चीज को पहचानने की क्षमता खत्म (Visual agnosia)

मनुष्य में भी जब ऐमिग्डेलॉइड केन्द्रक और उसके निकटस्थ भागों को नष्ट किया गया (आवश्यक शल्य क्रिया द्वारा) या वे स्वत: रोग से क्षतिग्रस्त हो नष्ट हुए तो वह भयमुक्त, क्रोधविहीन और आक्रामक यौनक्रिया प्रवृत और भावशून्य हो गया। उसकी तत्कालीन स्मृति लोप हो गयी। भय, क्रोध और यौन क्रिया नियन्त्रक केन्द्रक के नष्ट होने से क्लूवर–बूसी सिंड्रोम के विलक्षण लक्षण व्यक्त हुए।

एक समय था जब भयंकर रूप से उग्र और आक्रामक पागलों में मस्तिष्क के अग्र भाग का फ्रंटल लोबेक्टोमी आपरेशन किया जाता था। पागल, जिसे काबू करना असंभव होता था, आपरेशन के बाद गाय सा सीधा मोम की मूरत बन जाता था।

–डॉ. श्रीगोपाल काबरा,
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

फर्जी दस्तावेज से गरीब दलित महिलाओं की लाखों की भूमि हड़पी

मामला दर्ज होने के बाद नामान्तरण के निर्णय को रोकने के निर्देश

मांडलगढ़, (निसं)। उपखंड क्षेत्र मालका खेडा में तीन वृद्ध दलित महिलाओं के साथ खेती की जमीन से धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया हैं। इन बेबस महिलाओं को अपनी आजीविका की जमीन हड़पने की खबर मिली तो पैरों तले जमीन खिसक गई और रोने बिलखने लगी। इस मामले में तीनों महिलाओं ने आरोपी गिरोह के खिलाफ काछोला थाने में मामला दर्ज कराया हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। मांडलगढ़ के मालका खेड़ा पंचायत के भट खेड़ी गांव की रहने वाली एक ही परिवार की तीन पीडित महिलाएं हैं।

जिसमे 80 साल की विधवा बरजी देवी पत्नी भूराभील, राजी देवी पत्नी कल्याण भील 75 साल और पानी देवी पत्नी देबीलाल भील 36 साल की हैं। इन तीनों महिलाओं के खेती की जमीन में बरजी देवी की आराजी नम्बर 3–4–5–6/2 रकबा 2.6385 हेक्टेयर, राजिदेवी की आराजी नम्बर 236/164 रकबा 0.8094 हेक्टेयर, व पानी देवी की आराजी नम्बर 235/164 0.8094 हेक्टेयर की लाखों की कीमत भूमि को भूमाफिया गिरोह ने तथाकथित महिलाओं की आड में फर्जी दस्तावेज तैयार कर तहसील कार्यालय काछोला से फर्जी रजिस्ट्री करा अपने नाम करा ली ओर पटवारी ने तत्काल नामांतरण भी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया।

मांडलगढ़ के मालका खेड़ा पटवार मण्डल में तीन बुजुर्ग दलित महिलाओं की खेती की जमीन को फर्जी तरीके से भूमाफिया ने हड़प लिया।

इस पूरे खेल में भूमाफिया गिरोह के साथ मालका खेड़ा के पटवारी बाबूलाल मीणा, एक वकील परमेश्वर धाकड़ की संदिग्ध भूमिका सामने आई हैं। मामले में पीड़ित महिलाओं ने भूमि खरीददार जसवीर पिता किशोर मीणा निवासी श्रीनगर तहसील बूंदी, हरनाथ पिता सुरजा मीणा निवासी लक्ष्मीपुरा तहसील मांडलगढ़ तथा भूमि विक्रय करने वाली कथित महिलाओं में बरजी देवी भील, राजी देवी भील, पानी देवी भील व रजिस्ट्री में गवाह बने आधा दर्जन भूमाफिया गिरोह के सदस्यों के खिलाफ थाने में मामला दर्ज किया गया हैं।

गौरतलब है कि पानीदेवी की रजिस्ट्री में तो इसकी माता बरजी देवी की उम्र 40 साल, वहीं बेटी पानी देवी की उम्र 53 साल अंकित मिली हैं। यानी माता की उम्र से बेटी 13 साल अधिक हैं। इन पीड़ित महिलाओं की खेती की जमीन छिन जाने पर तीनों महिलाएं पुलिस थाने में फरियाद लेकर न्याय की गुहार लगा रही हैं।

■ **इस पूरे खेल में भूमाफिया गिरोह के साथ मालका खेड़ा के पटवारी, एक वकील की संदिग्ध भूमिका सामने आई है**

मांडलगढ पुलिस उप अधीक्षक ज्ञानेन्द्र सिंह ने बताया कि तीनों महिलाओं के साथ जमीन की हुई धोखाधडी का मामला काछोला थाने में दर्ज कर अनुसन्धान शुरू किया गया हैं। जांच में दोषी पाए जाने पर प्रकरण में लिप्त आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी होगी। मांडलगढ़ तहसीलदार नारायण प्रसाद शर्मा ने बताया कि मालका खेडा पटवार मंडल में तीन महिलाओं की खेती की भूमि को कूटरचित दस्तावेज से अन्य महिलाओं ने फर्जी रजिस्ट्री से बेचने की शिकायत मिली हैं। भूमि को फर्जी तरीके से बेचने के बाद नामान्तरण के निर्णय को रोकने के निर्देश पटवारी को दिए गए हैं और मामले की जांच की जा रही हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 27 जून, 2022

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2079, रोहिणी नक्षत्र सांय 4:02 तक, शूल योग प्रात: 6:46 तक, विष्टि करण सांय 4:39 तक, चन्द्रमा मंगलवार प्रात: 5:33 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मिथुन, चन्द्रमा–वृष, मंगल–मीन, बुध–वृष, गुरू–मीन, शुक्र–वृष, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन–रात रहेगा। अमृत सिद्धि योग सांय 4:02 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा सांय 4:30 तक है। मंगल अश्विनी मेष में प्रात: 5:40 पर प्रवेश करेगा। आज मास शिवरात्रि, रोहिणी व्रत (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:22 तक, शुभ 9:04 से 10:47 तक, चर 2:12 से 3:55 तक। लाभ–अमृत 3:55 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:20

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। अनगल कार्यों में समय खराब हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक अड़चने अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में ऊचित सफलता मिलेगी।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

PM GatiShakti National Master Plan for Multi-Modal connectivity | प्रगति के पथ पर अग्रसर | सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार | भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (www.nhai.gov.in) | आजादी का अमृत महोत्सव

₹ 1357 करोड़ की लागत से 243 किमी लम्बी 9 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

लोकार्पण

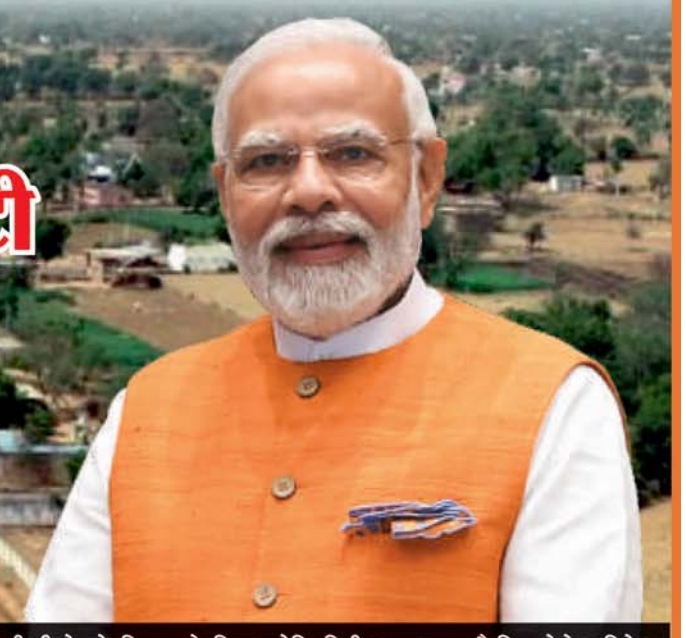

सांचौर-निनावा खण्ड का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण
लागत 90 करोड़, एन.एच.-168ए, लम्बाई 12 किमी

शिलान्यास

श्रीगंगानगर-रायसिंहनगर खण्ड में 2-लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण
लागत ₹ 670 करोड़, एन.एच.-911, लम्बाई 102 किमी

जयपुर-किशनगढ़ एवं किशनगढ़-अजमेर-ब्यावर खण्ड पर 6 उपरिगामी सेतु एवं 2 वीयूपी का निर्माण
लागत ₹ 248 करोड़, एन.एच.-48, एन.एच.-448 एवं एन.एच.-58, लम्बाई 5 किमी

जयपुर-किशनगढ़ खण्ड पर 6 ब्लैक स्पॉटस के उन्मूलन हेतु 6 उपरिगामी सेतु का निर्माण
लागत ₹ 109 करोड़, एन.एच.-48, लम्बाई 4 किमी

जालौर में किमी 102/00 पर 4-लेन रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण
लागत ₹ 92 करोड़, एन.एच.-325, लम्बाई 1 किमी

सूरतगढ़-श्रीगंगानगर खण्ड का सुदृढ़ीकरण
लागत ₹ 56 करोड़, एन.एच.-62, लम्बाई 78 किमी

पिंडवारा-उदयपुर खण्ड के 1 ब्लैक स्पॉट का उन्मूलन
लागत ₹ 33 करोड़, एन.एच.-76, लम्बाई 2 किमी

गांधव-सांचौर-गुजरात सीमा खण्ड का सुदृढ़ीकरण
लागत ₹ 32 करोड़, एन.एच.-68, लम्बाई 38 किमी

सूरतगढ़ में इन्दिरा सर्कल पर 4 लेन उपरिगामी सेतु का निर्माण
लागत ₹ 27 करोड़, एन.एच.-62, लम्बाई 1 किमी

परियोजनाओं के लाभ

- सूरतगढ़-रायसिंहनगर खण्ड के निर्माण से अंतर्राष्ट्रीय सीमा तक सुगम सम्पर्क, सामरिक क्षमता को बल
- पड़ोसी राज्य गुजरात और पंजाब से सुगम कनेक्टिविटी
- जयपुर-किशनगढ़-अजमेर-ब्यावर खण्ड पर 14 उपरिगामी सेतु के निर्माण से ब्लैक स्पॉट्स का उन्मूलन, समय और ईंधन की बचत
- जालौर रेलवे ओवर ब्रिज और सूरतगढ़ में इन्दिरा सर्किल पर उपरिगामी सेतु के निर्माण से ट्रैफिक जाम से निजात
- पिंडवारा-उदयपुर खण्ड पर एलिवेटेड रोड और रि-एलाइनमेन्ट से लगभग 3 किमी की दूरी कम होगी
- स्थानीय कृषि उत्पाद, मार्बल आदि की बाजार तक पहुंच आसान होगी, रोजगार के नये अवसरों का सृजन होगा

सोमवार, 27 जून 2022, प्रातः 11:00 बजे

नितिन गडकरी
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार
के कर कमलों द्वारा

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान
की अध्यक्षता में

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)

गरिमामयी उपस्थिति

जन. (डॉ.) वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त)
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, नागर विमानन राज्यमंत्री, भारत सरकार

भजनलाल जाटव
मंत्री, सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान सरकार

सुखराम विश्नोई
राज्य मंत्री, श्रम विभाग (स्वतंत्र प्रभार), कारखाना एवं बॉईलर्स निरीक्षण विभाग (स्वतंत्र प्रभार), राजस्व विभाग, राजस्थान सरकार

निहाल चंद — सांसद
देवजी एम. पटेल — सांसद
रामचरण बोहरा — सांसद
भागीरथ चौधरी — सांसद

परियोजनाओं के क्षेत्र से संबंधित विधायकगण

● अशोक लाहोटी ● श्रीमती गंगा देवी ● बाबूलाल नागर ● सुरेश सिंह रावत ● राकेश पारीक ● सुरेश टाक ● रामस्वरूप लांबा ● रामप्रताप कासनियां
● धर्मेन्द्र कुमार ● राजकुमार गौड़ ● गुरमीत सिंह कुन्नर ● बलवीर सिंह लूथरा ● श्रीमती संतोष ● जोगेश्वर गर्ग ● समा राम गरासिया ● जगदीश चन्द्र

सड़कें ही नहीं, राष्ट्र का निर्माण भी

FOR LIVE STREAMING :
www.facebook.com/nitingadkary
https://twitter.com/nitin_gadkari

www.mygov.in
www.morth.nic.in

FASTag Easy to Cruise

लगभग 40 करोड़ घण्टे प्रतिवर्ष के अमूल्य समय की बचत लगभग 35 करोड़ लीटर प्रतिवर्ष ईंधन की बचत लगभग 10 लाख टन कार्बनडाईआक्साईड उत्सर्जन में कमी से पर्यावरण संरक्षण इसी लिए फास्ट टैग अपनायें और देश हित में अपना योगदान दें

सरकार गिराने या बनाने के लिए मंत्री और विधायक बिकते हैं : डॉ. चंद्रभान

- **राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम की ओर से आयोजित ''मीडिया का बदलता परिवेश'' परिचर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में बोले बीसूका उपाध्यक्ष**
- **आजकल अवसरवादी नेता भी उसी महापुरुष को पूछते हैं, जो उन्हें वोट दिला सकते हैं : कृष्ण कल्पित**

जयपुर। राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम की तरफ से रविवार को राजधानी के पिंकसिटी प्रेस क्लब ऑडिटोरियम में मुंशी प्रेमचंद की स्मृति में ''मीडिया का बदलता परिवेश'' पर परिचर्चा और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं बीसूका के उपाध्यक्ष डॉ. चंद्रभान सिंह रहे, जिन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता पर जोर देते हुए कहा कि समय के साथ-साथ हर क्षेत्र में बदलाव हुआ है और होना भी चाहिए इसलिए मीडिया भी इससे अछूता नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले की पत्रकारिता सरकार बनाने और गिराने में अपनी अहम भूमिका निभाती थी जबकि अब ऐसा देखने को नहीं मिलता क्योंकि अब सरकार बनाने और गिराने के लिए जब विधायक और मंत्री तक बिक जाते हैं तो अपना परिवार चलाने के लिए पत्रकारों को भी कई बार अपनी खबरों के साथ समझौता करना पड़ता है।

डॉ.चंद्रभान ने अपने पुराने अनुभवों को साझा करते हुए राजनीतिक संघर्ष के बारे में भी बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र बोडा ने कहा कि समय के साथ हर चीज में बदलाव आता रहता है इसलिए मीडिया का परिवेश भी पहले से बहुत हद तक अब बदल चुका है। इसका मुख्य कारण आज के दौर की नई तकनीके हैं, जिनका इस्तेमाल करना पत्रकार और पत्रकारिता के लिए बहुत जरूरी है। इनसे पहले कार्यक्रम के स्वागत उद्बोधन में राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम के संस्थापक अध्यक्ष अनिल सक्सेना ने अपने मन की बात रखते हुए कहा कि फोरम का मुख्य उद्देश्य युवा पत्रकारों छोटे-छोटे गांव एवं शहरों से जुड़े कलम के सिपाहियों को आगे लाना है। साथ ही उन्होंने कहा कि उनके गुरु स्व. वीर सक्सेना से मिली सीख की बदौलत उन्होंने वर्ष 2011 में फोरम की शुरुआत की थी और अभी तक राजस्थान राज्य के कई शहरों में फोरम के कार्यक्रम कराएं जा चुके हैं। उन्होंने इस सोच व उद्देश्य के साथ कार्यक्रम कराएं हैं कि आने वाले समय में पत्रकारिता जगत से जुडा युवा सकारात्मक मानसिकता के साथ जनहित में अपनी कलम की धार को चलाए।

वहीं कार्यक्रम की रूपरेखा का प्रारम्भिक परिचय देते हुए विनोद भारद्वाज ने कहा कि पहले की पत्रकारिता और अब की पत्रकारिता में बहुत से उतार-चढाव आए हैं और आज हर कोई व्यक्ति खुद में एक पत्रकार है। साथ ही स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति हर एक नागरिक को मिली हुई है। चाहे वो सोशल मीडिया के जरिए ही क्यों न हो बस निर्भर यह करता है कि आप उसका सदउपयोग कर रहे हैं या दुरुपयोग। उन्होंने कहा कि आज हर गली मौहल्ले या गांव कस्बे की समस्या का निवारण इंसान स्वयं कर सकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अथितियों में उपस्थित सीएम के ओएसडी फारुख अफरीदी ने कहा कि आज के युग में कॉर्पोरेट सेक्टर का पत्रकारिता में सहभागिता होने की वजह से पत्रकारिता से आमजन का विश्वास उठने लगा है। साहित्यकार लोकेश कुमार साहिल ने कहा कि आज जो कुछ भी अच्छा हो रहा है, वह भारत के आजादी से किए हुए अच्छे कार्यों का ही नतीजा है। लेखक कृष्ण कल्पित ने कहा कि आजकल अवसरवादी नेता भी उसी महापुरुष को पूछते हैं, जो उन्हें वोट दिला सकते हैं। आज के अखबारों में और पत्रकारिता में संपादक की भूमिका बिल्कुल समाप्त हो गई है। साथ ही वर्तमान में साहित्य ने भी पत्रकारिता से दूरी बना ली है। सोशल मीडिया के द्वारा आजकल सब कुछ हो रहा है और प्रिंट मीडिया अपनी विश्वसनीयता खोता जा रहा है।

पिंकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुकेश मीणा ने कहा कि समय-समय पर पत्रकारिता में परिवर्तन होता आया है। कोरोना काल में भी देखा गया कि डिजिटल मीडिया के माध्यम से ही पत्रकारिता ज्यादा हावी रही। इस कार्यक्रम के जरिए उन्होंने पत्रकारों के साथ ही साहित्यकारों के लिए भी सरकारी सुविधाओं की मांग की। कार्यक्रम में राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम से जुड़े उल्लेखनीय कार्य करने के मनोज सोनी, चंदन मिश्रा, अमित चेचानी, संदीप माली, गिरीश पालीवाल, हेमंत साहू, मोरध्वज सिंह, अशोक लोढा, आशा पांडे, नेट थिएट नेक्स्ट एरा थिएटर टीम सहित अन्य प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ पत्रकार राधारमण शर्मा ने आभार व्यक्त किया। पिंक सिटी प्रेस क्लब की ओर से अध्यक्ष मुकेश मीणा और कार्यकारिणी सदस्यो ने फोरम के अध्यक्ष का सम्मान भी किया।

बड़ों को प्रणाम करने से बढ़ता है आयु और बल : डॉ. कल्ला

आजादी के अमृत महोत्सव में झालाना स्थित संस्कृत अकादमी संकुल में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को शिक्षा मंत्री बी.डी.कल्ला ने प्रमाण पत्र वितरित किये।

जयपुर। संस्कृत अकादमी में विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय संस्कार-संस्कृति शिविर के तीसरे और अन्तिम दिन स्वतन्त्रता आन्दोलन और युवा तथा मीडिया, सोशल मीडिया और युवा विषय पर जाने माने पत्रकार और लेखक यशवन्त व्यास, जन सम्पर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक गोविन्द पारीक ने अपने विचार रखे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला थे। ये आयोजन झालाना स्थित अकादमी संकुल में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान संस्कृत अकादमी, राजस्थान ललित कला अकादमी, राजस्थान सिंधी अकादमी एवं करुणा संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में किया जा रहा है। तीन दिवसीय समारोह में चित्रकला प्रतियोगिता, रामायण आधारित प्रश्नमाला और महाभारत आधारित प्रश्नमाला प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। समापन पर तीनों प्रतियोगिताओं के विजेताओं को डॉ. बी.डी. कल्ला ने प्रमाण पत्र वितरित किए।

डॉ. बी.डी. कल्ला ने अपने उद्बोधन में बडों को प्रणाम किए जाने की महत्ता पर रोशनी डालते हुए कहा कि जो अपने से बडों को प्रणाम करता है उससे उसकी आयु और बल स्वत: ही बढ जाते हैं। अगर हम अपने जीवन में आचार्य देव भव, पित्र देवो भव और मात्र देवो भव का भाव जगा लें तो हमारे जीवन की अनेक कठिनाईयां स्वत: ही समाप्त हो सकती है।

उन्होंने कहा इनसान के जीवन में सत्य ही सबसे बड़ा धर्म है। मोबाइल के अनावश्यक बढ़ते दुरूप्योग के के प्रति उन्होंने वहां मौजूद बच्चों को जागरूक करते हुए कहा कि मोबाइल के अनावश्यक इस्तेमाल से बच्चे कई तरह की विकारों और बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों को बच्चों को 12वीं कक्षा तक मोबाइल नहीं देने की सलाह दी। कल्ला ने कहा कि इसके बाद बच्चा स्वत: ही परिपक्व हो जाएगा और मोबाइल का सही इस्तेमाल करने का अभ्यस्त हो जाएगा।

चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता सारिका राणा, विनायक घोचक, सीमा मण्डल, रोसी जयकुमार और राज पारीक रहे। वहीं रामायण आधारित प्रश्नमाला प्रतियोगिता में आयुष ढोकवाल, पिंकी कुमारी बैरवा, कार्तिकेय शर्मा, ईशान झाला, रोशनी बलाई और महाभारत आधारित प्रश्नमाला प्रतियोगिता में संयुक्ता पापड़ीवाल, नेहा महावर, अनूप जाटव, सम्यक जैन और भार्गवी विजेता रहे।

संस्कार व्यक्तिगत और सामाजिक चेतना जाग्रत करते है : सासंद बोहरा

जयपुर। आजादी के अमृत महोत्सव और मोदी सरकार के 8 वर्ष सेवा सुशासन को लेकर जयपुर संसदीय क्षेत्र में मनाये जा रहे सेवा सप्ताह के तीसरे दिन सांसद रामचरण बोहरा ने आदर्श विद्या मंदिर अम्बावाडी जयपुर में पहुंचे। उन्होंने सेवा भारती द्वारा जयपुर शहर में संचालित 30 बाल संस्कार केन्द्रों के बच्चों के लिये नि:शुल्क शिक्षा सामग्री वितरित करते हुए कहा कि यह केन्द्र संस्कार, व्यक्तिगत और सामाजिक चेतना को जाग्रत करने के साथ विशेष शिक्षण से की व्यवस्था से उनको समाज के योग्य बनाता है।

आजादी के अमृत महोत्सव और मोदी सरकार के 8 वर्ष सेवा सुशासन को लेकर मनाये जा रहे सेवा सप्ताह के तीसरे दिन सांसद रामचरण बोहरा ने आदर्श विद्या मंदिर अम्बावाड़ी जयपुर में संबोधित किया।

जयपुर सासंद रामचरण बोहरा ने अग्रसेन सर्किल पर महाराजा अग्रसेन जी एवं पूर्व केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री जनसंघ के समय से वरिष्ठ नेता स्व. सतीशअग्रवाल की प्रतिमा पर कार्यकताओं के साथ माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की इसके बाद अजमेर रोड स्थित ईएसआई हॉस्पिटल में वृक्षारोपरण कर स्वच्छता एवं सुरक्षा कर्मियों का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया, कार्यक्रम के दौरान मरीजों के हाल जानते हुए उनको फल वितरण किये कर कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना।

कार्यक्रम उपरान्त खातीपुरा स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के साथ राष्ट्र के उन्नित की प्रार्थना की। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम की अध्यर्क्षेता नवल बगाड़िया के द्वारा की गई एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला चिकित्सालय, सांगानेरी गेट में बनेगा 500 बैड का आईपीडी टावर

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर स्थित महिला चिकित्सालय, सांगानेरी गेट में सुविधाएं बढ़ाने के लिए कुल 117 करोड़ रुपये व्यय के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री की स्वीकृति से महिला चिकित्सालय में लगभग 85.57 करोड़ रुपये लागत से 500 बैड का आईपीडी टावर और 21.43 करोड़ रूपये लागत से 100 कमरों का नवीन स्नातकोत्तर छात्रावास का निर्माण होगा। यहां करीब 10 करोड़ रूपये के चिकित्सकीय उपकरण खरीदे जाएंगे। प्रस्ताव के अनुसार, आईपीडी टावर में 50 बैड का आईसीयू, 6 मॉडयूलर ओटी तथा भूमिगत पार्किंग का निर्माण भी कराया जाएगा।

गहलोत ने अतिरिक्त बजट प्रावधान के संबंध में चिकित्सा शिक्षा विभाग को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की इमरजेंसी कोविड रेस्पांस पैकेज (ईसीआरपी)-2 में स्वीकृत राशि का उपयोग किए जाने की भी स्वीकृति दी है। उल्लेखनीय है कि श्री गहलोत द्वारा बजट 2022-23 में महिला चिकित्सालय, सांगानेरी गेट में विभिन्न विकास कार्य कराए जाने की घोषणा की थी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने गांवों में जाकर समस्याओं का किया निराकरण

- **पूनिया तीन दिवसीय विधायक जनसंवाद कार्यक्रम के तहत आमेर में लगभग 36 घंटे गावों-ढाणियों में आमजन से करेंगे संवाद**
- **कूकस में चाय की दुकान पर आमजन व कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना**

जयपुर। विधायक जनसंवाद कार्यक्रम के तहत भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने आज अपने आमेर विधानसभा क्षेत्र में गांवों ढाणियों में पहुंचकर जनसुनवाई की, जिसमें आमजन की समस्याओं को सुनकर त्वरित निदान किया। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान ही सतीश पूनियां ने आमेर के कूकस में मुकेश शर्मा की चाय की दुकान पर आमजन व कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। आज 26 जून से लेकर 28 जून तक निरंतर तीन दिवसीय विधायक जनसंवाद कार्यक्रम के तहत डॉ. पूनियां लगभग 36 घंटे आमेर में जनसुनवाई कर जनसमस्याओं का निराकरण करेंगे।

बता दें कि जयपुर में जनसंवाद कार्यक्रम, प्रदेशभर के संगठनात्मक प्रवास कार्यक्रमों के साथ ही प्रत्येक महीने अपने आमेर विधानसभा में डॉ. पूनियां के नियमित जनसंवाद के कार्यक्रम रहते हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ. पूनियां जयपुर स्थित अपने जनसंवाद केन्द्र पर जयपुर रहने के दौरान प्रतिदिन सुबह 08 से दोपहर 11 बजे तक जनसुनवाई कर प्रदेशभर के आमजन व कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते हैं। डॉ. पूनियां ने आज जनसंवाद कार्यक्रम के तहत आमेर के नांगल सुसावतान, कूकस, छापराड़ी, खोरामीणा, ढंड, एवं लबाना इत्यादि गावों में पहुंचकर जनसमस्याओं का निराकरण किया, साथ ही विकास कार्यों का निरीक्षण किया, अन्य जरूरी विकास कार्यों के बारे में विभिन्न गांवों में ठाामवासियों से चर्चा कर जल्द पूरा कराने को कहा। डॉ. पूनियां ने संबोधित करते हुये कहा कि, आमेर का विकास आमेर परिवार के सब लोगों के परिश्रम और आशीर्वाद से संभव हो रहा है। आमेर परिवार के आशीर्वाद और अपनापन से ही आपके साथ कदम से कदम मिलाकर आमेर की विकास यात्रा में नये कीर्तिमान गढ़ रहे हैं। शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, बिजली इत्यादि तमाम क्षेत्रों के विकास में आमेर की नई पहचान बनी है, और इसी संकल्प के साथ आमेर के विकास को आगे बढ़ाते हुये पूरे राजस्थान में आमेर की नई पहचान बन रही है, जिसको हम और आगे बढ़ायेंगे। डॉ. पूनियां के साथ इस दौरान जयपुर देहात उत्तर जिला अध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा, प्रधान बद्रीनारायण बागड़ा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष भगवान शर्मा सहित स्थानीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

27 जून को डॉ. पूनियां आमेर के अचरोल, जैतपुर खींची में सुबह 8 से 11 बजे तक, सुबह 11.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक चिताणु, जुगलपुरा, दोपहर 1 से 2.30 बजे तक कांट, सांगावाला, स्यारी, बान्यावाला, सायं 3 से 4 बजे तक सालडवा, चंदवाजी, पीलवा, सायं 4.30 बजे 5.30 बजे तक अरणिया, कंवरपुरा, हरचंदपुरा, सायं 6 से 7 बजे तक श्यामपुरा, चांदावास, कुशलपुरा इत्यादि गावों में जनसंवाद करेंगे।

पायलट जब जहर उगलेंगे तो सरकार के तबाह होने की संभावना प्रबल हो जाएगी : राठौड़

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि अब कांग्रेस का अंतर्द्वंद और अपमान की राजनीति चरम पर है। मुख्यमंत्री ने 5 साल से ज्यादा समय तक कांग्रेस का नेतृत्व करने वाले पीसीसी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को कभी नकारा, निकम्मा व गद्दार कहा तो कभी बिना रगड़ाई के पद पाने पर तंज कसा।

राठौड़ ने कहा कि अब हदें पार हो गई जब मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री के सहारे से अपने धुर विरोधी सचिन पायलट को निशाने पर लेकर सरकार गिराने के षड्यंत्र का मुख्य सूत्रधार ही बता दिया। अगर मुख्यमंत्री के पास प्रमाण हो तो सचिन पायलट के विरुद्ध एसीबी में दायर 3 मुकदमों पर कार्रवाई क्यों नहीं करवाते? राठौड़ ने कहा कि कुछ दिन पूर्व कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी ने सचिन पायलट के धैर्य की तारीफ क्या कर दी, इससे गुस्साए मुख्यमंत्री पायलट के सरकार गिराने की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाकर सीधे-सीधे कांग्रेस नेतृत्व को ही चुनौती दे डाली। नीलकंठ बने हुए पायलट जब जहर उगल जायेंगे तो सरकार के तबाह होने की संभावना प्रबल हो जायेगी।

माही परियोजना के कार्यों के लिए 545 करोड़ रुपए की मंजूरी

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बांसवाड़ा जिले में माही परियोजना के नहरी तंत्र/वितरिकाओं के सुदृढ़ीकरण एवं जीर्णोद्धार के विभिन्न कार्य करवाने के लिए 545 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की हैं।

इस कार्य से लगभग 80 हजार हैक्टेयर भूमि के सिंचाई जल की दक्षता में वृद्धि होगी। बांसवाड़ा जिले की तहसील बांसवाड़ा, घाटोल, गढ़ी, आनंदपुरी, बागीदौरा, तलवाड़ा, अरथुना में स्थित परियोजना के कमांड क्षेत्र में स्थित किसानों को लाभ मिलेगा।

चांदना ने तैयारियों का जायजा लिया

जयपुर, (का.सं.)। खेल एवं युवा मामले राज्य मंत्री अशोक चांदना ने रविवार को जनपथ स्थित युवा आवास परिसर का दौरा कर 27 जून को होने वाले शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को बेहतर व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए।

खेल राज्य मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सोमवार को राजीव गांधी यूथ एक्सीलेंस सेंटर का शिलान्यास करेंगे। यूथ हॉस्टल का विस्तार होने से युवाओं को उत्कृष्ट सुविधाएं मुहैया हो सकेगी, जिससे राज्य के प्रतिभाशाली युवा, एनसीसी, एनएसएस, भारत स्काउट व गाईड, खिलाडी एवं साहसिक खिलाड़ियों आदि का सर्वांगीण विकास किया जा सकेगा।

भूपेश ने राज्य में नए आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने का अनुरोध किया

महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने रविवार को जयपुर के एक होटल में महिला एवं बाल विकास के तहत 8 वर्षों में अर्जित उपलब्धियों पर आयोजित जोनल मीट का उद्घाटन किया।

जयपुर, (का.सं.)। महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने केंद्र के समक्ष राज्य की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए नए आंगनबाड़ी केंद्रों को खोलने की स्वीकृति देने की मांग की। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही इंदिरा गांधी मातृत्व पोषण योजना तथा उड़ान योजना के लिए भी केन्द्र सरकार से सहयोग की अपेक्षा की।

भूपेश रविवार को जयपुर के एक होटल में महिला एवं बाल विकास के तहत 8 वर्षों में अर्जित उपलब्धियों पर आयोजित जोनल मीट को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मुंजीपारा महेन्द्रभाई की उपस्थिति में केंद्र सरकार से आग्रह किया कि राज्य में 5 हजार नवीन आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि राज्य की विशेष भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए केन्द्र सरकार नए आंगनबाडी खोलने की अनुमति दे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाया गया है, लेकिन केंद्र द्वारा उसी अनुपात में अंशदान नही दिया जा रहा है। वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा 68 प्रतिशत का अंशदान दिया जा रहा है तथा केंद्र द्वारा मात्र 32 दिया जा रहा है। जबकि केन्द्र द्वारा 60 प्रतिशत का अंशदान देय है। उन्होंने मानदेय कर्मियों हेतु राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवायी जा रही अतिरिक्त राशि का 60 प्रतिशत अंशदान केन्द्र सरकार के स्तर से वहन किये जाने का आग्रह किया।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

खोया पाया
महारानी फार्म संयुक्त विकास महासमिति, दुर्गापुरा, जयपुर का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र एवं विधान पत्र की मूल फाइल कहीं गुम हो गई है। मिले तो संपर्क करें, कांति कृष्ण शर्मा-9829600746

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 4634 जाहिर आम-सूचना दि.:24.06.2022
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर योजना जयपुर में मण्डल द्वारा अवाप्त भूमि के बदले मुआवजा स्वरूप 15 प्रतिशत आवासीय विकसित भूखण्ड संख्या 111/10 क्षेत्रफल 236.25 वर्गमीटर का आवंटन का खातेदार श्री विजय मेहता पुत्र श्री हिम्मत सिंह को किया गया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1159 दिनांक 12.08.2002 को जारी किया गया था। श्री विजय मेहता द्वारा उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड का विक्रय श्रीमती राधादेवी बजाज पत्नी श्री ओम प्रकाश बजाज को दिनांक 06.07.2005 को जरिये विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती राधादेवी बजाज के निवेदन पर कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 7504 दिनांक 19.06.2013 के द्वारा इनका नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज किया गया। श्रीमती राधादेवी बजाज द्वारा उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड का उपहार श्री मानव बजाज पुत्र श्री ओमप्रकाश बजाज को दिनांक 22.03.2022 को जरिय उपहार पत्र पंजीकृत करवाया गया। अतः उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड के नाम दर्ज करने बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री मानव बजाज पुत्र श्री ओमप्रकाश बजाज का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
भवदीय, सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नाम परिवर्तन
मै पप्पू शर्मा पुत्र हरिराम शर्मा निवासी झाडली तहसील मालपुरा जिला टोंक बयान करता हॅू कि मेरा नाम आधार कार्ड,वोटर आईडी व राशन कार्ड सहित सभी दस्तावेजो मे पप्पू शर्मा दर्ज है। लेकिन भूलवश मेरी पुत्री आरती के आधार कार्ड व स्कुल रिकार्ड मे मेरा नाम रमेश शर्मा दर्ज हो गया जो कि मेरा उपनाम है। अत : भूलवश दर्ज गलत नाम को हटा रमेश के बजाय पप्पू शर्मा पढा व माना जाये।

I have changed my name from Umardin Teli to Umardin Mansuri S/o Mohammed Mansuri for all purpose: Resi. 2/84, Azad Nagar, Jawahar Nagar bypass, Jaipur.

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 4633 जाहिर आम-सूचना दि.:24.06.2022
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर योजना जयपुर में मण्डल द्वारा अवाप्त भूमि के बदले मुआवजा स्वरूप 15 प्रतिशत आवासीय विकसित भूखण्ड संख्या 111/09 क्षेत्रफल 236.25 वर्गमीटर का आवंटन का खातेदार श्री अनिल अग्रवाल पुत्र श्री फूल चन्द अग्रवाल को किया गया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1158 दिनांक 12.08.2002 को जारी किया गया था। श्री अनिल अग्रवाल द्वारा उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड का विक्रय श्रीमती राधादेवी बजाज पत्नी श्री ओम प्रकाश बजाज को दिनांक 06.07.2005 को जरिये विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती राधादेवी बजाज के निवेदन पर कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 7505 दिनांक 19.06.2013 के द्वारा इनका नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज किया गया। श्रीमती राधादेवी बजाज द्वारा उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड का उपहार श्री मानव बजाज पुत्र श्री ओमप्रकाश बजाज को दिनांक 22.03.2022 को जरिये उपहार पत्र पंजीकृत करवाया गया। अतः उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड के नाम दर्ज करने बाबत किसी व्यक्ति/ पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री मानव बजाज पुत्र श्री ओमप्रकाश बजाज का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
भवदीय, सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 4632 जाहिर आम-सूचना दि.:24.06.2022
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर योजना जयपुर में मण्डल द्वारा अवाप्त भूमि के बदले मुआवजा स्वरूप 15 प्रतिशत आवासीय विकसित भूखण्ड संख्या 111/08 क्षेत्रफल 236.25 वर्गमीटर का आवंटन का खातेदार श्री अनिल अग्रवाल पुत्र श्री फूल चन्द अग्रवाल को किया गया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1157 दिनांक 12.08.2002 को जारी किया गया था। श्री अनिल अग्रवाल द्वारा उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड का विक्रय श्रीमती राधादेवी बजाज पत्नी श्री ओम प्रकाश बजाज को दिनांक 06.07.2005 को जरिये विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती राधादेवी बजाज के निवेदन पर कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 7506 दिनांक 19.06.2013 के द्वारा इनका नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज किया गया। श्रीमती राधादेवी बजाज द्वारा उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड का उपहार श्री मानव बजाज पुत्र श्री ओमप्रकाश बजाज को दिनांक 22.03.2022 को जरिये उपहार पत्र पंजीकृत करवाया गया। अतः उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड के नाम दर्ज करने बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री मानव बजाज पुत्र श्री ओमप्रकाश बजाज का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
भवदीय, सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 4631 जाहिर आम-सूचना दि.:24.06.2022
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर योजना जयपुर में मण्डल द्वारा अवाप्त भूमि के बदले मुआवजा स्वरूप 15 प्रतिशत आवासीय विकसित भूखण्ड संख्या 111/07 क्षेत्रफल 236.25 वर्गमीटर का आवंटन का खातेदार श्री अनिल अग्रवाल पुत्र श्री फूल चन्द अग्रवाल को किया गया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1156 दिनांक 12.08.2002 को जारी किया गया था। श्री अनिल अग्रवाल द्वारा उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड का विक्रय श्रीमती राधादेवी बजाज पत्नी श्री ओम प्रकाश बजाज को दिनांक 06.07.2005 को जरिय विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया गया। तत्पश्चात श्रीमती राधादेवी बजाज के निवेदन पर कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 7507 दिनांक 19.06.2013 के द्वारा इनका नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज किया गया। श्रीमती राधादेवी बजाज द्वारा उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड का उपहार श्री मानव बजाज पुत्र श्री ओमप्रकाश बजाज को दिनांक 22.03.2022 को जरिय उपहार पत्र पंजीकृत करवाया गया। अतः उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड के नाम दर्ज करने बाबत किसी व्यक्ति/ पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री मानव बजाज पुत्र श्री ओमप्रकाश बजाज का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
भवदीय, सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 4630 जाहिर आम-सूचना दि.:24.06.2022
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर योजना जयपुर में मण्डल द्वारा अवाप्त भूमि के बदले मुआवजा स्वरूप 15 प्रतिशत आवासीय विकसित भूखण्ड संख्या 111/06 क्षेत्रफल 236.25 वर्गमीटर का आवंटन का खातेदार श्री अनिल अग्रवाल पुत्र श्री फूल चन्द अग्रवाल को किया गया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1155 दिनांक 12.08.2002 को जारी किया गया था। श्री अनिल अग्रवाल द्वारा उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड का विक्रय श्रीमती राधादेवी बजाज पत्नी श्री ओम प्रकाश बजाज को दिनांक 06.07.2005 को जरिय विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती राधादेवी बजाज के निवेदन पर कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 7500 दिनांक 19.06.2013 के द्वारा इनका नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज किया गया। श्रीमती राधादेवी बजाज द्वारा उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड का उपहार श्री मानव बजाज पुत्र श्री ओमप्रकाश बजाज को दिनांक 22.03.2022 को जरिय उपहार पत्र पंजीकृत करवाया गया गया। अतः उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड के नाम दर्ज करने बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, श्री मानव बजाज पुत्र श्री ओमप्रकाश बजाज का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
भवदीय, सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

OFFICE OF THE GRAM PANCHAYAT ASALPUR P.S. JOBNER (JAIPUR)
S.NO:2022-23/ASALPUR/181-1/34 DATE-24.06.2022
INVITATION OF E-TENDER YEAR 01/2021-22
On behalf of Governor of rajasthan invites open tender from eligible contractor for **TWO CONSTRUCTION WORK AT GP ASALPUR** estimated cost of work is Rs. 16.50 lakhs.
Details available on www.sppp.rajasthan.gov.in
UBIN No. ZJP2223WSOB00818
Tender ID 2022_PRD_283225_1
Sarpanch GP ASALPUR — VILLAGE DEVELOPMENT OFFICER GP ASALPUR

आज़ादी का अमृत महोत्सव
पावरग्रिड POWERGRID

सूचना
1. CERC (व्यवसाय का संचालन) विनियम '1999 और CERC (टैरिफ के नियम और शर्तें) विनियम'2019 के विनियमन-86 के तहत अनुमोदन i) 2014-19 टैरिफ ब्लॉक के लिए ट्रांसमिशन टैरिफ का सहीकरण और ii) पश्चिमी क्षेत्र में ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-इंटर स्टेट ट्रांसमिशन स्कीम (ISTS) पार्ट-बी के लिए 2019-24 टैरिफ ब्लॉक के लिए ट्रांसमिशन टैरिफ का निर्धारण।
2. उपर्युक्त ट्रांसमिशन सिस्टम के लाभार्थी हैं: 1) राजस्थान राज्य विद्युत प्रसार निगम लिमिटेड। (2) अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (3) जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (4) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (5) पंजाब राज्य विद्युत बोर्ड। (6) हरियाणा विद्युत खरीद केंद्र (7) विद्युत विकास विभाग, सरकार। (8) उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (9) दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड (10) बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (11) बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (12) उत्तरी दिल्ली पावर लिमिटेड (13) चंडीगढ़ प्रशासन। (14) उत्तरांचल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (15) उत्तर मध्य रेलवे (16) नई दिल्ली नगर परिषद (17) हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (18) मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (19) विद्युत विभाग, दमन और दीव का प्रशासन, दमन (20) गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड, वडोदरा (21) विद्युत विभाग, गोवा सरकार, पणजी, (22) विद्युत विभाग, दादरा नगर हवेली, सिलवासा का प्रशासन, (23) महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड।, मुंबई, (24) छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर, (25) महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, इंदौर (26) छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (27) महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी ट्रांसमिशन कंपनी। लिमिटेड 28) दिल्ली ट्रैंको लिमिटेड
3. टैरिफ विवरण: (₹ लाख में)

2014-19 के लिए ट्रू-अप ट्रांसमिशन टैरिफ		
संपत्ति	2017-18	2018 - 19
संपत्ति-ए: चित्तौड़गढ़-अजमेर 765 केवी डी/सी लाइन के साथ संबद्ध बे और 240 एमवीएआर स्विचेबल लाइन रिएक्टर दोनों छोर पर	3771.73	14997.30
संपत्ति बी1: i) 765 केवी बनासकांठा-चित्तौड़गढ डी/सी लाइन सहित 2 नग। बनासकांठा एसएस में 330 एमवीएआर, 765 केवी स्विचेबल लाइन रिएक्टर और 2 नग। चित्तौड़गढ़ एसएस में 240 एमवीएआर, 765 केवी स्विचेबल लाइन रिएक्टर दोनों सिरों पर संबद्ध लाइन बे के साथ, ii) 400 केवी बनासकांठा - सांखरी डी / सी लाइन 765/400 केवी बनासकांठा एसएस और 400 केवी सांखरी (जीईटीसीओ) एसएस पर संबद्ध बे के साथ,	-	2283.05
संपत्ति बी 2: 1 नं. बनासकांठा एसएस में संबद्ध खाड़ी के साथ 400 केवी, 125 एमवीएआर बस रिएक्टर	-	2.29

a) 2019-24 ब्लॉक

संपत्ति विवरण	CERC द्वारा स्वीकृत लागत	2019-24 ब्लॉक के लिए टैरिफ				
		2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
संयुक्त संपत्ति (डोको 04.10.2018 से प्रभावी)	283949.52	42487.45	43370.97	43791.95	43626.20	43308.32

4. टैरिफ के निर्धारण के लिए किए गए आवेदन की एक प्रति आवेदक की वेबसाइट **www.powergrid.in** पर पोस्ट की गई है।
5. आवेदन में निहित टैरिफ के निर्धारण के प्रस्तावों पर सुझाव और आपत्तियां, यदि कोई हों, लाभार्थी सहित किसी भी व्यक्ति द्वारा, सचिव, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, तीसरी और चौथी मंजिल, चंद्रलोक भवन, जनपथ, नई दिल्ली - 110001 के समक्ष इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर आवेदक को उसके कॉर्पोरेट कार्यालय के पते पर एक प्रति के साथ दायर की जा सकती हैं (या अन्य पते पर जहाँ आयोग का कार्यालय स्थित है)।

स्थान : गुड़गांव
दिनांक : 23-06-2022
हस्ता/-
मुख्य महाप्रबंधक (वाणिज्यिक)

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय: बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
कॉर्पोरेट कार्यालय: सौदामिनी, प्लॉट नंबर-2, सेक्टर-29, गुड़गांव, हरियाणा-122001
दूरभाष : 0124-2571700-719, **www.powergrid.in, CIN:40101DL1989GOI038121**
महारत्न PSU
PG/CC/Notice-13/Advt-20/2022-23/Prabhatam

आमजन से एक करोड़ रुपये ठग चुका अफ्रीकन बदमाश दिल्ली से गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। मुहाना थाना पुलिस ने एक करोड़ रुपए से अधिक की साइबर ठगी करने के आरोप में अफ्रीकन नागरिक बाउंडिलाई निवासी बेन अली दियारा को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस 2 बदमाशों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से आधा दर्जन स्वैप मशीन, दो दर्जन एटीएम, डेबिट कार्ड व दो दर्जन फर्जी बिल बुक जप्त की है।

डीसीपी साउथ मृदुल कच्छावा ने बताया कि

■ **महंगे गिफ्ट का लालच देकर लोगों को जाल में फंसाता था; पुलिस ने स्वैप मशीन और डेबिट कार्ड बरामद किये**

साइबर अपराधियों द्वारा आमजन को विदेशी सामान सस्ते दामों पर बेचने के नाम पर सोशल मीडिया एप्स के माध्यम से झांसे में लेकर ठगी की वारदातें हो रही है।

अपराधियों की धरपकड़ के लिए टीम का गठन किया गया था। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त भरत लाल मीणा के निर्देशन व सहायक पुलिस आयुक्त हरिशंकर के सुपरविजन में थानाधिकारी मुहाना लखन सिंह खटाना की टीम ने यह कार्रवाई की। परिवादी हरदयाल ने 20 मई 2021 को मुहाना पुलिस थाना में रिपोर्ट दी थी कि साइबर ठग ने खुद को एलीका निवासी रोमानिया किमडॉन होना बताकर उसे महंगा विदेश मोबाइल सस्ते दामों में बेचने का झांसा दिया गया। आरोपियों ने फर्जी बिल परिवादी को व्हाट्सएप करके, एयरपोर्ट से डिलीवरी लेने के लिए कस्टम ड्यूटी जमा करवाने के नाम पर 25 हजार 500 रुपए खाते में जमा करवा लिए।

बाद में डिलीवर किए जाने वाले पार्सल में विदेशी करेंसी होने का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी की वारदात की। पुलिस ने इस मामले में आरोपी बाउंडिलाई निवासी बेन अली दियारा हाल निवासी संत नगर बुरारी दिल्ली, दिल्ली स्थित कृष्णापुरी तिलक नगर निवासी सौरभ चौहान व कमल लोहट को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रहीं है।

मुहाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर लोगों से ठगी करने वाले अफ्रीकन बदमाश को दिल्ली से गिरफ्तार किया।

राजस्थान विवि.के रजिस्ट्रार को कार्य मुक्त करने की मांग

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय के आजीवन सीनेट सदस्य डॉ.अखिल शुक्ला एडवोकेट ने विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कलराज मिश्र को पत्र लिखकर राजस्थान विश्वविद्यालय की वर्तमान रजिस्ट्रार को तत्काल कार्यमुक्त करने की मांग की है।

डॉ.शुक्ला ने कहा कि रजिस्ट्रार द्वारा सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और अधिकारियों को मीडिया से बात करने पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है, जो कि विचार व अभिव्यक्ति की आजादी का स्पष्टत: हनन है। विश्वविद्यालय में विषय विशेषज्ञ समय-समय पर देश राज्य व जिले के विभिन्न विषयों पर अपनी राय व्यक्त कर समाज को नयी दिशा देने का कार्य करते हैं। राष्ट्र हित, जनहित, न्याय हित व छात्र हित में शिक्षकों कर्मचारियों व अधिकारियों को अपने स्वतंत्र विचार व्यक्त करने का पूर्ण वैधानिक अधिकार है। लोकतंत्र में विश्वविद्यालय के लोगों की आवाज व कलम को बंद करने के इस काले आदेश का कोई औचित्य नहीं है। देश का संविधान व कानून,सूचना का अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व विचार व्यक्त करने की आजादी प्रदान करता है। डॉ.शुक्ला ने कुलाधिपति को पत्र लिखकर तत्काल इस प्रकरण में हस्तक्षेप कर विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार को कार्यमुक्त करने एवं इस काले आदेश को तत्काल वापस करवाने की मांग की है।

सिक्योरिटी गार्ड ने बिल्डिंग की चौथी मंजिल से नीचे कूदकर आत्महत्या की

जयपुर (कासं)। करणी विहार इलाके की एक बिल्डिंग की चौथी मंजिल से बुजुर्ग सिक्योरिटी गार्ड ने शनिवार शाम को नीचे छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। छत का गेट बंद मिलने पर सिक्योरिटी गार्ड को ढूंढा, तभी उसका शव बिल्डिंग के पास खाली प्लाट में लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। करणी विहार थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को एसएमएस हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है।

थानाधिकारी जयसिंह बेसरा ने बताया कि मृतक महादेव मदान (62) मूलत: उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। वह पिछले 22 सालों से रजनी विहार करणी विहार स्थित मोहित कॉटेज में गारमेंट फैक्ट्री में रहता था। फैक्ट्री की सिक्योरिटी का महादेव मदान करता

■ **करणी विहार इलाके की गारमेंट फैक्ट्री का मामला, बिल्डिंग के पास खाली प्लॉट में पड़ा मिला शव**

था। शाम करीब 7 बजे उसने बिल्डिंग की चौथी मंजिल से नीचे छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। करीब एक घंटे बाद फैक्ट्री अकाउंटेंट अपने घर जाने के लिए निकला तो महादेव मदान नहीं दिखा।

आवाज लगाते हुए फैक्ट्री में ढूंढते हुए छत पर जा पहुंचा, तो वहां चौथी मंजिल का गेट बंद मिला। काफी आवाज लगाने और गेट खटखटाने के बाद भी नहीं खोला तो शक होने पर गेट के पास स्थित छज्जे पर उतरकर छत पर पहुंचा। छत पर महादेव मदान के नहीं मिलने पर बिल्डिंग के नीचे इधर-उधर झांक कर देखा, तभी महादेव का शव बिल्डिंग के नजदीक खाली प्लाट में पड़ा दिखा।

इस पर वह शोर मचाते हुए बिल्डिंग के बाहर आया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग भी इक्ट्ठा हो गए। खाली प्लाट में महादेव मदान का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा था। लोगों की सूचना पर करणी विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके से सबूत जुटाकर शव को एम्बुलेंस की मदद से एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस ने मृतक के पास किसी प्रकार का सुसाइड नोट मिलने की बात से इंकार किया है।

एनएलपी, गेस्टाल्ट, पास्ट लाइफ रिग्रेशन जैसी थैरेपीज़ के बारे में खुलकर हुई चर्चा

जयपुर (कासं)। अक्सर हमारे इर्दगिर्द नजरअंदाज किए जा रहे मेन्टल वेलनेस जैसे गहन मुद्दों पर शहर में पहली बार एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जहां कार्यक्रम बटरफ्लाई : अ प्रोग्रोसिव स्टेप टुवर्ड्स वैलनेस में जयपुराइट्स ने एक्सपर्ट्स और थेरेपिस्ट से बातचीत कर अपने जीवन की उलझने व्यक्त की। रविवार को सी-स्कीम स्थित केके सक्वायर में आयोजित हुई इस कार्यक्रम में मानसिक परेशानियों को नजदीक से समझने के लिए टॉक्स, थेरेपीज और विभिन्न सेशंस रखे गए। जहां जयपुर ही नहीं देश के कई जाने-माने डॉक्टर्स, थेरेपिस्ट और स्पेशलिस्ट्स सहित 120 मेन्टल थेरेपीज रखी गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर संतोकबा दुर्लबजी से योगेंद्र दुर्लबजी, राजस्थान हॉस्पिटल के डायरेक्टर और साइकाइट्री डिपार्टमेंट के कंसलटेंट डॉ.राघव शाह, केके ग्रुप से ओम प्रकाश मित्तल ने मेन्टल परेशानियों के बारे में लोगों को कम ज्ञान होने पर दु:ख जताया। साथ इस तरह के आयोजन और हो इसके लिए प्रोत्साहन दिखाया। एनएलपी, गेस्टाल्ट, पास्ट लाइफ रिग्रोशन, कॉन्सियसनेस, फैमिली कांस्टीलेशन, ग्राफोलॉजिस्ट, हेल्थ एंड इनर इंजीनियरिंग, प्राणिक हीलिंग, साउंड हीलिंग, एंजेल हीलिंग, हैंडराइटिंग एक्सपर्ट, टैरो रीडर, मेटाफर थेरेपी आदि मेन्टल स्पेशलिस्ट्स स्पीकर के तौर पर सेशंस कंडक्ट हुए।

कार्यक्रम की आयोजक और मास्टर एनएलपी एंड गेस्टअल्ट थेरेपिस्ट नंदिता मित्तल ने बताया कि हम अक्सर जीवन में छोटी परेशानियों से थक कर रूक जाते है, परेशान हो जाते है और आगे का रास्ता देख नहीं पाते। इन छोटी परेशानियों को हम बडा समय उलझ जाते है हो आगे चल के क्लिनिकल परेशानियों को जन्म देता है। जीवन की इन छोटी रुकावटों को टोक सेशन्स और थेरेपीज के द्वारा मदद की जा सकती है। आज बडी से बडी समस्या का कारण मेन्टल परेशानी या स्ट्रेस है, ऐसे में हमने इस कार्यक्रम के आयोजन का सोचा। इससे एकत्रित की गई पूरी राशि उमंग फाउंडेशन ट्रस्ट के द्वारा जरूरतमंद बच्चों की मदद के लिए दी जाएगी। ये कार्यक्रम क्लास 10 और क्लास 7 के स्टूडेंट्स लक्ष्य और कृषिव द्वारा संरचित किया गया।

''बटरफ्लाई: अ प्रोग्रोसिव स्टेप टुवर्ड्स वैलनेस'' कार्यक्रम में रविवार को जयपुराइट्स ने एक्सपर्ट्स और थेरेपिस्ट से बातचीत की।

नर्सेज के कैडर पुनर्गठन की मांग ने जोर पकड़ा

जयपुर । राज्य में नर्सेज संवर्ग के कैडर पुनर्गठन की मांग ने अब जोर पकड़ लिया है। पिछले दिनों राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में पदाधिकारियों ने इस बात पर कड़ा रोष जताया था कि कैडर का पुनर्गठन नही होने से नई खुलने वाली सीएचसी व पीएचसी समेत सभी अस्पतालों में नर्सिंग संवर्ग के अपर्याप्त पद सृजित किए जा रहे हैं।

साथ ही पदोन्नित पद का अनुपात भी अन्य कर्मचारियों की तुलना में बहुत कम होने से अधिकतर स्टॉफ पूरे सेवाकाल में मात्र एक पदोन्नित के बाद ही सेवानिवृत हो रहे हैं। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्यारे लाल चौधरी, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र सिंह शेखावत, प्रदेश महामंत्री सुनील शर्मा ने बताया कि इस मांग को लेकर मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, मुख्य सचिव, स्वास्थ्य सचिव तथा निदेशक राजपत्रित को ज्ञापन देकर शीघ्र कैडर पुनर्गठन करने, नर्सिंग ट्यूटर व सीनियर नर्सिंग ऑफिसर को राजपत्रित करने तथा नर्सिंग ऑफिसर से शैक्षिणक योग्यता के आधार पर नर्सिंग ट्यूटर व सीनियर नर्सिंग ऑफिसर में पदोन्नित के अवसर वर्तमान की भांति सुचारू रखने की मांग की है।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में मीडिया से बातचीत करने पर रोक लगाने का जमकर विरोध शुरू

यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार नीलिमा तक्षक ने लिखित में आदेश जारी करके कर्मचारियों को मीडिया और सोशल मीडिया से दूरी बनाने की बात कही

जयपुर (कासं)। राजस्थान यूनिवर्सिटी में कर्मचारियों और टीचर्स की मीडिया से बातचीत पर रोक लगा दी गई है। यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार नीलिमा तक्षक ने लिखित आदेश जारी कर कर्मचारियों को मीडिया और सोशल मीडिया से दूरी बनाने की बात कही है। इसके साथ ही ऐसा करने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई का आदेश भी जारी किया है। जिसके बाद यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों के साथ ही एबीवीपी और एनएसयूआई ने भी यूनिवर्सिटी प्रशासन के इस आदेश का विरोध शुरू कर दिया है।

एबीवीपी के राष्ट्रीय मंत्री होशियार मीणा ने कहा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन का यह आदेश काला कानून है। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वर्तमान में मीडिया और सोशल मीडिया छात्रों के हित में काम कर रहे हैं। ऐसे में यूनिवर्सिटी प्रशासन को जल्द से जल्द तानाशाह रजिस्ट्रार के आदेश पर रोक लगानी चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ। तो यूनिवर्सिटी में कार्यरत टीचर्स और कर्मचारियों के हक के लिए आन्दोलन करेगा। एनएसयूआई के प्रदेश प्रवक्ता रमेश भाटी ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार सभी को है। ऐसे में सोशल मीडिया और मीडिया से बातचीत पर बैन लगना पूरी तरह से असंवैधानिक है।

नये पदाधिकारियों को कार्यभार सौंपा

रोटरी क्लब जयपुर राउण्ड टाउन के वर्तमान अध्यक्ष अनिल शर्मा और सचिव मनोज कुमार चतुर्वेदी ने आगामी अध्यक्ष सुनील दत्त गोयल एवं सचिव अश्विनी वाधवा को प्रभार सौंपा।

जयपुर (कासं)। रोटरी क्लब जयपुर राउण्ड टाउन के वर्तमान अध्यक्ष अनिल शर्मा एवं सचिव मनोज कुमार चतुर्वेदी ने आगामी अध्यक्ष सुनील दत्त गोयल एवं सचिव अश्विनी वाधवा को प्रभार सौंपा। पूरे वर्ष में किए गए कार्यों के विवरणनुसार कोषाध्यक्ष विशाल बांका ने क्लब की वित्तीय स्थिति की जानकारी दी। उपस्थित सभी सदस्यों ने क्लब की परिस्थितियों का जायजा लिया एवं इसे सुचारू रूप से चलाने के लिए अपने सुझाव दिये। पूर्व प्रांतपाल अशोक गुप्ता (मेंटर), अजय काला (ट्रेनर) एवं रमेश चंद्र अग्रवाल (एडवाइजर) ने अपने संबोधन में रोटरी के इतिहास एवं वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोटरी कैसा चल रहा है इसके विभिन्न पहलुओं को छुआ और भविष्य की रूपरेखा रखी। कार्यक्रम में निर्देशक एवं पूर्व अध्यक्ष मनोज बंसल, आलोक अग्रवाल,शशांक जैन, चंद्रेश नागर, दीपक शर्मा, राजेश शर्मा, निर्देशक रविकांत कानूनगो, जय शर्मा, सुधा साबू, बिमल साबू, अनीता धींगडा, कमल सामोदिया, पुरुषोत्तम खंडेलवाल, शरद मोदी, नवदीप माथुर, देवेश बंसल, विक्रम शर्मा, वैभव साबू, रणधीर सिंह एवं मीडिया प्रभारी मधुरिमा शर्मा व अन्य सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।

कर्मचारियों ने कुलसचिव के खिलाफ जकर नारेबाजी की

जयपुर (कासं)। राजस्थान विवि. के कुलपति सचिवालय पर पिछले कई दिनों से धरने पर बैठे कर्मचारियों ने कुलसचिव द्वारा कर्मचारियों पर मीडिया से बातचीत करने पर लगाई गई रोक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मोहम्मद मुस्तफा ने संबोधित करते हुए कहा कि मृतक कर्मचारी स्व. जगदीश मीणा के आश्रितों को मुआवजा राशि दिलवाने व परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिलवाने और सेवानिवृत्ति कर्मचारियों का रिफिक्सेशन कर उनसे रिकवर की गई राशि को वापस करने व रिफिक्सेशन पर रोक लगाने की मांग को लेकर कुलपति सचिवालय पर विगत 28 दिनों से धरना दिया जा रहा है। प्रत्येक दिन किसी ना किसी समाचार पत्र मे समाचार छपते रहते थे, यह विश्वविद्यालय प्रशासन को अच्छा नहीं लगा इसलिए प्रशासन ने मीडिया से बात करने से रोक लगाई। मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है मीडिया से बात ना करने का आदेश निकाल कर्मचारियों पर रोक लगाना, हम लोगों के अधिकारों का हनन है इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कुलसचिव को अपने इस आदेश को वापस लेना चाहिए। एसोसिएशन के अध्यक्ष लक्ष्मण सेन ने कहा की मीडिया से बात करना हमारा जनतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकार है इस पर रोक लगाकर हमारे अधिकारों को कुचला जा रहा है इसे किसी भी स्थिति मे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धरने का नेतृत्व राजेश कुमार ने किया, कर्मचारी नेता सुरेश शर्मा, व जय प्रकाश शर्मा भी मौजूद थे।

तस्करी कर 37 ऊंट हरियाणा ले जा रहा ट्रक जब्त, चालक गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मालपुरा गेट थाना पुलिस ने राज्य पशु ऊंट की तस्करी कर हरियाणा ले जा रहे ट्रक को जब्त कर आरोपी चालक को गिरफ्तार किया है। वहीं ट्रक में निर्दयतापूर्वक भरे हुए 37 ऊंटों को एनजीओ के सुपुर्द किया है।

थानाधिकारी रायसल सिंह ने बताया गिरफ्तार आरोपित जकरिया उर्फ़ जाकीर (32) गांव बस्सी खानजादा, मेवात हाल गांव गुर्जर नंगला, फिरोजपुर झिरका, हरियाणा का रहने वाला है। मुखबिर की सूचना पर बम्बाला पुलिया के पास ट्रक जब्त कर उसमें ठूंस ठूंस कर भरे गए 37 ऊंटों को मुक्त कराया गया है। आरोपित ऊंटों को टोंक से भरकर लुहारू हरियाणा ले जा रहा था।

सार-समाचार

चिकित्सा व परामर्श शिविर आयोजित

जयपुर, (कासं)। प्राकृतिक चिकित्सा एवम सुजोक थैरेपी अपनाने हेतु लोगों को जागरूक करने के लिए हेल्थ एजुकेशन एवं लव फॉर पीपल सोसायटी व संग अर्श सामाजिक सेवा समिति द्वारा समाज निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श कैम्प लगाया गया। डॉ.दीपाली वार्ष्णेय अग्रवाल ने बताया कि कोरोना महामारी के वव्रत प्राकृतिक चिकित्सा बहुत ही कारगर रही। बढते प्रदूषण के कारण बार बार ऐसी स्तिथि ना आये इसके लिए प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाएं, प्रकर्ति के करीब आएं। डॉ. दीपाली ने साथ ही लोगों को सुजोक थेरेपी भी दी, काफी ज्यादा संख्या में लोगों ने कैम्प में आकर लाभ प्राप्त किया। हेल्प्स के अध्यक्ष प्रशांत चतुर्वेदी व संग अर्श के अध्यक्ष दीपक सिंघल ने बताया कि उन्होंने एक जागरूकता अभियान शुरू किया है। इसके तहत वो पूरे जयपुर मे हर वार्ड में ऐसी कैम्प लगाएंगे और लोगों को प्राकतिक चिकित्सा अपनाने के लिए जागरूक करेंगे। इस मिशन में इनकी पूरी टीम प्रशांत गुप्ता, नेहा, निशिकांत गुप्ता, रेणु श्रीवास्तव, आयुष शर्मा, आशीष सोनी, दिव्यम अग्रवाल, तनिष्क अग्रवाल, डॉ कुलदीप और पंकज सैनी सहयोग कर रहे हैं। कैम्प्स की इस कडी में ये पांचवां कैम्प है जो सी 19 आईसीआईसी के पीछे खादी कॉलोनी बजाजनगर में विक्रम खेतान और कुलदीप शर्मा के सहयोग से रखा गया। कैम्प में करीब 125 लोगो का इलाज किया गया। इनमें सर्वाइकल, घुटने के दर्द, फैटी लिवर, डायबटीज़, थायराइड, डिप्रेशन, मोटापा, गैस के पेशेंट्स का इलाज किया गया,साथ ही उनको खान पान का तरीका और हल्दी, अजवाइन, मैथी, जीरा आदि के औषधिय गुण और लेने का तरीका बताया गया।साथ ही प्रकर्ति के करीब कैसे रहें व दिनचर्या कैसी होनी चाहिए इसके बारे में जानकारी दी।

बच्ची से बाइक सवार ने की छेड़छाड़

जयपुर (कासं)। शहर के प्रताप नगर इलाके में 12 साल की बच्ची से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। गार्डन के पास खेलते समय बाइक सवार ने उससे छेड़छाड़ की। इस पर बच्ची ने घर से बाहर जाना बंद किया। आखिरकार मां के पूछने पर बच्ची ने आपबीती सुनाई। इस पर परिजनों ने प्रताप नगर थाने में छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस अज्ञात बाइक सवार की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि प्रताप नगर के सेक्टर-8 निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिकायत में बताया कि उसकी 12 साल की बच्ची से एक बाइक सवार युवक ने छेड़छाड़ की है। घटना के मुताबिक, 13 जून को उसकी बेटी घर के पास स्थित गार्डन में खेलने गई थी। दोपहर करीब 3 बजे गार्डन में खेलकर घर आने के लिए निकली। गार्डन से बाहर निकलते ही एक बाइक सवार युवक उसके पास आकर रूका। बाइक सवार ने बच्ची के साथ छेडछाड की। शोर मचाने पर बाइक लेकर आरोपी वहां से भाग निकला। घर पर गुमशुम रहने और बाहर नहीं जाने पर मां को शक हुआ। मां ने दबाव बनाकर बच्ची से पूछा तो उसने बाइक सवार की करतूत के बारे में बताया। गुस्साए परिजनों ने शुक्रवार को थाने जाकर मामला दर्ज करवाया। पुलिस वारदातस्थल के आसपास लगे फुटेजों को खंगालने के साथ बाइक सवार दरिंदे की तलाश कर रही है।

ड्रग्स के दुष्परिणामों के बारे में बताया

जयपुर (कासं)। जयपुर में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने की ओर से शास्त्री नगर इलाके में स्थित भट्टाबस्ती में रविवार को नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय जयपुर के अगद तंत्र विभाग द्वारा नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में यह एक दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन शास्त्री नगर की भट्टा बस्ती में किया गया। शिविर में सौ से अधिक मरीजों ने परामर्श एवं नि:शुल्क दवाइयों का फायदा लिया। इस अवसर पर नि:शुल्क दवाईयां, मनोवैज्ञानिक परामर्श तथा ड्रग्स के दुष्परिणामों के बारे में बताकर ड्रग्स का सेवन न करने के लिए जागरुक भी किया गया। शिविर में संस्थान के डॉ. अनिता, डॉ. अमोल, डॉ. दिनेश कुमावत, डॉ. रिंकेश, डॉ. रहीश, डॉ. नारायण एवं डॉ. किशोर दास ने भाग लिया।

कीर्तन अरदास का आयोजन किया

जयपुर । सुखमनी सेवा सोसायटी, बनीपार्क की ओर से प्रसिद्ध समाजसेवी टिम्मी कुमार के आवास पर सुखमनी साहिब पाठ, कीर्तन व अरदास का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राजस्थान की पूर्व पर्यटन मंत्री, बीना काक एवं शहर के कई अन्य व्यक्ति शामिल हुए। इस अवसर पर काक ने कहा कि यह अपनी अन्तरात्मा की खोज करने वाला बहुत ही प्रभावी कार्यक्रम था। इस आयोजन ने मुझे अपनी मां की याद दिला दी, वे भी इस तरह के धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया करती थीं।

गीता कॉन्टेस्ट प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को महापौर सौम्या गुर्जर ने पुरस्कार बांटे

जयपुर । जगतपुरा स्थित श्री कृष्ण बलराम मंदिर में गीता कांटेस्ट-2022 का पुरस्कार वितरण समारोह और कल्चर कैंप का टैलेंट-डे आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर, ओम प्रकाश मोदी और राजस्थान संस्कृत अकादमी के निदेशक संजय झाला व हरे कृष्ण मूवमेंट के अनंत शेष दास ने विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया।

श्री कृष्ण बलराम मंदिर जयपुर के अध्यक्ष अमितासन दास ने बताया कि गीता कॉन्टेस्ट प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में प्रथम पुरस्कार 25 हजार रु. हिना जैन, द्वितीय पुरस्कार 11 हजार रु. कोमल शर्मा को और तृतीय पुरस्कार 5,100 रुपये मुनिराज मीणा को मिला। इसके बाद टॉप 10 रैंक में आने वाले प्रतियोगियों को 1100 रुपये के सांत्वना पुरस्कार दिये गये। जूनियर वर्ग में प्रथम पुरस्कार रैंजर साइकिल शिवम वर्मा को, द्वितीय पुरस्कार किनडल कृष्णा यादव को और तृतीय पुरस्कार स्मार्ट वाच इशान्वी जैन, सार्थक अवस्थी, शौर्य छिपा, तेजस्वी कुमावत को दिये गए। टॉप 10 रैंक में आने वाले प्रतिभागियों को बोर्ड सांत्वना पुरस्कार व आकर्षक ट्रॉफी व सर्टिफिकेट दिये। उन्होंने बताया कि टैलेंट-डे कार्यक्रम में व्यक्तित्व व चरित्र निर्माण, भगवद गीता पर आधारित नैतिक शिक्षाओं, दिमाग की एकाग्रता बढ़ाना, ईंधन के बिना खाना बनाना, कीर्तन, पैंटिंग, वैदिक कुकिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट, थिएटर चित्रकला, श्लोक उच्चारण, वाद्ययंत्र और वैष्णव सदाचार के साथ-साथ फन एंड गेम्स हुए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण जयपुर के भगवान श्री गोविन्द देव जी के चमत्कारों की लीलाओं पर नाटक था।

50 से युवकों ने कॉलोनी में पत्थर बरसाए, कारों में भी तोड़फोड़ की

जयपुर (कासं)। मुहाना इलाके में 18 जून की रात को अंडे के ठेले पर कुछ युवकों के बीच हुआ विवाद सांप्रदायिक रंग में रंगता, उससे पहले ही पुलिस ने 50 से ज्यादा बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। इन बदमाशों ने कॉलोनी के कई घरों और वाहनों पर हमला करके तोड़फोड़ की थी।

दरअसल मुहाना इलाके में ठेले पर कुछ युवक अंडे खाने के दौरान आपस में झगड़ा करने लगे। इस दौरान एक पक्ष के युवकों ने दूसरे पक्ष पर हमला कर दिया। जिसके बाद 50 से अधिक युवक बाइक और कार में सवार होकर आए, जिनके हाथ में सरिये-लाठी-डंडे थे। इन बदमाशों ने कॉलोनी के कुछ मकानों को चिन्हित कर उन पर पहले पथराव किया और मकान के बाहर खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। घटना की जानकारी मिलने पर मुहाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची जिस के बाद करीब 50 से अधिक युवकों को नॉन वैलेबल ऑफेंस में गिरफ्तार किया गया। अगर पुलिस घटना की जानकारी मिलने के बाद समय पर मौके पर नहीं पहुंचती तो यह झगड़ा सांप्रदायिक भी हो सकता था। बड़ी संख्या में समुदाय विशेष के लोगों लाठी,सरिया लेकर घर में हमला करना शुरू किया था, तभी पुलिस पहुंची और बदमाशों को गिरफ्तार किया। इस घटनाक्रम को लेकर आज सोशल मीडिया पर एक सीसीटीवी फुटेज काफी वायरल हो रहा है, जिसमें लोग हाथों में डंडे-पत्थर लिए एक कॉलोनी में घुसने से पहले एकत्रित होते हुए नजर आ रहे हैं।

सीकर के नजदीक खण्डेला में दुर्लभ खनिज यूरेनियम का भंडार मिला

'झारखंड और आंध्रप्रदेश के बाद राजस्थान में 12 मिलियन टन यूरेनियम अयस्क व मिनरल मिले हैं'

जयपुर, (का.सं.)। राज्य में दुर्लभ खनिज यूरेनियम उत्खनन के लिए एलओआई जारी करने के साथ ही राजस्थान यूरेनियम खनन के क्षेत्र में प्रवेश कर गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि राज्य सरकार ने सीकर के पास खण्डेला तहसील के रोहिल में यूरेनियम अयस्क के खनन के लिए यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को खनन पट्टा की लेटर ऑफ इंटेट (एलओआई) जारी कर दी है। उन्होंने बताया कि देश में झारखण्ड और आंध्र प्रदेश के बाद राजस्थान में यूरेनियम के विपुल भण्डार मिले हैं। यूरेनियम दुनिया के दुर्लभ खनिजों में से एक माना जाता है। परमाणु उर्जा के लिए यूरेनियम बहुमूल्य खनिज है। यूरेनियम खनन क्षेत्र में आगे बढने के साथ ही प्रदेश के विश्वपटल पर आने के साथ ही निवेश, राजस्व और रोजगार के नए अवसर खुल गए हैं।

खान व गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया ने यूरेनियम अयस्क के उत्खनन की एलओआई जारी करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान दुनिया के नक्शे पर प्रमुखता से उभर कर सामने आ गया है। उन्होंने यूरेनियम के उत्खनन के निर्णय को प्रदेश की माइनिंग क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि बताया है।

एसीएस माइंस डॉ. अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत माइंस विभाग की समीक्षा बैठकों के दौरान प्रदेश में विपुल खनिज भण्डारों की चर्चा करते हुए खनिज खोज और खनन गतिविधियों को विस्तारित करने पर जोर देते रहे हैं। मुख्यमंत्री गहलोत के दिशा-निर्देश में प्रदेश में दुर्लभ खनिज यूरेनियम के खोज कार्य को गति दी गई और अब यूरेनियम उत्खनन की एलओआई जारी कर माइंस के क्षेत्र में नया माइलेज प्राप्त कर लिया गया है।

युवक का हत्यारा 22 वर्ष बाद गिरफ्तार

जयपुर । शिप्रापथ थाना पुलिस ने साथी की हत्या के मामले में फरार आरोपित को 22 साल बाद गिरफ्तार किया है। डीसीपी (साउथ) मृदुल कच्छावा ने बताया गिरफ्तार आरोपित लक्ष्मण बैरवा (55) मूलतया करौली हाल ढोकड़ी का टापरा, श्योपुर, एमपी का रहने वाला है। आरोपी यहां मजदूरी करता था। 23 अगस्त 2001 की रात दुर्गापुरा पुलिया के नीचे शराब पीने के दौरान आपसी कहासुनी में गांव झिलाई जिला टोंक

■ **मध्यप्रदेश के बीहड़ों में छिपकर फरारी काट रहा था आरोपी**

निवासी कुंवरपाल की नशे में होने पर साथी रामप्रसाद के साथ मिलकर ईंट-डंडे से हत्या कर दी थी। आरोपित रामप्रसाद को उसी समय गिरफ्तार कर लिया था, जबकि आरोपित लक्ष्मण फरार हो गया था। वह मध्यप्रदेश (एमपी) के बीहड़ों में फरारी काट रहा था। थानाधिकारी महावीर सिंह को उसके बारे में सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर पहुंची और उसे पकड लिया। वहीं महेश नगर थाना पुलिस ने 18 फरवरी को स्वेज फार्म चौराहे पर रवि शर्मा की जांघ पर गोली मारने वाले आरोपित गणेश सोनी (25) निवासी स्वेज फ़ार्म, दुर्गापुरा को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल पिस्टल जब्त कर ली गई है।

Industrial Workers Of The World Day

With the modernization of industry, a move from manufacturing to consumerism and a general shift in global market operations, industrial processes and businesses are much less common. It's easy to overlook just how big a part industry still plays, and how many people are employed by industrial organizations working in industrial roles. Take a moment to appreciate the hard working industrial labourers who bring high-quality, low-cost products to our lives adding to our comfort and ease.

राष्ट्रदूत
MONDAY
27 June 2022
A-B

#J'ADORE

Parisian Make-up Look

Now that we're getting back in action again, there's a lot to dive into with new make-up trends, especially for the monsoons.

Spruce Up Your Beauty Game

Rainy days call for some good ol' Netflix binges, a hot cup of chai, and when all else fails, experimenting with your makeup looks! We've all been there - standing in front of our mirror, trying out different styles with no intention of going out, especially during the pandemic. But if you're wondering how to break the monotony and step up your makeup game this monsoon, we've got a few suggestions that might help.

These monsoon makeup trends will make you look like a bright ray of sunshine on gloomy days and help you spruce up your makeup game too. Read on for the top five monsoon makeup trends you need to try ASAP!

Transformative Make-up

While natural no make-up look is quite an ongoing trend this year, transformative make-up is not a new concept either and is still going strong. Dressing up in multi-coloured bright eyeshadows and glossies is a new trend. Bright eyeshadows pulled out towards temples, winged eyeliner and false lashes are used to add luxury to the makeup. Sculpted cheeks and highly defined lips add a finishing touch to the look. Well-crafted beauty in a very contemporary style is what transformative make-up is all about.

Colour Tinted Lips & Cheeks

The biggest trend these days is to have a tinted full-face makeup with well-pigmented blush colours. Sheer stains to saturated colours are used to create a colour statement, add vintage glam or convey any emotion through makeup. Cream based blushes are a great choice for the monsoons. They last longer and give a nice fresh colour to the skin especially if the shades fall under rosy and peachy colours that add that natural sweetness to the skin. The skin looks bright and healthy too with this look.

Kohl-rimmed Eyes

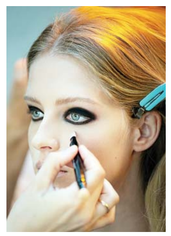

The look that can never be out of fashion, the 'kohl-rimmed eyes look' only keeps getting better when combined with any style of makeup - be it a no make-up look or transformative make-up. It is quite versatile as it goes well with both traditional and western outfits and works well in every season too. A quick tip for professionals is to mix black and brown to give your clients that diffused dreamy look this rainy season.

Parisian Make-up Look

Along with the 90's trend coming back, a no make-up natural look that focuses on healthy skin rather than covering the face with a lot of make-up is one of the most trending looks in 2021. This Parisian make-up look, a French style of simple make-up that does not change the way one looks, is quite in trend for the millennials. It doesn't involve over sculpting of the face and focuses on emphasizing the eyes. The make-up is subtle, done only to enhance the natural features. Concealers are used to cover the pigmented areas and the foundation is skipped. Instead, a tinted moisturiser is used for better coverage.

90's Make-up

While the lip and cheek tints are an epitome of convenience, there's a big 90's influence that can be seen this season. The 90's look is a perfect match for Indian skin tones and is a great choice for regular make-up too. A nude palette creates sculpted looks; dark nude brown overlined lips filled with nude colours and an extra tint of blush brings back the nostalgia. A neutral colour palette, easy to maintain without repeated touch-ups, are a great choice for monsoons.

It takes me a moment. What are the chances of that ignored Facebook messages folder starting an epic romance? But when I repeat this story in one brief line to 18-year-old Sonam, she sighs immediately, gustily making her curly hair fly. "In her Other inbox? That's so beautiful!" Sonam is a student in Bengaluru. She believes in fairy-tale romance, love at first sight, grand gestures, everything. Romantic moments on TV make her toes wriggle involuntarily. She was 6 when she first went online. She logged on to Facebook when she was 13, though her mother got all her notifications too until last year.

Dilshad Parwani
The author is a relationship expert and writes about the modern trends in dating

'Khullam Khula Pyar Karenge Hum Dono'

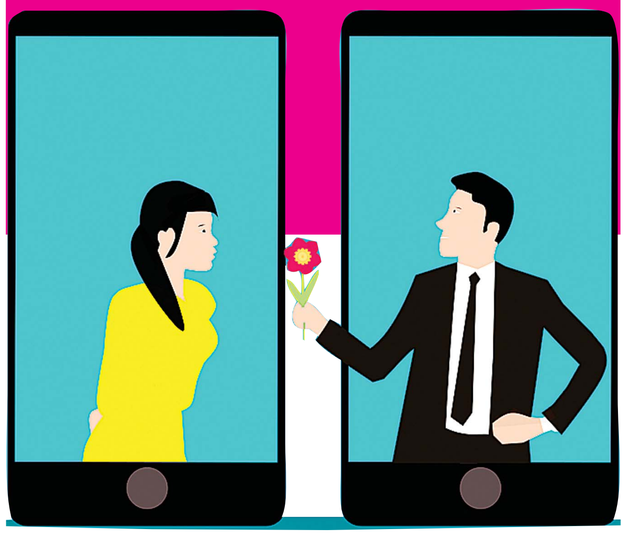

People are always telling Sheeba their movie-like love stories. They probably find it easy to tell her things. She is 21, a student who grew up in Bangalore. She is bright, giggly and non-judgemental. So it isn't surprising that the young woman on the train told her everything. The young woman on the train was crying as she said goodbye to her young man. Sheeba asked after the train started, "Newly-weds?" She got the whole story, the long, unlikely online romance of strangers that had ended in a wedding. But here was the detail Sheeba told me with eyes like an anime girl. They met in her Other inbox.

The Other Inbox

It takes me a moment. What are the chances of that ignored Facebook messages folder starting an epic romance? But when I repeat this story in one brief line to 18-year-old Sonam, she sighs immediately, gustily making her curly hair fly. "In her Other inbox? That's so beautiful!"

Sonam is a student in Bengaluru. She believes in fairy-tale romance, love at first sight, grand gestures, everything. Romantic moments on TV make her toes wriggle involuntarily. She was 6 when she first went online. She logged on to Facebook when she was 13, though her mother got all her notifications too until last year.

Crushing the Crush

The Other inbox story starts Manali off, not on romantic sighs, but howls of laughter at her younger self. She is 23 now and learning music. She tells the story of her first online romance, laughing, mocking her juvenile patois of love, "Sup, yo, nothing. That's all we would say and I was like OMG he wrote to me!" She made her first profile on MSN Messenger. "I was in a girls' school. He was a family friend. It's before we called it status messages but MSN had it. And I couldn't figure what mine should be so I was always putting Dylan's lyrics." Did he like Bob Dylan? "No!" she collapses laughing: "He was all Eminem. On my birthday, I wanted him to come online and he didn't and I was crushed." How old was she? "9."

In the immortal crutch phrase of actor Carrie Bradshaw, "I couldn't help but wonder," could any of these women imagine romance without the Internet? Many of them can't remember life before it.

> They have thousands of photographs on Instagram and are often peer-pressured to keep the number of followers higher than the number of accounts they follow a Marie Kondo-meets-Jack Welch approach to social media. They have complicated ways of taking screenshots of Snapchat.

#ONLINE

Transforming Love Mobile

For them, the Internet isn't at all like what it was when I was 19 -- I'm 37 now -- and my family got a cordless phone enabling late-night melodrama punctuated by battery death (this was when we had search engines called Lycos and Ask Jeeves, websites had an amazing DIY quality that included animated puppy backgrounds and all of us got our first email accounts on Hotmail). Or when I was 17 and my classmate DIY-ed herself a secret phone connection in her bedroom. Love fears no locksmiths or fibre optics. All this was in the brief couple of years before we got cellphones that could get into bed with us, walk in the rain with us and be on public transport with us and be in the words of a colleague -- like a handy Yash Chopra hero.

But for younger women the Internet is not just a handy aid for romance, it is everything: a playground to frolic in a stream of judgemental Spy Maamis, the repository of old romances and the mundane everyday air, water and wallpaper, all at once.

Follow Pressure

They have thousands of photographs on Instagram and are often peer-pressured to keep the number of followers higher than the number of accounts they follow-a Marie Kondo-meets-Jack Welch approach to social media. They have complicated ways of taking screenshots of Snapchat without being detected. They are nostalgic about Myspace. Their social norms are online norms. They know for instance that it is now too passé to say 'sapiosexual' in your dating profile and soon it may be passé to say 'not a sapiosexual'.

Multiple Identities

They use Instagram for the personal statements and Facebook to share the huge albums of party pictures so that everyone who didn't come feels a bit crappy. They are used to oversharing, and to having multiple social profiles. Hasna for instance told me that in her early 20s she got married secretly to an unsuitable boy and everyone in one of her Facebook accounts knew about it. Her family, who saw her second Facebook account then only came to know of the marriage a couple of years later.

Suman, a Bengaluru-based high school student is much younger than Hasna and her phone is her life. She treasures a screenshot of the Facebook friend request from the boy she currently likes a lot, will 'probably always like but knows she can't be with'. She has archived entire romances conducted on Facebook Messenger. She and her crush were nudged into a romance by schoolmates who would take Snapchat pictures of them talking innocently in the corridor. "We kept saying, we're just friends, we're just friends. I knew the Snapchat would disappear in 24 hours but still..."

Necessary Evil

Suman and her friends have grown up hearing all the warnings about the Internet. Her classmates may post frisson-giving photos, you-go-girl to each other but also slut-shame at the same time. Life is a constant negotiation of how much make-up in your photos is too much, how much skin is too much, which filter is passé and which boys are allowed to do more than post unsmiling muscle photos in black and white.

Dylan-loving Manali says that after those early years on the Internet, she wasn't really online for a long time. "It didn't help that my later boyfriend found some picture of us making out and put it online to show off. I became totally phobic about the Internet." These days, after a couple of frankly terrifying encounters on online dating application OkCupid, she has abandoned it. She has however forged a sceptical relationship with Tinder.

Wild Wild Net

For Kusum, a 35-year-old writer from Chennai, the Internet was never scary. "It was the wild, wild West but we just didn't know it then. We were deeply puzzled but not particularly troubled by the senders of dick pics." Kusum says: "Somewhere online is a picture of me naked but that's not the problem.

> The Internet still represents the possibility of unexpected love somewhere outside the mohalla of your mind. We get fed up, delete dating app profiles, then get back online again, because where else are you going to go?

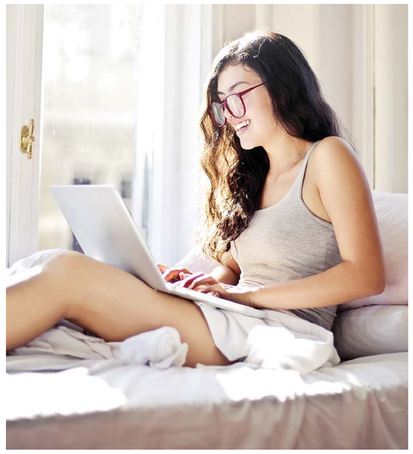

I am naked wearing pearls!" She is joking, but also not. The possibility that someday her ex will lose his precarious grip and that the photo will wander online is not completely ridiculous, though it's not something she worries about.

She went online for the first time in the 1990s, at 19, to stay in touch with boys she had met in other colleges, before revenge porn sites, when 'cyber cafés' were sometimes two computers in a store that sold milk, bananas and biscuits. For our generation, the screechy sound of a dial-up modem was the passage to a wider world full of lovers outside our own circle, beyond college and the neighbourhood.

Though the Internet is not a place today where you meet total strangers, the way it was for my generation, this is the one thing we have in common with much younger people. The Internet still represents the possibility of unexpected love somewhere outside the mohalla of your mind. We get fed up, delete dating app profiles, then get back online again, because where else are you going to go?

Depressed Impressions

Sheeba, the collector of love stories, tells me she went on a date with a boy whose first comment was, "Oh your collarbones were showing much more in your profile photo." She went home depressed and changed her DP to that of an inanimate object.

Even Suman, enmeshed in high-school social media drama, tells me, "I don't put up anything personal online but my best friend, she is in another school now and she says: "If you don't put anything personal out there, how will you meet someone?"

Back to the Future

Love and the Internet have that one thing in common: to be a time machine, ready to make you older, ready to make you younger, ready to freeze that one moment.

Suman tells me: "I mean people are so obsessed with stuff sometimes. Why did she put up this guy's picture? Why did he snapchat her? I tell my friends, it's like Chloe Bella learnt in Pitch Perfect 2. At some point, you have to graduate. You just have to move on. Life is not high school."

But maybe it is!

(Only first names have been used to protect the identities of the women.)

writetoarbit@rashtradoot.com

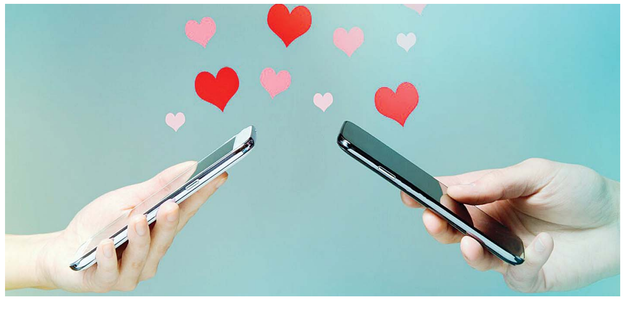

#CLIMATE-CHANGE

How Can Cities Respond To Extreme Heat

A new report gives city planners a set of principles and guidelines to equitably address extreme heat in their communities.

As extreme heat becomes more persistent and prevalent, and as the United States braces for a new season of heat waves, Ladd Keith, an assistant professor in the University of Arizona College of Architecture, Planning and Landscape Architecture, says city planners can and should lead their communities in managing and mitigating extreme heat.

Keith and Arizona State University researcher Sara Meerow wrote the report, published by the American Planning Association. 'Planning for Urban Heat Resilience' reflects Keith and Meerow's research on heat and climate planning and is available to download for free.

Here, Keith talks about the causes of extreme heat; how heat affects more than just public safety and what those of us who aren't city planners can do to help manage and mitigate this growing threat.

Q: Your report notes that extreme heat is the Number 1 weather-related killer in the USA, making public safety a critical focus. What are some of other effects of heat on cities?

A: A new study by The Nature Conservancy and the American engineering firm AECOM found that if increasingly extreme heat is not addressed, the economic consequences to the Phoenix metro region will cost between an average of $1.9 billion and $2.3 billion each year by 2059. These staggering numbers include increased costs to public health, labour, roadway infrastructure and energy demand.

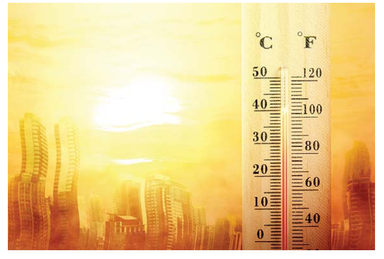

Q: Your report focuses on two main causes of increasingly extreme heat: climate change and the urban heat island effect. Can you explain the urban heat island effect and why it's important for cities to address both causes?

A: The urban heat island effect is there when urban areas are hotter than the surrounding rural areas - from how cities are built using heat-trapping materials such as asphalt for roads; the shape and form of the built environment; and the loss of natural landscapes. Waste heat from our vehicles and air conditioning also increase the urban heat island effect.

Climate change has already increased average temperatures and has made extreme heat events more frequent, longer, and more intense. They both compound each other and create more heat risk for our communities. The good news is that we can plan our communities to mitigate both urban heat and greenhouse gas emissions if we choose to.

Q: How did you come up with the seven considerations for heat planning that you lay out in the report?

A: Many communities are just now beginning to plan for heat, so we thought it was important to offer a practical framework to help ensure urban heat resilience planning efforts are as effective and equitable as possible. With that in mind, we used our research on heat planning to refine the seven principles for strong climate change planning- which my co-author, Sara Meerow, helped define - for the challenges and opportunities that are specific to heat.

The seven considerations for heat planning are:

- Setting clear heat planning goals and metrics.
- Building a comprehensive fact base of heat information.
- Developing a portfolio of heat mitigation and management strategies.
- Managing for uncertainty.
- Coordinating across all planning efforts.
- Using an inclusive public participation process; and implementing, monitoring and evaluating the effectiveness of heat planning efforts.

Q: How does extreme heat disproportionately affect marginalized communities, and what are some tools planners have to make urban heat resilience more equitable?

A: Several studies have established that historic discriminatory land use and financial practices such as redlining (a discriminatory practice whereby banks refused loans to people from certain ethnic backgrounds or neighbourhoods), have resulted in neighbourhoods that to this day are hotter by as much as 12.6 degrees Fahrenheit based on land surface temperatures compared to non-redlined neighbourhoods. Systemic inequities also increase heat risk such as quality of homes, access and reliability of energy for indoor cooling, access to health care and thermally safe workplaces and schools.

Although we make many recommendations in our report on how to plan equitably for urban heat, two primary considerations for planners are to focus on inclusive public participation to ensure all community voices are heard and to target heat mitigation investments in the areas that have highest heat risk, such as formerly redlined neighbourhoods.

Q: These recommendations are for planners, but what can the average person do for themselves or their communities to help manage and mitigate extreme heat?

A: Everyone can prepare beforehand for heat and be more familiar with the signs of heat-related illness. During hot periods we should limit our daytime outdoor activities, stay hydrated, keep pets inside and check on family, friends and neighbours who may be at high risk.

Homeowners can choose drought-tolerant trees and use water harvesting in their yard, weatherize their homes through insulating walls, roofs and weather-stripping doors and windows; select energy efficient appliances and air conditioning when upgrades are necessary.

THE WALL

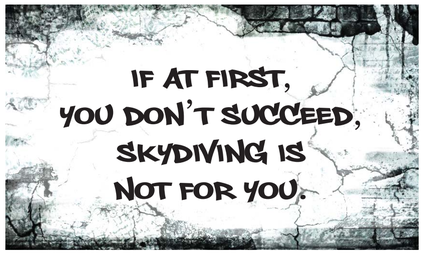

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

एक के बाद एक तीन फैक्ट्रियों लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

दो हैण्डीक्राफ्ट व एक फाइबर फैक्ट्री में भारी नुकसान हुआ

सरदारशहर, (निसं)। रीको औद्योगिक क्षेत्र में रविवार को शाम एक के बाद एक तीन फैक्ट्रियों में आग लग गई जिसके कारण लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। मिली जानकारी के अनुसार सबसे पहले नन्दू जांगिड़ की हैण्डीक्राफ्ट फैक्ट्री में आग लगी थी। तेज हवा के चलते आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और पास में स्थित नन्दू जाला की फैक्ट्री को अपने आगोश में ले लिया।

इसके बाद आग ने संजय सैनी की फाइबर की फैक्ट्री को चपेट में ले लिया। आग को बढते देखकर आसपास की फैक्ट्रियों के मालिक व मजदूरों ने अपना सामान बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थान पर रख लिया। जिसके कारण सामान बच गया। इस दौरान भरतिया की फैक्ट्री आरसीसी में बनी होने के कारण आग फैली नहीं और शीघ्र काबू पा लिया गया।

सूचना मिलते उपखण्ड अधिकारी पवन कुमार, थानाधिकारी बलराजसिंह मान, नगरपालिका अध्यक्ष राजकरण चौधरी, शंकर एण्ड शंकर, प्रहलादराय सर्राफ, बनवारीलाल जांगिड आदि पहुंचकर सरदारशहर के अलावा आसपास के शहरों से दमकल बुलाई। जब तक आग पर काबू पाया गया। तीनों फैक्ट्रियों का सामान जलकर राख हो गया। आग बुझाने के लिए सरदारशहर के अलावा चूरू, रतनगढ आदि शहरों से दमकल पहुंची। इसके साथ कई ट्रेक्टर टेंकर भी आग बुझाने में जुटे हुए थे।

तेज हवा एवं फैक्ट्रियों में रखे केमिकल के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की पलटे देखकर अन्य फैक्ट्रियों के कर्मचारी एवं मजदूरों के अलावा कस्बे के बडी संख्या में लोग जो हाथ में आया आग बुझाने व सामान निकालने में जुट गए। आसपास की कई फैक्ट्रियों का सामान निकाल कर सुरक्षित स्थान पर रखा दिया गया। नही तो बडा हादसा हो जाता। इस अग्निकांड में दो हैण्डीक्राफ्ट व एक फाइबर फैक्ट्री में भारी नुकसान हुआ है। आसपास की फैक्ट्रियों में सामान निकालते वक्त नुकसान हुआ है।

रीको इण्ड्रटीज में लगी आग से निकलता धुआं व मौके पर उपस्थित अधिकारी।

- आग बुझाने सरदारशहर के अलावा चूरू, रतनगढ़ आदि शहरों से दमकल पहुंची

आग की पलटे देखकर कर पूरे औद्योगिक क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई तथा आग से बचने के लिए व्यवस्था में जुट गए। करीब तीन घण्टे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। समाचार लिखे जाने पर धुआं निकल रहा था एवं आग सुलग रही थी। वर्तमान में फर्नीचर में मंदी का दौर चलने के कारण इन फैक्ट्रियों में फर्नीचर का स्टॉक अधिक था। जो जलकर राख हो गया। जिसके कारण लाखों रूपयों का नुकसान हो गया। आग के कारणों का पता नहीं लग पाया है।

बीज विक्रेता पर कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश

जोधपुरा गांव में खेतों में बीज अंकुरित नहीं हुए

खेत में बैठा किसान का पीड़ित परिवार।

टोडाभीम, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मातासूला के गांव जोधपुरा में अच्छी बारिश होने के बाद किसानों ने खेतों में फसल बुवाई का कार्य भी शुरू कर दिया है। इसी को लेकर राज्य सरकार ने अधिकारियों को भी क्षेत्र की खाद बीज की दुकानों का निरीक्षण करने के भी निर्देश दे रखे हैं। लेकिन सख्ती के बाद भी खाद बीज संचालक नकली बीज बेचने से बाज नहीं आ रहे हैं। कृषधि के निरीक्षण करने के दावे खोखले साबित हो रहे है। नकली बीज बेचने का मामला क्षेत्र के गांव जोधपुरा में सामने आया हैं। ग्रामीणों ने जानकारी पर बताया कि 50 रुपये सस्ते के लालच में ग्रामीण मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र के सिकराय से ओम खाद बीज भंडार की दुकान से बाजरे के बीज की सौ थैलियां खरीदकर लाये थे। बारिश के बाद जोधपुरा के सैकड़ों की किसानों ने ओम खाद बीज भंडार से प्रो एग्रो हाइब्रिड बाजरे का बीज खरीदा था। लेकिन बाजरे के बीज की खेतों में बुवाई करने के कई दिन बाद भी वो अंकुरित नहीं होने से किसानों में रोष व्याप्त है।

- किसानों ने नकली बीज देने का लगाया आरोप

टोडाभीम एसडीएम से मिले ग्रामीण:- जोधपुरा के ग्रामीणों के द्वारा नकली बीज बेचने की शिकायत एसडीएम दुर्गाप्रसाद मीना से की गई ग्रामीणों की शिकायत पर एसडीएम दुर्गाप्रसाद मीना ने कहा कि मामला दौसा जिले का इसमें हम कार्यवाही के लिये कृषि अधिकारियों को लिखेंगे। ग्रामीणों ने जानकारी और बताया कि ऊक्त मामले की प्राथमिकी दर्ज करवाने के लिए ग्रामीण टोडाभीम थाने में गये तो थानाधिकारी ने मामला दौसा जिले क्षेत्र का बताकर ग्रामीणों को चादुसा गाव के थाना क्षेत्र में मामला दर्ज करवाने की बात कही गई।

जिला कृषि अधिकारी ने जानकारी पर बताया कि सिकराय के चांदूसा गांव में संचालित ओम खाद बीज भंडार की दुकान से बाजरे के बीज के सैम्पल ले लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि दुकान से लिये गए सैम्पलों को जांच के लिए भिजवा दिया गया हैं जांच के बाद ही कोई कार्यवाही की जावेगी।

इस दौरान किसानों ने कृषि पर्यवेक्षक राजेन्द्र कुमार मीना को इसकी जानकारी दी तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तो उन्हे खेतों में 5 से 10 फीसदी बीज ही अंकुरित पाया गया। वहीं ग्रामीण की।मांग पर ऊक्त दुकानदार के सैम्पल लेने की कार्यवाही जिले के अधिकारियों के माध्यम से दौसा के कृषि अधिकारियों के द्वारा करवाई गई हैं। कृषि पर्यवेक्षक राजेन्द्र कुमार मीना ने बताया कि विभाग द्वारा किसानों की सूची बना ली गई हैं यदि जांच में बीज खराब पाया गया तो पीड़ित किसानों को मुआवजा मिल जाएगा।

युवक ने पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या की

- पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंपा

राजसमंद, (निसं)। जिले के कांकरोली थाना क्षेत्र के मोही ग्राम में शनिवार दोपहर भील समाज के एक युवक ने पेड पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोही सालर माला निवासी रोशन लाल (19) पुत्र किशनलाल भील ने अज्ञात कारणों के चलते शनिवार को कस्बे के करणी सागर बांध के पास खेत में एक पेड पर फांदा लगाकर आत्म हत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर मोही उपसरपंच दिग्विजय सिंह भाटी कुछ ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे। जहां रोशनलाल का शव पेड पर लटका हुआ मिला। इस पर तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना पर मौके पर पहुंची कांकरोली थाना पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से मृतक के शव को पेड से उतारकर आरके चिकित्सालय के मुर्दाघर में रखवाया। जहां रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। बताया गया कि मृतक रोशनलाल भील ट्रैक्टर चलाने का कार्य करता था। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया गया है। पुलिस ने मर्ग में मामला दर्ज कर छानबीन प्रारंभ कर दी है।

कार पुलिया से नीचे गिरी, चालक घायल

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में अनियंत्रित कार पुलिया से निचे जा गिरी। हादसे में चालक घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को आरके सर्कल से पुलारोड़ पर स्थित पुलिया से गुजरते समय अनियंत्रित कार पुलिया से निचे जा गिरी। हादसे की सूचना मिलने पर चेतक पर तैनात गोपाल ने मौके पर पहुंच कर घायल चालक राजमसन्द निवासी शिवशंकर पुत्र गोकुलराम को उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। चालक फतहपुरा से पुला की तरफ जा रहा था। जहां निर्माणाधीन पुलिया पर बीच रास्ते रैलिंग नहीं होने से कार नीचे जा गिरी।

अस्पताल में होम गार्ड की मौत के बाद परिजनों का हंगामा

जोधपुर, (कासं)। शहर के माता का थान क्षेत्र में एक होम गार्ड के पेट में दर्द की शिकायत पर गलत इलाज से जान चली गई। परिजनों ने हालत बिगडते ही थाने में शिकायत दर्ज की थी। इस पर पुलिस ने जांच कमेटी बिठाकर मामला दर्ज करने की बात कही। जांच कमेठी गठित होती उससे पहले ही होम गार्ड की मौत हो गई। महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में होम गार्ड के शव को रखवाया गया। वहां परिजन एकत्र होकर विरोध किया। लखारा समाज के लोग व परिजनों ने जांच की मांग करते हुए शव लेने से इंकार किया। लखारा समाज के नेता अनिल लखारा ने बताया कि जब तक पूरी जांच नहीं हो जाती तब तक शव नहीं उठाएंगे। मौके पर थानाधिकारी निशा भटनागर पहुंची और जांच का आश्वासन दिया।

मृतक के पिता सम्पत राज ने बताया कि उसके 32 वर्षीय पुत्र जितेन्द्र को 23 तारीख को पेट दर्द की शिकायत पर मदेरणा कॉलोनी में स्थित एक क्लीनिक पर गया। काफी देर होने पर वापस नहीं लौटा तो उसकी मां क्लीनिक पहुंची। वहां जितेन्द्र बेहोश था। क्लीनिक के डॉ ए एम अंसारी को पूछने पर पहले वह घबरा गए फिर बताया कि इंजेक्शन रिएक्शन कर गया है। पुलिस क्लिनिक संचालक के खिलाफ जांच कर रही है।

नकबजनी का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सूने मकान का ताला तोड़ नकबजनी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 10 जून को पीड़िता इन्द्रा कॉलोनीकच्ची बस्ती चुंगीनाका गोवर्धन विलास निवासी कुसुमलता पत्नी रामसिंह ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 9 जून रात में अज्ञात चोरमेरे मकान का ताला तोड़ कर सोने चांदीके जेवरात चुरा ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर अशोक मीणा, पुलिस उप अधीक्षक जितेन्द्रसिंह के सुपरविजन में गोवर्धन विलास थानाधिकारी चेलसिंह, एएसआई भगवतीलाल, हेडकांस्टेबल गणेशसिंह, कांस्टेबल कल्याणसिंह, हरीसिंह मय टीम ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर विनोद उर्फ बाका को गिरफ्तार किया।

सिंचाई पानी के लिए किसानों ने डाला महापड़ाव, थर्मल प्लांट का घेराव

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में पानी की मांग पर किसानों ने सूरतगढ थर्मल पावर प्लांट का घेराव कर लिया है। हजारों किसान प्लांट के चारों तरफ जुट गए हैं। सैकड़ों ट्रैक्टरों में हजारों किसान यहां जुटे हुए हैं। इलाके के किसान लम्बे समय से सिंचाई के पानी की मांग कर रहे हैं। इसी को लेकर थर्मल प्लांट का घेराव किया गया। बड़ी संख्या में किसानों ने थर्मल के गेट पर सभा की। इस दौरान महिलाएं भी मौजूद रही। आसपास के गांवों से बड़ी तादाद में किसान ट्रैक्टर-ट्रालियों और गाड़ियों में भरकर थर्मल गेट पर पहुंचे।

किसानों के थर्मल घेराव के ऐलान के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद है। कार्यपालक मजिस्ट्रेट सूरतगढ़ तहसीलदार हाबूलाल मीणा और सूरतगढ़ डीएसपी शिवरतन गोदारा, डीएसपी विक्की नागपाल स्थिति पर नजर बनाये हुए थे। माइनर निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों से दोपहर 2 बजे प्रशासन ने वार्ता की पेशकश की। जिसे किसान नेताओं ने ठुकरा दिया।

इसके बाद किसान नेताओं ने जिला कलेक्टर से वार्ता करने की मांग रखी। इस पर प्रशासनिक अधिकारियों ने जिला कलेक्टर से वर्चुअल बैठक की बात कही। लेकिन किसान नेता धरनास्थल पर ही वार्तो की मांग दोहराते रहे। इससे पहले आज की बैठक को भाजपा के पूर्व विधायक अभिषेक मटोरिया, किसान मजदूर संघर्ष समिति के रणजीत सिंह राजू, सन्तबीर सिंह मोहनपुरा, ओम राजपुरोहित, मोहन पूनिया, राकेश बिश्नोई, रामू छिम्पा, कॉमरेड लक्ष्मण शर्मा, नरेन्द्र घिंटाला और अन्य ने संबोधित किया। वक्ताओं ने राज्य सरकार पर पूर्व में हुए समझौते के उल्लघंन के आरोप लगाए।

एटा-सिंगरासर माइनर निर्माण आंदोलन के दौरान शाम को किसान वार्ता की संभावना न होते देख थर्मल के घेराव के लिए नारेबाजी करते हुए सभा स्थल से रवाना हुए। प्लांट के दो नंबर गेट पर जमकर प्रदर्शन के बाद पुलिस अधिकारियों शिवरतन गोदारा, विक्की नागपाल, रामकुमार लेघा, पवन चौधरी के द्वारा काफी देर तक समझाइश के प्रयासों के बाद किसान सभा स्थल वापस लौट आये। इससे प्रशासन को कुछ राहत महसूस हुई। लेकिन इसके बाद किसानों ने सभा स्थल से अनिश्चितकालीन धरने की घोषणा कर दी। प्रशासन को जल्द मांगें पूरी नहीं होने पर अल्टीमेटम भी दे दिया कि 2 जुलाई को प्लांट की कोल लाइन पर कब्जा करेंगे। यह घोषणा संघर्ष समिति के संयोजक राकेश बिश्नोई ने की।

गौरतलब है कि सूरतगढ़ थर्मल की कुल 8 इकाई हैं। जिनसे कुल 2820 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है। थर्मल से बिजली उत्पादन में रोजाना 35000 टन कोयले की आवश्यकता होती है। यदि किसानों द्वारा रेल की पटरी को जाम किया जाता है, तो थर्मल में कोयले की सप्लाई प्रभावित होगी जिससे पूरे राजस्थान में बिजली संकट छा सकता है।

छह के खिलाफ मामला दर्ज

सरदारशहर, (निसं)। पुलिस थाने में छह जनों के खिलाफ होटल में फायरिंग करने का मामला दर्ज हुआ है। पुलिस सूत्रों के अनुसार वार्ड 31 निवासी असलम खान ने रिपोर्ट दी कि मदीना कॉलोनी के पास मेगा हाइवे पर उसका होटल है। होटल में उसका भतीजा शाहरूख व असलम बैठता है तथा 4-5 कर्मचारी भी काम करते है। शनिवार को रात वह होटल में था। करीब साढे 11 बजे दो व्यक्ति आए और खाने का ऑडर देकर चले गए। इसके बाद दो गाडिया आई। जिसमें 7-8 युव्काा थे। जो होटल में आकर बैठ गए और शराब पीने लगे। शाहरूक ने मना किया तो मारपीट करने लगे। उन्होंने बीच बचाव किया। तो वे बाहर चले गए। उनमें दो लडकों को पकड कर बैठा लिया। दोनों ने माफी मांगने पर छोड दिया। इसके 15-20 मिनट बाद बोलेरों में सवार होकर जयवीरसिंह, अभिषेक, छैलूसिंह, रवि, मानसिंह, सुरेश जाट आए और जान से मारने की नियत से 3-4 फायर किए। वे इधर उधर भाग कर जान बचाई।

वन भूमि से जबरन सड़क निकालने पर मामला दर्ज

- वन क्षेत्र में अवाछित गतिविधियों के बढ़ रहे मामले

बामनवास, (निसं)। उपखंड स्थित वन क्षेत्र में अवांछित गतिविधियों एवं अवैध खनन सहित वन कर्मियों द्वारा रोकने के प्रयास के बाद उन पर होने वाले हमले एवं मुंहजोरी के मामले बढ़ ते नजर आ रहे हैं। अब अगर वन विभाग अवैध खनन या फिर होने क्षेत्र में हो रही अवैध गतिविधियों को रोकने का प्रयास करता है तो उन पर सामूहिक जानलेवा हमला सहित सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से भी ग्रामीण परहेज नहीं कर रहे हैं। ग्राम पंचायत डूंगरवाडा के गांव गोठ सीकरोड़ी में वन विभाग की भूमि में होकर जबरन सड़क निकालने पर जिला परिषद सदस्य के पति सहित करीब 5 जनों के खिलाफ वन विभाग द्वारा पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है। वन विभाग के रेंजर दीपक शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को ग्राम गोठ सीकरोड़ी में पहाड़ काटकर वन विभाग की भूमि में होकर जिला परिषद सदस्य पति प्यारेलाल मीणा व उनके समर्थकों द्वारा जबरन सड़क निकाली जा रही थी। इस कार्य के लिए उनके द्वारा एक एलएनटी मशीन का उपयोग किया जा रहा था। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

टीम द्वारा मौके पर एलएनटी एवं दस चक्का ट्रेलर को जब्त कर लिया गया। लेकिन मौके पर उनके समर्थकों द्वारा वन विभाग के कर्मचारियों से अभद्रता एवं छीना झपटी कर एलएनटी एवं ट्रेलर को छुड़ा लिया गया। जिस पर राजस्थान वन अधिनियम की धारा के तहत वन विभाग द्वारा मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं शनिवार को इस संबंध में बामनवास पुलिस थाने में जिला परिषद सदस्य पति प्यारेलाल मीणा सहित करीब चार-पांच जनों के खिलाफ राजकार्य में बाधा पहुंचाने चोरी एवं सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज कराया गया है।

पीडब्ल्यूडी सहायक अभियंता के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज

वैर, (निसं)। पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर पुलिस थाना वैर में पीडब्ल्यूडी सहायक अभियंता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है जिसमें एक महिला ने सहायक अभियंता पर गरीब महिला को जान से मारने की धमकी देने, जाति सूचक शब्दों से अपमानित करने का आरोप लगाया है।

पुलिस थाना वैर इलाके के एक गांव की दलित महिला ने पी डब्लू डी सहायक अभियन्ता वैर गोविंद पुत्र गणेश निवासी जगजीवनपुर द्वारा दलित गरीब महिला की जान से धमकी देने, नाजायज रूप से परेशान किए जाने पर पुलिस महानिरीक्षक से एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। जिस पर पुलिस थाना वैर में मामला दर्ज कराया गया है। रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया है कि सहायक अभियंता गोविंद पुत्र गणेश निवासी जगजीवनपुर पीडब्ल्यूडी द्वारा नाजायज रूप से परेशान किया जा रहा है उसे सहायक अभियंता द्वारा कहा जाता है कि इस आबादी में स्थित उसके मकान में हो करके रास्ता निकलेगा जबकि उक्त मकान करीब 20 वर्ष पूर्व से निर्मित है जिसमें इंदिरा आवास के द्वारा पीड़िता के पिताजी को आर्थिक सहायता मिली थी। विभाग द्वारा पूर्ण जांच कराने के उपरांत उक्त आर्थिक सहायता मिली थी जिसके द्वारा पिताजी ने उस मकान को निर्मित करवाया था मकान में प्रार्थी अपने परिवार सहित निवास कर रही है। 7 जून 2022 को समय दोपहर ढाई बजे सहायक अभियंता आया और मकान पर आकर के फीता लगाने लगा। मना करने तो गाली गलौज पर उतर आया और पीड़िता के साथ मारपीट कर दी।

बालों को पकड़कर खींच लिया और उसे बे अदब कर दिया। चिल्लाने की आवाज सुनकर बचाने आए अन्य लोगों के साथ भी मारपीट की और धमकी दी।पीड़िता का रिपोर्ट में कहना है की उसका पति जयपुर में मजदूरी का कार्य करता है। और वह अपने बच्चे सहित अपने गांव में निवास कर जीवन यापन कर रही है। पीड़िता पुलिस थाना वैर में मामला दर्ज कराने आई तो पीड़िता की कोई सुनवाई नहीं की और कहा कि उच्च अधिकारियों से आदेश लाकर देने की बात कही की हम इसमें कुछ नहीं कर सकते मामला गंभीर है। तब पीड़िता ने पुलिस महानिरीक्षक से जानमाल की रक्षा करने के साथ आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्यवाही करने तथा पीड़िता का मेडिकल करवाने की मांग की। जिस पर पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर पुलिस थाना वैर में मामला दर्ज किया है।

संप्रेषण एवं किशोर गृह से दो बाल अपचारी फरार

करौली, (निसं)। करौली बाल सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह मे अधिकारियो की लापरवाही और लचर सुरक्षा व्यवस्था के चलते दो बाल अपचारी फरार हो गये जिसका कोतवाली थाने पर मामला दर्ज कराया गया है।

जिला मुख्यालय पर स्थित संप्रेषण एवं किशोर गृह में सुरक्षा व्यवस्था के अभाव के चलते 6 माह के अंतराल मे एक बार फिर दो बाल अपचारी फरार हुए। इससे पूर्व 26 जनवरी 2022 को इसी संप्रेषण गृह से दो बाल अपचारी फरार हो चुके है। यही नहीं वर्ष 2021 में भी बाल अपचारी फरार हुए। देखने लायक यह है कि सुरक्षा प्रबंधन के अभाव के चलते बाल अपचारीयों का फरार होने का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ना ही संप्रेषण एवं किशोर गृह प्रशासन गंभीरता से सुरक्षा के कड़े प्रबंध कर पा रहा है। जानकारी के अनुसार शनिवार रविवार की मध्य रात्रि को दो बाल अपचारी संप्रेषण गृह भवन के ऊपर से कूद कर फरार हो गए। जिन की सूचना संप्रेषण गृह में रह रहे बाल अपचारीयों ने ड्यूटी पर तैनात गार्ड, कर्मचारियों को सूचना दी। सूचना पाकर गार्ड, कर्मचारियों ने संप्रेषण गृह के अधीक्षण केके सांखला को सूचना दी। सूचना पाकर अधिकारी मौके पर पहुंचे और बाल अपचारीयों के भागने की पूरी जानकारी ली जानकारी के बाद अधीक्षक ने कोतवाली पर बाल अपचारीयो के भागने का मुकदमा दर्ज कराया।

एसडीआरएफ की टीम ने पुष्कर झील में डूबे अधेड़ के शव को बाहर निकाला

40 मिनट की कड़ी मेहनत एवं अथक प्रयासों से सफलता मिली

अजमेर, (निसं)। एसडीआरएफ राजस्थान सेनानायक पंकज चौधरी को पुलिस अधीक्षक जिला अजमेर विकास शर्मा से जरिये टेलिफोन सूचना मिली कि पुलिस थाना पुष्कर जिला अजमेर के अन्तर्गत शनिवार रात्रि 7.30 बजे 58 वर्षीय अधेड व्यक्ति के पुष्कर झील में डूबने की सूचना है। जिसकी तलाष सिविल डिफेंस टीम तथा स्थानीय गोताखोरों से लगातार करवायी जा रही है किन्तु व्यक्ति का शव अब तक बरामद नहीं हुआ है, अत: रेस्क्यू टीम अविलम्ब घटनास्थल पर भिजवाये।

सूचना पर एसडीआरएफ राजस्थान सेनानायक पंकज चौधरी ने एसडीआरएफ कन्ट्रोल रूम जयपुर को निर्देष दिये कि ई कम्पनी एसडीआरएफ अजमेर से एक रेस्क्यू टीम आवश्यक राहत उपकरणों के साथ अविलम्ब घटनास्थल पर भिजवाये। एसडीआरएफ कन्ट्रोल रूम जयपुर ने ई कम्पनी एसडीआरएफ अजमेर के प्रभारी कम्पनी कमांडर करणी सिंह को अविलम्ब एक रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर भिजवाने हेतु बताया। कम्पनी प्रभारी ने रेस्क्यू टीम ई-3 के प्रभारी हैड कानि. राजेष कुमार के नेतृत्व में 11 जवानों की एक रेस्क्यू टीम को आवष्यक राहत उपकरणों के साथ रात्रि 9:45 बजे घटनास्थल के लिए रवाना किया। टीम द्वारा रात्रि10:49 बजे घटनास्थल पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया गया तथा टीम कमाण्डर ने एसडीआरएफ कमाण्डेन्ट को बताया कि घटनास्थल अजमेर जिले की पुष्कर झील है।

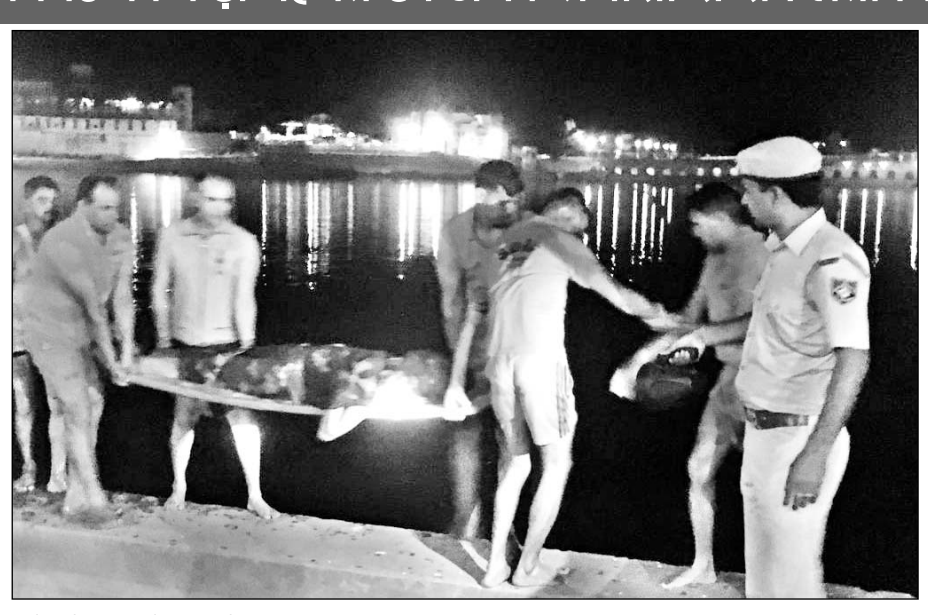

अधेड़ के शव को झील से बाहर लाती एसडीआरएफ की टीम।

सांय करीब 7:10बजे एक अधेड उम्र के व्यक्ति ने पुष्कर झील में कूद आत्महत्या कर ली है। नगर निगम के गोताखोरों एवं सिविल डिफेंस की रेस्क्यू टीम द्वारा काफी प्रयास किये जा रहे है लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिल पायी है। घटनास्थल पर झील की गहराई करीब 20 फीट है। एसडीआरएफ राजस्थान सेनानायक ने टीम कमाण्डर को आवश्यक दिषा-निर्देश दिये एवं गणपति महावर डिप्टी कमाण्डेन्ट, प्रियंका वैष्णव सहायक कमाण्डेन्ट तथा करणी सिंह कम्पनी कमाण्डर को ऑपरेशन के निकटम सुपरवीजन हेतु नियुक्त किया।

टीम कमाण्डर के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम के जवानों षिवराज, रामचरण, सोहनलाल, फूलचन्द टाण्डी, किषनलाल, कैलाष, नारायण सैन, रामअवतार, सुरेष कुमार तथा दषरथ ने रात्रि 10:55 बजे रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। सबसे पहले टीम ने झील के भराव क्षेत्र में लाईन एवं जीक जैक सर्च तकनीक से गोता लगाकर सर्च किया, उसके बाद बांस, लाईफ बॉय तथा रेस्क्यू रोप की सहायता सर्च ऑपरेशन चलाया गया। 40 मिनट की कडी मेहनत एवं अथक प्रयासों से रात्रि11:35 बजे पुश्कर झील में डूबे राजेश ओझा उर्फ राजू पुत्र पुरूशोत्तम ओझा 58 वर्ष निवासी नसीराबाद हाल निवासी वैशाली नगर, अजमेर के षव को बाहर निकालकर स्थानीय प्रषासन को सुपुर्द किया। घटना स्थल पर मौजूद उपनिरीक्षक श्रवण कुमार मय पुलिस जाप्ता ने रेस्क्यू कार्य की सराहना की। स्थानीय पुलिस तथा प्रशासन ने भी राहत महसूस की और टीम को धन्यवाद दिया।

सिंचाई एवं पेयजल के लिये अनुपयोगी साबित हो रहा राजधानी का दूसरा सबसे बड़ा बांध

सिंचाई के लिए बनी नहरों में पानी न छोड़े जाने से नहरों के आसपास गांवों में सिंचाई लुप्त होने के कगार पर है

बस्सी, (निसं)। राजधानी जयपुर के निकट रामगढ़ बांध के बाद दूसरे सबसे बड़े कानोता बांध को जिस उद्देश्य के लिए बनाया गया था आज वह उद्देश्य पूरी तरह मर चुका है।

वर्ष 2000 में 17 फीट गहराई, 2.59 किलोमीटर लंबाई, 402 वर्गमीटर कैचमेंट एरिया में 14.15 एमसीएम भराव क्षमता वाले कानोता बांध का निर्माण आसपास के क्षेत्र में पीने के पानी एवं सिंचाई की आपूर्ति के लिए करवाया गया था लेकिन आज कानोता बांध में भराव क्षमता के मुताबिक पानी तो भरा है लेकिन वह बांध और उसमें भरा पानी जनता के किसी काम नहीं आ रहा सिवाय मछलीपालन एवं मूर्ति विसर्जन के।

कानोता बांध को जिस उद्देश्य के लिए बनाया गया था आज वह उद्देश्य पूरी तरह मर चुका है।

- कानोता बांध के पानी को ढूंढ नदी में छोड़ दिया जाए तो मिल सकता है नया जीवनः बस्सी विधायक लक्ष्मण मीना
- 17 फीट गहराई, 2.59 किमी. लंबाई, 402 वर्गमीटर कैचमेंट एरिया में 14.15 एमसीएम भराव क्षमता वाले इस बांध का निर्माण वर्ष 2000 में हुआ था
- जयपुर शहर के साथ ही जलमहल से आने वाले गंदे एवं कैमिकल युक्त पानी से हर साल हजारों मछलियों के साथ पशु-पक्षियों की भी मौत हो जाती है

इस बांध में पानी की आवक से आसपास का जलस्तर ऊंचा जरूर हुआ है, लेकिन सिंचाई के लिए बनी नहरों में पानी न छोड़े जाने से नहरों के आसपास गांवों में सिंचाई लुप्त होने के कगार पर है। बांध निर्माण के शुरुवाती दिनों में तो इसका उपयोग सिंचाई एवं पीने के पानी के रूप में किया गया लेकिन वर्तमान में यह बांध सिंचाई एवं पीने के पानी के लिए अनुपयोगी साबित हो रहा है। इतना ही नहीं अब तो इस बांध में भरने वाला पानी पशु-पक्षियों एवं मछलियों के लिए मौत का कारण भी बन रहा है। इसका कारण इस बांध में जयपुर शहर के साथ ही जलमहल से आने वाला गंदा एवं कैमिकल युक्त पानी है। इस गंदे एवं कैमिकल युक्त पानी से हर साल हजारों की संख्या में मछलियों के साथ पशु-पक्षियों की भी मौत हो जाती है। जिस उद्देश्य के लिए कानोता बांध का निर्माण करवाया गया था, यदि उस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस बांध का एवं इसमें भरने वाले पानी का उपयोग किया जाए तो इस बांध को भी नया जीवन मिल सकता है।

बस्सी विधायक लक्ष्मण मीना ने भी लोगों की मांग एवं उनके हित में इस संदर्भ में मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इसी तरह की मांग की थी। इस पत्र में कहा गया था कि कानोता बांध का पानी नहर के माध्यम से सिंचाई के लिए उपलब्ध करवाया जाए। इसके साथ ही विधायक ने पत्र के माध्यम से आगाह किया कि इस बांध में गंदा पानी न छोड़ा जाए और इसकी मरम्मत भी की जाए। विधायक लक्ष्मण मीना ने बताया कि कानोता बांध की टेरिटरी में दर्जनभर से भी अधिक गांव बसे हुए हैं, जिनमें एक लाख से भी अधिक जनसंख्या निवास करती है। इसमें अधिकांश लोग किसान हैं और खेती पर आश्रित हैं। इनमें सुमेल, विजयपुरा, बगराना, कानोता, रामरतनपुरा, नायला, ड्योडा चौड, कूंथाडा खुर्द, हीरावाला, गीलावाला, दयारामपुरा, रामसर पालावाला, जीतावाला, खोखावाला, रूपा की नांगल जैसे कई गांव शामिल हैं। साथ ही बताया कि यदि कानोता बांध का पानी ढूंढ नदी में छोड़ दिया जाए तो इससे इस नदी को जीवन तो मिलेगा ही, साथ ही यह पानी कानोता-बस्सी क्षेत्र के सांभरिया, बराला, अचलपुरा, सिंडोली, सांख से लेकर कोटखावदा तक की खेती के लिए सिंचाई का जरिया बन सकती है। इसके अलावा यह आसपास के सैकडों कुओं व ट्यूबवैल को भी रीचार्ज कर सकती है।

बीकानेर में पातेय वेतन पर कई चिकित्सकों को बनाया प्रोफेसर

सरकार के आदेशों की स्पष्ट रूप से हो रही अवहेलना

बीकानेर, (कासं)। पातेय वेतन पर पदोन्नति का खेल खेला जा रहा है। पातेय वेतन पर नीचे पद के कर्मचारियों को उच्च पदों पर पदस्थापन किया गया है, जो सरकार के आदेशों की स्पष्ट रूप से अवहेलना है। यह फायदा एक-दो नहीं, बल्कि कॉलेज के करीब 65 कर्मचारियों को मिल रहा है। इन्हें कार्य व्यवस्था (पातेय वेतन) के नाम पर उच्च पदों पर बैठाया हुआ है।

- एसपी मेडिकल कॉलेज में यह फायदा एक-दो नहीं, बल्कि करीब 65 कर्मचारियों को मिल रहा है

एसपी मेडिकल कॉलेज के एक वरिष्ठ चिकित्सक ने बताया कि नेशनल मेडिकल काउंसिल के निरीक्षण के दौरान मेडिकल छात्रों की संख्या के आधार पर चिकित्सा शिक्षा के पदों को भरना होता है। रिक्त पद होने पर मेडिकल की बढ़ने वाली सीटों के फिर से रद्द होने का खतरा रहता है। ऐसे में एकबारगी कुछ समय के लिए असिस्टेंट को एसोसिसट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर को प्रोफेसर बना देते हैं। यह कार्य व्यवस्था के तहत लगाए जाते हैं। इस तरह पदोन्नत किए कर्मचारी अपने नीचे के पद का वेतन लेकर उच्च पद पर काम करते रहते हैं। यह कार्यव्यवस्था कुछ समय के लिए अस्थायी होती है। परन्तु साल-डेढ़ साल तक ऐसे ही चलता रहता है तो यह नियमानुसार गलत है।

एसपी मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर से पातेय वेतन पर डॉ. बाबूलाल मीणा, डॉ.परवेज समेजा, डॉ. विजय तुंदवाल, रेडियोलॉजी विभाग में डॉ. रिद्धिमा गुप्ता, कैंसर से डॉ. शंकरलाल जाखड़, न्यूरोलॉजी से डॉ. इन्द्रपुरी, डॉ.जगदीश कूकणा, गेस्ट्रोलॉजी से डॉ. सुशील फलोदिया, डॉ. आशीष जोशी, डॉ. विनिता चौधरी, नेफ्रोलॉजी डॉ. जितेन्द्र फलोदिया, हार्ट में डॉ. दिनेश चौधरी, हार्ट हॉस्पिटल मेडिसिन डॉ. देवेन्द्र अग्रवाल, फोरेंसिक मेडिसिन से डॉ. पीके सैनी, डॉ. सुरेंद्र बेनीवाल, डॉ. कमलेश कुमार हर्ष, डॉ. संजीव बुरी, डॉ. अरुण भारती, डॉ. रोहितास कुलहरिया, डॉ. गौरव गुप्ता समेत कई चिकित्सक पातेय वेतन पर पदोन्नत होकर पदस्थापित हैं। फॉरेंसिक मेडिसिन से डॉ. पीके सैनी को पीबीएम अस्पताल के अधीक्षक की कमान सौंपी गई है।

राज्य सरकार के कार्मिक (क-2) विभाग के तत्कालीन प्रमुख शासन सचिव हेमन्त कुमार गेरा ने 26 नवंबर-2021 को पातेय वेतन, कार्य व्यवस्था के आधार पर नियमित वेतन श्रृंखला में पदोन्नति-पदस्थापन नहीं करने के संदर्भ में आदेश जारी किया था। आदेश में स्पष्ट किया था कि कार्यव्यवस्था आधार (पातेय वेतन) पर उच्च पद पर किसी भी कर्मचारी को पदस्थापित नहीं किया जाए। इसके तहत कर्मचारी स्वयं के निचले पद का वेतन प्राप्त करते हुए अन्य उच्च पद पर पदस्थापित किया जाता है। न्यायालय की ओर से समय-समय पर ऐसी नियुक्तियों पर नाराजगी व्यक्त की गई है। इसे सार्वजनिक नियोजन के लिए अनुचित माना गया है। कार्मिक विभाग ने इसकी कठोरता से पालना के लिए पाबंद किया है।

डॉ. मोहम्मद सलीम, प्राचार्य एसपी मेडिकल कॉलेज का कहना है कि पदोन्नति सरकार ही करती है। इसमें स्थानीय कॉलेज प्रशासन की कोई भूमिका नहीं होती है। एसपी मेडिकल कॉलेज के अधीनस्थ करीब 65 कार्मिक पातेय वेतन पर पदोन्नत हैं और कार्य व्यवस्था के तहत पद पर काम कर रहे हैं।

दो बाइकों की भिड़ंत में तीन जनों की मौत

डिग्गी, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र के प्रतापपुरा के पास बीती रात दो बाइकों की आपसी भिड़ंत में तीन बाइक सवारों की मौत हो गई। इनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीसरे ने जयपुर में उपचार के दौरान दम तौड़ दिया। दो मृतक रिश्ते में फुफेरे भाई हैं।

घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी मालपुरा राकेश कुमार बैरवा ने घटनास्थल व डिग्गी अस्पताल पहुंचकर घटनाक्रम की जानकारी ली। वहीं डिग्गी थानाधिकारी सत्यनारायण चौधरी ने रविवार सुबह डिग्गी अस्पताल पहुंचकर डिग्गी अस्पताल में रखे दोनों शवों का पोस्टमाटम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर आगे की कार्यवाही शुरू की। डिग्गी थानाधिकारी ने बताया कि शनिवार रात को 9 बजे सूचना मिली कि प्रतापपुरा के पास भीलवाड़ा जयपुर स्टेट हाइवे पर दो बाइकों की आपसी भिड़त हो गई। उसके बाद तुरंत प्रभाव से डिग्गी थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जहां लहूलुहान हालत में रोड पर पड़े तीनों बाइक सवारों को अस्पताल लेकर आई। डिग्गी अस्पताल में डिग्गी थाना क्षेत्र के डेचवास निवासी प्रधान जाट व टोंडारायसिंह थाना निवासी मोर कुकड कमल माली को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं भंवर लाल जाट को चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर कर दिया। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

भिड़ंत के बाद बिखरे पड़े मोटरसाइकिलों के अवशेष।

जानकारी के अनुसार मृतक कमल माली जयपुर से अपनी बाइक पर अकेला गांव आ रहा था। इसी दौरान सामने से अपने गांव डेचवास जा रहे प्रधान व रिश्ते में फुफेरे भाई लगने वाले भंवर लाल जाट की बाइक से भिड़ंत हो गई। इसमें प्रधान और कमल माली की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं भंवर लाल जाट की जयपुर पहुंचने के बाद मौत हो गई। मृतक कमल माली जयपुर में रहकर मोटर वाइंडिंग का काम करता था। कमल माली परिवार से मिलने अपने गांव मोर जा रहा था। वही मृतक प्रधान जाट अपने गांव में खेती-बाड़ी का काम करता था। वहीं भंवर लाल जाट भी अपने ही गांव मे खेती बाडी का काम करता था।

पति ने दिया तीन तलाक तो पत्नी ने किया सुसाइड

अलवर, (निसं)। पति ने पत्नी को तीन बार तलाक कहा और घर से निकाल दिया। परेशान होकर महिला ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। मामला शनिवार शाम का अलवर जिले के भिवाड़ी का है। भोंकर गांव निवासी मनीषा (20) की शादी 14 मार्च 2021 को नूंह के सिकरावा गांव निवासी इम्तियाज (23) के साथ हुई थी। चाचा जाहूल खां ने बताया कि मनीषा 6 महीने की थी जब उसके पिता का निधन हो गया, 3 साल की हुई तो मां गुजर गई। तब से मनीषा को पाला। शादी में बुलेट बाइक दी, 1 लाख 61 हजार रुपए कैश दिए थे। फिर भी पति, सास, ससुर मनीषा को दहेज के लिए परेशान करने लगे। मनीषा पर उसका ससुर आसिफ बुरी नजर भी रखता था। वह कई बार उसका हाथ पकड़ चुका था, मनीषा ने इसे लेकर भी शिकायत की थी। पति से कहा तो वह गुस्सा हो गया। पिता के कहने पर ही इम्तियाज ने अपनी पत्नी मनीषा को तीन बार तलाक कहा और घर से निकाल दिया।

मनीषा ने 11 मई 2022 को भिवाड़ी थाने में पति,सास व ससुर के खिलाफ दहेज प्रताडना व तलाक का मामला दर्ज कराया था। दो महीने से मनीषा अपने चाचा के घर रह रही थी। मनीषा की दादी उसके ससुराल नूंह गई थी। ससुराल वालों को समझाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कहा कि तीन तलाक हो गया, अब वे उसे नहीं रखेंगे। शादी में दिया गया सामान वापस ले जाओ। जाहूल ने कहा कि शिकायत करने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, इससे मनीषा डिप्रेशन में थी। शनिवार शाम को उसने जहर खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इम्तियाज नूंह में मेडिकल शॉप पर काम करता है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। तीन तलाक पर 2019 में कानून बन चुका है। तीन बार बोलकर पत्नी को तलाक नहीं किया जा सका।

- मृतका के चाचा ने दहेज के लिए परेशान करने का भी आरोप लगाया
- मृतका ने पूर्व में पति, सास व ससुर के खिलाफ मामला दर्ज कराया था

जैसलमेर में पर्यटन सीजन का जुलाई से होगा आगाज

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर में अगले माह जुलाई से पर्यटन सीजन का आगाज होने जा रहा है। टूरिस्ट सीजन के लिए पर्यटन नगरी को सजाने संवारने की कवायद शुरू हो चुकी है।

इस बार पर्यटन सीजन में सैलानियों की अच्छी संख्या की उम्मीद में होटल और रिसोर्ट मालिकों ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। होटल, रिसोर्ट और रेस्तरां सभी में रेनोवेशन का काम शुरू हो गया है लगातार 2 साल से कोरोना की मार झेल चुके पर्यटन से जुड़े लोगों में इस बार अच्छे टूरिस्ट सीजन की उम्मीद है। इसी उम्मीद के चलते वे अपनी-अपनी लोकेशन को और ज्यादा बेहतर बनाने और सैलानियों का ध्यान अपनी तरफ खींचने की पूरी तैयारियों में जुट गए हैं। इस बार कोरोना नहीं होने से सैलानियों की अच्छी एडवांस बुकिंग भी होटल्स में हो रही है।

जैसलमेर में होटल मालिक मानते हैं कि कोरोना काल की दुखद यादें भूल कर हम सब इस साल अच्छे सीजन की आस में हैं और उम्मीद है कि इस बार सीजन अच्छा जाएगा। वे बताते हैं कि कोरोना काल में 2 साल विदेशी सैलानी जैसलमेर नहीं आए जिससे हमें बहुत ज्यादा नुकसान हुआ लेकिन इस बार लगता है विदेशी सैलानी अच्छी खासी तादाद में जैसलमेर आएंगे।

पूर्व मंत्री के बेटे के खिलाफ लूट व मारपीट का मामला दर्ज

अलवर, (निसं)। भाजपा सरकार में मंत्री रहे हेम सिंह भडाना के बेटे सुरेंद्र भडाना के खिलाफ घर में घुसकर लूट व मारपीट का मामला दर्ज हुआ है। पूर्व मंत्री के बेटे का घर की दीवार कूदने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। हालांकि मंत्री के बेटे ने भी क्रॉस मुकदमा दर्ज करा दिया है, मामला अलवर का है।

परिवादी बुध विहार ए-49 निवासी निहाल सिंह ने मामला दर्ज कराया कि रात करीब साढे 11 बजे सुरेंद्र सिंह 6-7 लोगों के साथ आया। घर की दीवार कूद कर अंदर घुसा। उसके साथ मारपीट की और 1 लाख रुपए-सोने की चेन लूट ले गए। किसी को बताने पर जाने से मारने की धमकी दी। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। निहाल सिंह ने पुलिस को मंत्री के बेटे के रात को घर में दीवार कूदकर घर में घुसने का वीडियो भी बतौर सबूत दिया है।

रविवार रात को ही पूर्व मंत्री के बड़े बेटे धीरेंद्र ने शिवाजी पार्क पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है कि निहाल सिंह रिश्ते में ताऊ का लड़का है। उसने 24 जून की रात को मेरे भाई सुरेंद्र सिंह को खुद के घर पर बुलाया। कहा गेट पर तेरी भाभी ने ताला लगा दिया है। दीवार कूद कर आ जा। सुरेंद्र अंदर गया तो तीन-चार लोग शराब पी रहे थे। उसके पहुंचते ही सुरेंद्र से मारपीट करने लगे। बड़ी मुश्किल से सुरेंद्र वहां से बचकर भागा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि पूर्व मंत्री का कहना है कि यह उनके परिवार का मामला है। शिवाजी पार्क पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों ने रिपोर्ट दी है। सबूतों के आधार पर जांच कर रहे हैं। अभी इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। जल्द जांच कर आवश्यक एक्शन लिया जाएगा।

- मंत्री के बेटे ने भी क्रॉस मुकदमा दर्ज कराया
- मंत्री के बेटे ने घर में घुसकर पीड़ित से की थी मारपीट

अधिकारियों की लापरवाही एवं मिलीभगत के कारण भूमाफियाओं की भेंट चढ़ गई बेशकीमती जमीन

जैसलमेर शहर में जमीन पर लगा भूमाफियाओं का ग्रहण, हुआ फर्जी बेचान

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर शहर के एसबीआई बैंक के सामने मुख्य सड़क से उत्तर की तरफ ढिब्बा पाड़ा खसरा नंबर 193 स्थित बुर्ज के पास नगर परिषद के कार्यालय से मात्र दो सौ मीटर दूर स्थित नगरपरिषद की बेशकीमती दो हजार वर्गफीट जमीन आखिरकार अधिकारियों की लापरवाही एवं मिलीभगत के कारण भूमाफियाओं की भेंट चढ़ गई तथा भू माफियाओं ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर अपनी बताते हुए इस सरकारी भूमि का बेचान भी कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एयरफोर्स के पंप हाउस के पास लगती भूमि सालों से खाली पड़ी थी। इस पर भूमाफियाओं की नजर पड़ गई और केहर फ़क़ीर की ढाणी देवीकोट निवासी एक परिवार ने पुश्तैनी जमीन बताकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 11 मई को अपने ही परिवार की सदस्या के नाम मुखत्यार आम तैयार करवा दिया। 18 मई को महिला ने उक्त जमीन को एक और भूमाफिया को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बेच दिया। ज्ञात जानकारी के अनुसार यह भूखंड जिस अजीज खान पुत्र सोढ़ेखान के नाम से बताया गया उनकी मृत्यु 1998 में हो चुकी है। यदि यह भूखंड उनके नाम था तो फिर 24 साल तक उसके वारिसान द्वारा इस भूखंड का नामांतरकरण क्यों नहीं करवाया गया और तो और नगरपरिषद में इस भूखंड की और इस नाम की कोई पत्रावली ही नहीं है।

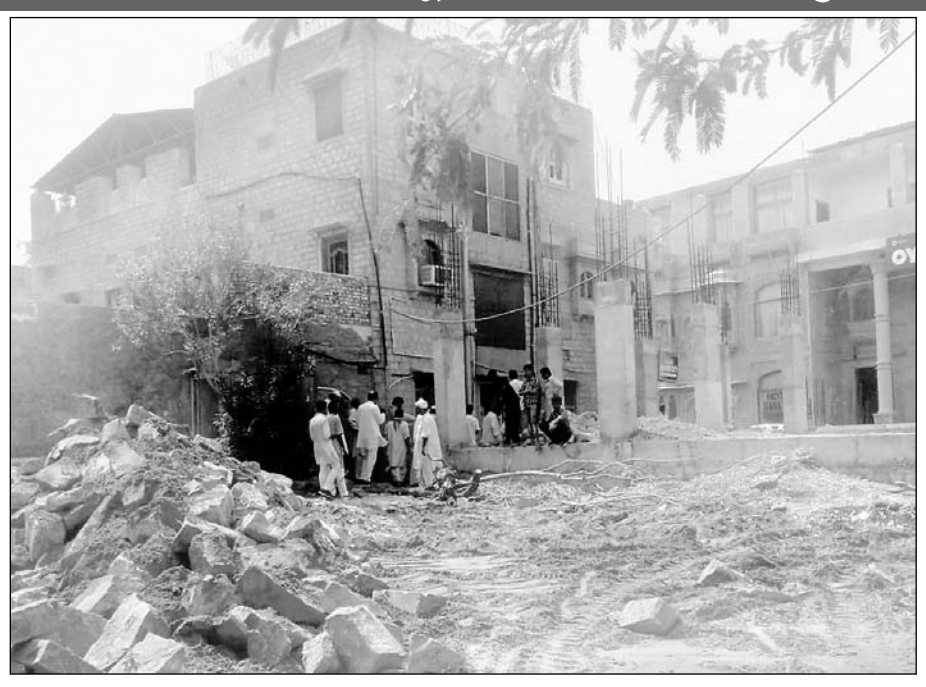

जैसलमेर शहर में बेशकीमती जमीन का फर्जी बेचान करने का मामला सामने आया।

जानकारी में आया है कि उक्त भूखंड के पास स्थित भूखंड के मालिक भगवानाराम ने वर्ष 2013-14 में इस भूखंड को खांचा भूमि के रूप में उसे आवंटित करने का भी आवेदन किया था। इस पर 7 मई 2014 को तत्कालीन नगरपरिषद अधिकारियों ने इस भूखंड को पूर्ण मानकर नोटशीट में इस भूखंड को स्वतंत्र बनाकर नीलामी करने की टिप्पणी की थी। इस खरीददार ने उक्त भूखंड खरीदा है उसी के भाई ने भी यही भूखंड प्राप्त करने के लिए खांचा भूमि का आवेदन किया था। यदि यह भूखंड नीलाम होता तो नगरपरिषद को करोड़ों रुपये की आय हो सकती थी। मगर अधिकारियों की लापरवाही ओर भूमाफियाओं से मिलीभगत ने इस भूखण्ड पर भूमाफियाओं को कब्जा करने और बेचने की मौन स्वीकृति दे दी। उक्त बेचान नामे में जैसलमेर पंजीयन कार्यालय के उप पंजीयक एवं जैसलमेर के कार्यवाहक तहसीलदार की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है क्योंकि उनके द्वारा भूखंड के टाइटल संबंधी बिना किसी वैध दस्तावेज के ही बेचान नामा स्वीकृत कर दिया जो कि संदेहास्पद है।

उप पंजीयक महेंद्र खत्री ने बताया कि टाइटल संबंधित कार्य नगरपरिषद का है। हमने रजिस्ट्री में इससे संबंधित नोट डाल दिया है। यदि बेचने वालों ने फर्जी बेचान किया है तो ये उनकी जिम्मेदारी है तथा बेचने और खरीदने वालों पर कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए।

- इस बेचान नामे में जैसलमेर पंजीयन कार्यालय के उप पंजीयक एवं जैसलमेर के कार्यवाहक तहसीलदार की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है

सब्जी बेचने वाले से सौ-सौ रुपए के आठ नकली नोट बरामद किए

अलवर, (निसं)। एनईबी थाना पुलिस ने अग्रसेन सर्किल सब्जी मंडी परिसर में नकली नोट चलाने की फिराक में घूम रहे 57 वर्षीय सुरेश शर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 100 -100 रुपए के 8 नकली नोट बरामद किए हैं।

थानाधिकारी राजेश वर्मा ने बताया कि सूचना मिली कि एक व्यक्ति नकली नोट चलाने की फिराक में घूम रहा है। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी सुरेश पुत्र कुंदन लाल शर्मा निवासी मोती नगर काली मोरी फाटक को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 100-100 रुपए के 8 नकली नोट बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने उक्त नोट एक व्यक्ति से आधी कीमत में खरीदे थे। आरोपी ने बताया कि वह हथठेला पर फेरी लगाकर सब्जी बेचता है।

चार संक्रमित मिले

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में कोरोना संक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को एक महिला सहित चार और लोग पॉजिटिव आए हैं। आरटी पीसीआर प्रभारी डॉ. घनश्याम चावला ने बताया की रविवार को सुवाणा की 47 वर्षीय महिला के साथ ही सांगानेरी गेट का 65 वर्षीय बुजुर्ग, कोटड़ी का 26 वर्षीय युवक, हुरड़ा का 32 वर्षीय युवक कोरोना पॉजिटिव आये हैं। खास बात यह कि इन चारों ने वैक्सीन की पहली और दूसरी डोज लगाई हुई है।

अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

बरोनी पुलिस थाने में जप्त ट्रैक्टर-ट्रॉली।

निवाई, (निसं)। बरोनी थाना पुलिस ने अवैध बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है।

बरोनी थानाधिकारी हरिराम ने बताया कि रविवार को मुखबीर से सूचना मिली कि गांव खोडा का खेडा में अवैध बजरी भरकर ट्रैक्टर आ रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो अवैध बजरी भरकर एक ट्रैक्टर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने अवैध बजरी भरी होने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर थाने लाकर खड़ा करवा दिया। पुलिस ने एमएम आरडी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।

संक्षिप्त

निवाई में कांग्रेस का सत्याग्रह आंदोलन आज

निवाई। शहर व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में सोमवार को सत्याग्रह आंदोलन किया जाएगा। शहर अध्यक्ष महावीर प्रसाद पराणा ने बताया कि देश के युवाओं की आवाज केन्द्र सरकार तक पहुंचाने तथा अग्निपथ योजना को वापस लेने के उद्देश्य को लेकर सोमवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक गांधी पार्क में सत्याग्रह आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता केन्द्र सरकार के विरोध में विधायक प्रशांत बैरवा के नेतृत्व में महात्मा गांधी की मूर्ति के समक्ष गांधी पार्क में शांतिपूर्ण सत्याग्रह करेगें। सत्याग्रह में सभी कांग्रेसी कार्यकर्ता, पार्षद, सीआर, डी आर, पंच-सरपंच सहित सभी जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

बस्सी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सत्याग्रह आज

बस्सी, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र बस्सी के उपखंड कार्यालय परिसर में सोमवार सुबह 10 बजे कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर सत्याग्रह किया जाएगा। पूर्व जिला परिषद सदस्य बेनीप्रसाद कटारिया एवं नवीन सिंह राठौड़ कानोता ने बताया कि केंद्र की तानाशाह सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाओं ई.डी. व सीबीआई का दुरुपयोग करने तथा भारतीय सेना को कमजोर करने वाली एवं भारतीय सेना में जाने के इच्छुक युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड करने वाली अग्निपथ योजना के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओ का सत्याग्रह का आयोजन किया जाएगा।

प्रवीण सैनी को महामंत्री बनाया

उनियारा, (निसं)। उनियारा उपखंड ककोड़ भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ककोड़ मण्डल द्वारा युवा मोर्चा मण्डल महामंत्री की जिम्मेदारी प्रवीण सैनी अजमेरा को दी गई। जिस पर पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हिमांशु शर्मा, पूर्व विधायक देवली उनियारा, राजेंद्र गुर्जर, जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराणा, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, मण्डल अध्यक्ष महावीर गुर्जर, मण्डल महामंत्री रामकिशोर युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष आशाराम नागर, मण्डल के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने प्रवीण अजमेरा को नियुक्त करने पर बधाई शुभकामना दी।

'अग्निपथ' का समर्थन किया

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। राठ क्षेत्र के सोशल मीडिया पर बहरोड़ के गंडाला गांव की महिला सामाजिक कार्यकर्ता व भाजपा समर्थित इंदु यादव ने केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना का समर्थन करते हुए क्षेत्रीय नेताओं पर तो तंज कसा साथ ही योजना के खिलाफ षड्यंत्र करने वालों के खिलाफ आवाज उठाते हुए बड़ा बयान दिया। यादव ने कहा कि भाजपा की कार्यकर्ता होने के नाते उसकी निष्ठा, आदर्श और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं और वह उनकी इस दूरदर्शी , देश हितेशी योजना 'अग्निपथ' का समर्थन करती हैं।

चिकित्सा मंत्री के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन आज

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों द्वारा उपखंड मुख्यालय पर अग्निवीर सेना भर्ती योजना के विरोध में लालसोट पंचायत समिति परिसर में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक प्रदर्शन किया जाएगा। प्रवक्ता एडवोकेट सुदीप मिश्र ने बताया कि ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चांदसेन व लालसोट के नेतृत्व में आज सोमवार 27 जून को केंद्र सरकार द्वारा अग्निवीर सेना भर्ती के विरोध में चिकित्सा मंत्री परसादी लाल जी मीणा के नेतृत्व में धरना दिया जाएगा।

हनुमान मंदिर परिसर में पौधारोपण किया

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम नारेहडा के हनुमान मंदिर परिसर में रविवार को ग्रामीणों द्वारा पौधारोपण किया गया। इस दौरान 21 फलदार व छायादार पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाये गये। पौधारोपण में सुरेश चंद, रमेश चंद, सुरजन मीणा, कैलाश गुरुजी, रमाकांत मीणा, संजय संतोष, जितेंद्र मीणा, बलवीर, रामभगत शर्मा, अजय बडगूजर, हंसराज मीणा, मोहित, सुमंत, लीलाराम, लालाराम मीणा सहित अन्य ग्रामीणों ने सहयोग किया।

दिनदहाड़े मकान के ताले तोड़ आभूषण व नगदी की पार

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा शहर से सटी बृजलाल नगर ग्राम पंचायत की जैन मंदिर के पास आवासीय कॉलोनी में बिना नम्बर की बाइक से दो युवकों ने रैकी कर दिनदहाड़े सूने मकान के ताले तोड़ महज 10 मिनट में 5 लाख रुपये से अधिक के सोने-चांदी के आभूषण व नगदी चुरा ले गये।

- बिना नम्बर की बाइक से रैकी कर वारदात को दिया अंजाम
- सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई वारदात

चोरी के बाद बिखरा पड़ा सामान।

मामले के अनुसार पीड़ित मकान मालिक अभिषेक जैन टोरडी वाले ने बताया कि शनिवार की शाम वो अपने परिवारजनों के साथ जयसिंहपुरा बालाजी के दर्शनों के लिए गये हुए थे। दर्शन कर रात साढे नौ बजे घर लौटे थे। मकान के ताले टूटे तथा कमरे में बिखरा सामान देख होश उड़ गये। तत्काल मकान के चारों और लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देख थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे थानाधिकारी कैलाश विश्नोई व पुलिस टीम ने वारदात स्थल की फोटोग्राफी कर सीसीटीवी फुटेज देखे तो दो युवक बिना नम्बर की बाईक पर मकान के बाहर लगभग आधा घंटे से बार-बार गली में चक्कर लगा रैकी कर रहे थे। दोनों बाईक सवार युवक मकान के गेट के सामने बाइक रोक एक युवक पीछे से दीवार फांद मकान में घुस गया तथा मैन गेट के ताले तोड़ अलमारी में रखे सोने का मंगलसूत्र, सोने की चैन, कानों की झूमर, कनोतियां, टॉप्स की चार जोडी, 6 अंगुठी, 2 लोंग, सोने की बाली तथा चादी के कड़े 2 जोडी, 1 जोडी बच्चे के चांदी के कड़े, पायजेब की 3 जोड़ी, बिछिया की 4 जोड़ी, चांदी की अंगुठी सहित अलमारी में रखे 48 हजार रूपये नगद चुरा ले जाना सामने आया।

भाजपा नगर परिषद के पार्षदों की बैठक

टोंक, (निसं)। नगर परिषद के पार्षदों की बैठक सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया व भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पराणा की अध्यक्षता में सांसद कार्यालय पर आयोजित हुई।

बैठक में नगर परिषद में हो रहे भ्रष्टाचार, पट्टे बनाने में धांधली, काफी समय से बोर्ड की मीटिंग नहीं हुई, जिससे विकास कार्य रुका होना, जहां थोडा सा विकास कार्य हो रहा है वहां पर भेदभाव करना, शहर में अवैध पशु मंडी संचालित, शहर में रोशनी व लाइटों का अभाव, शहर में सफाई की सही व्यवस्था नहीं होना, सरकारी पैसे का दुरुपयोग सहित अन्य मुद्दों पर बातचीत हुई। बैठक में तय हुआ कि आगामी दिनों में भारतीय जनता पार्टी सभी मुद्दों को लेकर आंदोलन करेगी। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष गणेश माहुर, नगर परिषद प्रतिपक्ष नेता व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य लक्ष्मी जैन, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, प्रभु बाडोलिया, जिला उपाध्यक्ष बेनी प्रसाद जैन, मंडल अध्यक्ष राजेश शर्मा, पार्षद रामचरण साहू, मुकेश कश्यप, बादल साहू, मनीष सिसोदिया, सोहन मीणा, सौरभ सोनी, कालू बागडी, अजय सैनी, रसीद नददाफी, मुकेश सैनी आदि पार्षद मौजूद रहे।

माली-सैनी समाज के अधिवेशन में सामाजिक बिंदुओं पर मंथन किया

लालसोट, (निसं)। दौसा जिला माली सैनी समाज कार्यकारिणी का प्रथम अधिवेशन रविवार को रुकमणी पैलेस लालसोट में आयोजित हुआ।

माली सैनी समाज के बड़े पैमाने पर आयोजित हुए इस अधिवेशन के माध्यम से माली सैनी समाज के प्रमुख लोगों द्वारा समाज बंधुओं की मौजूदगी में अधिवेशन के दौरान सामाजिक बिंदुओं पर मंथन किया। पहली बार आयोजित अधिवेशन में दौसा जिले के प्रत्येक सातों ब्लॉक से जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं सदस्य, तहसील अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी, सैनी समाज के चल रहे विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, आसपास के क्षेत्रों जयपुर, सवाई माधोपुर, अलवर, टोंक, करौली, सीकर, एवं विभिन्न जिलों के माली सैनी समाज के जिला अध्यक्ष आदि समाज के लोगों द्वारा बढ चढकर भाग लिया।

इसमें विशेष तौर पर शिक्षा के लिए चेतना, सामाजिक शैक्षिक आर्थिक क्षेत्र में समाज के उत्थान की में विचार विमर्श, सामाजिक कुरीतियों का उन्मूलन, समाज में विभिन्न मांगों के संबंध में चर्चा कर समाज उत्थान को लेकर विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में हीरालाल सैनी जिला प्रमुख दौसा, अध्यक्षता गिर्राज प्रसाद सैनी कछला एवं अति विशिष्ट अतिथियों में आलोक सैनी विशेष अधिकारी श्रम विभाग शासन सचिवालय जयपुर, दिलीप कुमार सैनी आरपीएस सतर्कता, ओमकार मल सैनी रजिस्ट्रार आरयूएचएस अशोक कुमार सैनी बांदीकुई अलका सैन कैलाश सैनी आदि प्रशासनिक अधिकारी सहित भवानी शंकर माली सदस्य राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नित प्राधिकरण, छुट्टन लाल सैनी प्रदेश अध्यक्ष माली महासभा राजस्थान, अनुभव चंदेल, महेश सैनी आईएएस, सुरेश सैनी एनएचएआई आदि उपस्थित रहे।

मंदिर में पूजा-अर्चना के विवाद को लेकर सोते पुजारी पर हमला

नारायणपुर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुण्डावरा में स्थित शीतल नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना को लेकर नाथ समुदाय के दो पक्षों में चल रहे विवाद में रविवार को सुबह दूसरे पक्ष ने मंदिर में सोते हुए पुजारी पर हमला कर दिया।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत मुण्डावरा के शीतल नाथ मंदिर जिसमें पूजा-अर्चना को लेकर कई वर्षों से कोर्ट में मामला विचाराधीन है। एक पक्ष मंदिर में पूजा अर्चना करते आ रहा था। वहीं दूसरा पक्ष ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर रखी है। इसको लेकर रविवार सुबह 5 बजे सोते हुए पुजारी पर दूसरे पक्ष के लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे पुजारी सुरज्ञानी (40) पुत्र हनुमान नाथ योगी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल पुजारी ने बताया कि करीब आधा दर्जन लोगों ने सुबह 5 बजे धारदार हथियारों से हमला कर दिया। सूचना पर आसपास के लोग

नारायणपुर में मंदिर विवाद में पुलिस ने मौके पर पहुंच जांच की ।

घायल पुजारी को नारायणपुर अस्पताल लेकर आये, जहां चिकित्सकों ने पुजारी की गंभीर हालत होने पर अलवर रैफर कर दिया है। इस मामले में पीड़ित के पिता हनुमान नाथ योगी ने नामजद 6 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में नारायणपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर गांव मानावास निवासी जयराम पुत्र सोन्या राम जाति गुर्जर, बोदुराम पुत्र गणपत जाति जोगी, धनेश पुत्र हनुमान नाथ जाति जोगी आदि को गिरफ्तार किया है।

किसान महा पंचायत 3 को

निवाई, (निसं)। गांव वजीराबाद में 3 जुलाई को किसान महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। युवा किसान महापंचायत के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद चौधरी ने बताया कि महा पंचायत द्वारा 1 जून से किसानों की मांगों को लेकर आन्दोलन शुरू हो चुका है।

निवाई तहसील के किसानों के साथ किसान महापंचायत 3 जुलाई को गांव वजीराबाद में 11 बजे शुरू होगी। उन्होंने बताया कि किसानों की मांगों में ईसरदा बांध से टोंक, निवाई, पीपलू तहसील के गांवों के खेतों को सिंचाई की सुविधा, बीसलपुर बांध से टोरडी सागर, घारेडा, चांदसेन आदि बांधों में पानी डालने, गौ संरक्षण व खेतों में फसल की सुरक्षा के लिए गौ अभ्यारण्य बनाने, बीसलपुर से सिंचित जमीन को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने, सेवारामपुरा के किसानों की अवाप्त की गई जमीन को अवाप्त मुक्त कर वापस किसानों को देने की मांगें शामिल है।

उन्होंने बताया कि इसी प्रकार नेशनल हाईवे का असिंचित का मुआवजा दिया गया जबकि जमीन बीसलपुर सिंचाई परियोजना से सिंचित थी,उसका मुआवजा दुबारा दिया जाये।

विधायक के प्रयासों से विराटनगर को मिले सबसे अधिक चिकित्सक

पावटा, (निसं)। विधायक इंद्राज गुर्जर की अनुसंशा पर विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके इसके लिए विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सबसे अधिक विशेषज्ञ चिकित्सकों को लगाया गया है।

उनकी मांग पर प्रशासनिक अति आवश्यकता को देखते हुए संयुक्त शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य(ग्रुप-2) विभाग एवं पंचायती राज (चिकित्सा) विभाग निमिषा गुप्ता, शासन सहायक सचिव दीपक सोनी ने चिकित्सकों के स्थानांतरण आदेश जारी किय।

जिनमें डॉ. प्रमोद कुमार गुर्जर चिकित्सा अधिकारी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राजनौता से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोविंदपुरा धाबाई, विराटनगर डॉ. रूप सिंह रावत चिकित्सा अधिकारी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बीलवाडी विराटनगर से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राजनौता, डॉ. श्रीराम गुर्जर चिकित्सा अधिकारी को सीएससी विराटनगर से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लुहाकाना खुर्द विराटनगर, डॉ. संतोष कुमार स्वामी चिकित्सा अधिकारी को जिला अस्पताल अलवर से सीएससी आतेला विराटनगर, डॉक्टर अनुराधा भारद्वाज चिकित्सा अधिकारी को पीजी उपरांत पदस्थापन जिला अस्पताल धौलपुर में स्थानांतरणधीन सीएससी पावटा विराटनगर, डॉ. सत्यनारायण स्वामी चिकित्सा अधिकारी को जिला चिकित्सालय किशनगढ अजमेर से सीएससी आतेला विराटनगर, डॉ. गोकुलचंद जाट चिकित्सा अधिकारी शिशु रोग को सीएससी बानसूर अलवर से सीएससी आतेला विराटनगर, डॉ. सचिन कुमार शर्मा चिकित्सा अधिकारी पीएससी प्रागपुरा विराटनगर से सीएससी मेड विराट नगर, डॉ. धर्मपाल चिकित्सा अधिकारी सीएससी बेडा पाली से सीएससी मेड विराटनगर, डॉ संजय मल्होत्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमारी सरेठा उदयपुर से सीएससी विराटनगर, डॉ. दयाराम जाट चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेड से सीएससी विराटनगर, डॉ. राजेश कुमार एमडी (निश्चेतन) जिला चिकित्सालय शाहपुरा से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पावटा, डॉ. सुधीर सिंह चिकित्सा अधिकारी (गायनिक) सीएससी गोविंदगढ अलवर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आतेला, डॉ. राजवीर सिंह चिकित्सा अधिकारी (मेडिसिन) सीएससी विजयनगर अजमेर से सीएससी पावटा, डॉ.कृष्ण सिंह शेखावत चिकित्सा अधिकारी सीएससी पावटा से पीएससी बिलवाडी विराटनगर, डॉ. विकास शर्मा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पीजी उपरांत पदस्थापन जिला अस्पताल प्रतापगढ से सीएससी आतेला विराटनगर, डॉ. महेंद्र कुमार शर्मा कनिष्ठ विशेषज्ञ (निश्चेतन) सीएससी उनियारा टोंक से सीएससी मेड विराटनगर, डॉ. मुकेश कुमार शर्मा चिकित्सा अधिकारी निदेशालय अधिशेष से पीएससी तेवडी विराटनगर, डॉ. मधु अरोडा चिकित्सा अधिकारी सीएससी पावटा विराटनगर, डॉ आशीष पन्नू चिकित्सा अधिकारी सीएससी आतेला विराटनगर, डॉ. ईवा शर्मा चिकित्सा अधिकारी सीएससी मेड विराटनगर लगाया है।

बालिका आवासीय विद्यालय का दौरा किया

किशनगढ़ बास, (निसं)। मेवात विकास बोर्ड के अध्यक्ष जुबेर खान ने क्षेत्रीय विधायक दीपचंद खेरिया, प्रधान बद्री प्रसाद सुमन के साथ मेवात के गांव बाघोडा में मेवात बालिका आवासीय विद्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा और स्टाफ ग्रामीणों व बच्चों से आवासीय विद्यालय के बारे में जानकारी ली और ग्रामीणों व बच्चों की मांग पर विद्यालय को कक्षा 12 तक शिक्षिकाओं के रिक्त पद भरे जाने आदि व्यवस्थाओं में सुधार कराने का भरोसा दिया। विधायक दीपचंद खैरिया के मीडिया प्रभारी सुनील कांत गोल्डी ने बताया कि रविवार को मेवात विकास बोर्ड के अध्यक्ष जुबेर खान ने मेवात के गांव बाघोडा में संचालित मेवात आवासीय बालिका विद्यालय व बंबोरा घाटा स्थित सदभावना भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक दीपचंद खैरिया प्रधान बद्री प्रसाद सुमन जिला पार्षद सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। निरीक्षण के लिए पहुंचे जनप्रतिनिधियों का सरपंच व ग्रामीणों की ओर से स्वागत किया गया।

38 अनाथ वधुओं सहित 51 वर-वधू का नि:शुल्क निकाह सम्पन्न

टोंक, (निसं)। ईसा फाउंडेशन गुजरात की ओर से सेयद फारुक अली अकेडमी में 51 जोड़ों का पहला निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन रविवार को हुआ।

ईसा फाउंडेशन इंडिया के चेयर हबीब अहमद ने बताया कि टोंक में यह हमारा पहला निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन है जिसमें हमने 51 जोड़ों का निकाह करवाया है, जिसमें 38 अनाथ वधुओं ओर दोनों पैर से विकालांग जोड़े का भी निकाह करवाया गया। विदाई के समय वर-वधू को घर-गरहसती के सभी समान उपहार में दिए गए हैं साथ ही वर-वधू को आशीर्वाद के रूप में टोंक के बडे आलिम हजरत मोलना मुहम्मद सईद साहब, हजरत मोलना मुहम्मद आमिर नदवी खान साहब,अतीकुर रहमान कुरेशी सेकेटरी जमीयत ओलमा गुजरात,मुहम्मद आरिफ उस्ताद जामिया फेजनुल कुरआन गुजरात, सेयद इमादुद्दीन अहमद ने अपनी दुआओं से नवाजा मंच का संचालन समाज सेवी खुर्शीद अनवर ओर शहजाद कायमखनी ने किया कार्यक्रम मुफ्ती आदिल के जेरे निगरानी में हुआ।

इस अवसर पर हबीब अहमद ने एलान किया कि जनवरी माह में 500 जोड़ों का निकाह निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन में करवाया जाएगा। साथ ही टोंक मे जमीन उपलब्ध करवाने पर ईसा फाउंडेशन गुजरात की ओर से एक विशाल अस्पताल भी बनवाया जाएगा और विधवाओं के लिए रोजगार की स्थाई व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम मं पार्षद अकील अहमद, पार्षद अख्तर , पूर्व पार्षद शकील भाई मुजाहिद भाई,अकरम, काजी इज्जत अली, हनीफ सहारा, मुहम्मद इब्राहीम,एडवोकेट रईस अहमद, जाकिर सना, सहित गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

ईसा फाउंडेशन गुजरात की ओर से सेयद फारुक अली अकेडमी में 51 जोडों का पहला निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन कार्यक्रम।

- ईसा फाउंडेशन गुजरात की ओर से पहला निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ

जवान हुंकार महारैली में कसाना के नेतृत्व में जायेंगे युवा

कोटपूतली, (निसं)। केन्द्र सरकार द्वारा सेना में लाई जा रही संविदा भर्ती योजना (टीओडी) के विरोध में सोमवार 27 जून को राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी द्वारा जोधपुर संभाग मुख्यालय में जवान हुंकार महारैली का आयोजन किया जायेगा। महारैली में कोटपूतली से पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में युवा भाग लेंगे। इस दौरान कसाना ने कहा कि युवा महारैली में शामिल होकर दिल्ली में बैठे सत्ताधारियों तक आवाज पहुंचाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि देश का जवान अब सडकों पर उतर चुका है जो अपना हक लेकर रहेगा। जिस प्रकार केंद्र सरकार ने पहले किसानों और अब जवानों को ठगने का काम किया है यह किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। आरएलपी विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष देशराज पायला ने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से ज्यादा से ज्यादा संख्या में महारैली में शामिल होने की अपील की है।

सार-समाचार

महिला सुरक्षा सखी की बैठक

पावटा, (निसं)। स्थानीय पुलिस थाने में रविवार को थानाधिकारी किरण सिंह की अध्यक्षता में महिला सुरक्षा सखी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें थानाधिकारी ने राजकोट सिटीजन के बारे में जानकारी देते हुए असामाजिक तत्वों की सूचना तुरन्त पुलिस को देने व अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस का सहयोग किये जाने की बात कही। वहीं गांव के छोटे-मोटे एवं घरेलू विवाद व बिजली-पानी की समस्या का समाधान स्थानीय सरपंच व सीएलजी के सदस्यों एवं महिला सुरक्षा सखी के माध्यम से किये जाने के निर्देश दिये। साथ ही प्रत्येक घर से एक एक व्यक्ति को समय-समय पर गांव में गश्त करने की भी बात कही। ताकि अपराधियों पर अंकुश लगाया जा सके। बालिकायें व महिलायें किसी भी प्रकार की कोई परेशानी होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस के द्वारा महिला उत्पीडन व अत्याचार की रोकथाम के लिए अभियान भी चलाया जा रहा है। थानाधिकारी ने महिला सुरक्षा सखियों की हौंसला अफजाई करते हुए महिला सुरक्षा सखियों के कार्यों की प्रशंसा की। इस मौके पर सुमन तुलसीपुरा, रेखा शर्मा टोरडा, तारा देवी भांकरी, इंद्रावती भांकरी, रेखा बडनगर, मंजू शर्मा प्रागपुरा, सर्मिष्ठा करौली, माया देवी राजनौता, संतरा देवी प्रागपुरा, गीता जांगिड ठिकरिया, सुमन प्रागपुरा, सरोज यादव, ममता शर्मा मांजूकोट सहित थाना महिला पुलिसकर्मी व महिलाएं मौजूद रही।

परिचय सम्मेलन आज

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के सैनी सभा भवन नं. 1 में सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष रामकुमार सैनी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन कर कार्यकारिणी विस्तार व सामूहिक विवाह सम्मेलन हेतु विवाह स्थल को लेकर चर्चा की गई। इस मौके पर महेश कुमार सैनी, ख्यालीराम सैनी, पवन कुमार सैनी को उपाध्यक्ष व प्रचार मंत्री बिद्दूराम सैनी, बिल्लूराम सैनी, राहुल सैनी, व्यवस्थापक रणजीत सैनी, श्यामलाल, कोषाध्यक्ष प्रहलाद सैनी, मोहन लाल सैनी को नियुक्त किया गया। साथ ही नारायणा मैरिज गार्डन डाबला रोड़ पर सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किये जाने का निर्णय लिया गया। विवाह सम्मेलन को लेकर सोमवार को परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान संरक्षक बिड़दीचंद सैनी, श्रीराम सैनी, रमेश भगतजी, सुभाष सैनी, ललित सैनी, हनुमान प्रसाद सैनी, रामावतार सैनी, सैनी सभा अध्यक्ष राकेश सैनी, उपाध्यक्ष रोहितास सैनी, सचिव एड. योगेश सैनी, कोषाध्यक्ष रामसिंह सैनी, एड. पवन कुमार सैनी, कृष्ण कारोडिया, ओमप्रकाश सैनी, प्रकाश तोंदवाल, कैलाश ठेकेदार, मथुरा प्रसाद सैनी, सत्यनारायण सैनी, प्रदीप सैनी, रामौतार सैनी, सुनील सैनी, संजय बागड़ी, विजय बीजवाडिया समेत अन्य मौजूद रहे।

प्रदेश महामंत्री का सम्मान किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। राष्ट्रीय कवि संगम के राजस्थान प्रदेश महामंत्री मनोनीत होने पर अजीतगढ निवासी विवेकानंद शर्मा का श्रीमाधोपुर के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने प्रहलाद राय अग्रवाल आदर्श विद्या मंदिर में सम्मान किया। राष्ट्रीय विचारों से ओतप्रोत काव्य रचना व काव्य गोष्ठी सम्मेलनों के आयोजन को गति देने के लिए विवेकानंद शर्मा को राष्ट्रीय कवि संगम में प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। स्वागत कार्यक्रम में लायंस क्लब अध्यक्ष सीताराम सैनी, ओएनजीसी के निदेशक डॉक्टर माधव सिंह, लायंस क्लब सदस्य एडवोकेट रामकिशन सैनी, रोटरी क्लब अध्यक्ष शांतिलाल सोनी, काव्य मंच से पुरुषोत्तम शर्मा, विद्या भारती समिति से महेश सोनी, सेवा भारती से प्रहलाद सोमानी, बजरंग दल, किसान संघ सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे ।

रैगर समाज का चिंतन शिविर

चाकसू, (निसं)। अखिल भारतीय रैगर महासभा तहसील अध्यक्ष लल्लू लाल सोनेवाल ने बताया कि महासभा का जयपुर शहर अध्यक्ष एडवोकेट महेंद्र कुलदीप एवं ग्रामीण अध्यक्ष एडवोकेट गुलाबचंद नारोलिया की अध्यक्षता में दो दिवसीय चिंतन एवं मंथन शिविर का आयोजन किया। चिंतन शिविर के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष एसके मोहरपुरिया एवं प्रदेश अध्यक्ष जेपी मोहलिया रहे। 2 दिन से शिविर में क्षेत्र के समस्त तहसील अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लेकर प्रबुद्ध जनों ने समाज में फैली कुरीतियों एवं परी-पाटियों पर गहन विचार मंथन कर अनिवार्य शिक्षा पर बल देते हुए सवामणी, जन्म दिवस एवं सेवानिवृत्ति पर पहरावर्णी बंद, शादी समारोह में बच्चे बच्चियों एवं माता-पिता के अलावा अन्य परिजनों के कपड़े नहीं लेने का निर्णय लिया गया, मुकलावा प्रथा मृत्यु भोज बंद नशा मुक्ति सहित समाज सुधार के कई निर्णय लिए गए।

'अग्निपथ' के विरोध में सत्याग्रह आज

टोंक, (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के आव्हान पर युवाओं के भविष्य के साथ मोदी सरकार के खिलवाड़ से न्याय दिलाने के लिए अग्निपथ योजना को वापस लिये जाने की मांग को लेकर केन्द्र सरकार के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी टोंक द्वारा टोंक विधानसभा में 27 जून को डाक बंगला में दोपहर 1 बजे से सांय 4 बजे तक सत्याग्रह कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। प्रवक्ता जर्रार खान ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व उप-मुख्यमंत्री व पूर्व प्रदेशाध्यक्ष टोंक विधायक सचिन पायलट, जिला प्रभारी प्रदेश सचिव महेन्द्र खेडी, विधानसभा कॉर्डिनेटर राजेश चौधरी, सभापति अली अहमद, निर्वतमान जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता, प्रधान सुनिता हंसराज फागणा, ब्लॉक अध्यक्ष रामसिंह मुकुल, शहर ब्लॉक अध्यक्ष अजीज कुरैशी आदि शिरकत करेंगे।

तहसील कार्यकारिणी घोषित

मालपुरा, (निसं)। विप्र फाउण्डेशन के राष्ट्रीय प्रभारी विमलेश शर्मा जॉन प्रथम के अध्यक्ष राजेश कर्नल व जिलाध्यक्ष अशोक शर्मा की अनुषंशा पर विप्र फाउण्डेशन मालपुरा तहसील अध्यक्ष कन्हैयालाल पीपलवा ने रविवार को तहसील की जम्बॉ कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए योगेश शर्मा गोवला को महामंत्री, राजेश पंचोली को कोषाध्यक्ष, महिला मंडल में शिक्षिका अरूण पाराशर व सात महिलाओं को शामिल करते हुए प्रवक्ता मणिशंकर रूथला सहित 70 सदस्यों व पदाधिकारियों की कार्यकारिणी घोषित की। प्रवक्ता ने बताया कि जल्द संगठन की तहसील कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जायेगा। कार्यकारिणी में संगठन के मिली जिम्मेदारियों पर पदाधिकारियो को विप्र जनों व सामाजिक संगठनों ने बधाई दी।

दांतिल में योग शक्ति कार्यक्रम शुरू

कोटपूतली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से समर्थ सशक्त अभियान के तहत विश्व योग दिवस से प्रारम्भ योग शक्ति कार्यक्रम का द्वितीय शिविर रविवार को ग्राम दांतिल के पालवाले हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित हुआ। जिसमें योगाचार्य राजेश लखेरा ने ग्रामीणों को योग व प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया। संयोजक मुकेश गोयल ने बताया कि ग्राम दांतिल में यह योग शिविर 26 से 30 जून तक चलेगा। इस दौरान रवि प्रकाश शर्मा, प्रहलाद सैनी, किशन लाल मीणा, सुरेश वैद्यजी, महेश कुमावत, अभय प्रताप, नत्थुसिंह, ताराचन्द, नवल सिंह, भरतसिंह, सुरेश सोनी, मंगल कुमावत, जितेन्द्र गुप्ता, रवि जांगिड, मक्खलाल शर्मा, रतनलाल सैनी सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 14 लाख स्वीकृत

श्रीमाधोपुर, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र श्रीमाधोपुर के विधायक दीपेंद्र सिंह शेखावत की अभिशंषा पर जिला परिषद सीकर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुरेश कुमार ने विधानसभा क्षेत्र श्रीमाधोपुर की पंचायत समिति अजीतगढ की ग्राम पंचायत टटेरा के अनुसूचित जाति मोहल्ले में सामुदायिक भवन निर्माण व पंचायत समिति श्रीमाधोपुर की ग्राम पंचायत झाडली के वार्ड नंबर 16 में स्थित भूरा की ढाणी में भी सामुदायिक भवन निर्माण हेतु सात-सात लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी है। सामुदायिक भवन निर्माण की स्वीकृत जारी होने पर इन ग्रामों के लोगों ने विधायक शेखावत का आभार व्यक्त किया है।

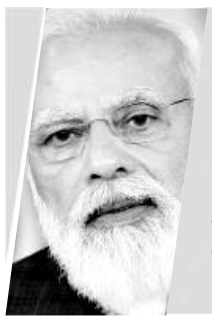

क्रिकेट से उनके संन्यास ने कई खेल प्रेमियों को भावनात्मक रूप से प्रभावित किया। मिताली ना सिर्फ असाधारण खिलाड़ी रही बल्कि कई खिलाड़ियों की प्रेरणा भी रहीं। मैं भविष्य के लिए मिताली को शुभकामनाएं देता हूं। **- नरेन्द्र मोदी**

प्रधानमंत्री, भारतीय क्रिकेटर मिताली राज के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मीराबाई चानू

भारतीय स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू राष्ट्रमंडल खेलों में प्रबल दावेदार के रूप में शुरूआत करेंगी और उनका कहना है कि इनमें उनकी प्रतिस्पर्धा किसी और से नहीं बल्कि खुद से होगी। चानू का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 207 किग्रा (88 किग्रा 119 किग्रा) का है जो नाइजीरिया की स्टेला किंग्सले से बेहतर है जो उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी है और वह अब तक 168 किग्रा (72 किग्रा 96 किग्रा) का ही वजन उग्र सकी हैं। चानू ने पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने ओलंपिक में रजत पदक, एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य और एक विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नामहै। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 33 और 123 रन बनाए।

मध्य प्रदेश ने 71 साल बाद जीती अपनी पहली रणजी ट्रॉफी

बेंगलुरू, 26 जून। अंग्रेज़ शासन काल के दौरान 1934 में शुरु हुई रणजी ट्रॉफी में मध्य प्रदेश का आगमन 1950-51 सत्र में हुआ था, और एमपी ने रविवार को 2021-22 सत्र के फाइनल मुकाबले में मुंबई को छह विकेट से हराकर 71 साल बाद अपना पहला रणजी खिताब जीत लिया।

मध्य प्रदेश ने बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हिमांशू मंत्री (37) और शुभम शर्मा (30) की बदौलत 108 रन के लक्ष्य को हासिल कर इतिहास रचा। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिये खेलने वाले रजत पाटीदार ने भी "आरसीबी, आरसीबी" के नारों के बीच बहूमूल्य 30 रन जोड़े। पाटीदार ने ही अंतिम रन बनाते हुए मध्य प्रदेश को उसका पहला रणजी खिताब जिताया।

मुंबई ने पांचवें दिन 113/2 से शुरुआत करते हुए तेजी से रन बनाये। अरमान जाफर (40 गेंदों पर 37 रन) के आउट होने के बाद क्रीज पर मौजूद सुवेद पारकर और सरफ़राज़ खान लय में दिख रहे थे, लेकिन कुमार कार्तिकेय ने पारकर को आउट कर मध्य प्रदेश के लिये दरवाजे खोल दिये। पारकर ने 58 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्का लगाकर 51 रन बनाये। मुंबई के शम्स मुलानी (17) और तुषार देशपांडे (07) रन आउट भी हुए जिसने मध्य प्रदेश के काम को आसान किया। 232 रन पर छह विकेट गंवाने के बाद मुंबई की आखिरी उम्मीद सरफ़राज़ थे, मगर वह भी सिर्फ दो चौकों और एक छक्के की मदद से 45 रन ही बना सके। मुंबई ने अपने अंतिम सात विकेट 77 रन के अंदर खोये और टीम 269 रन पर सिमट गयी।

पहली पारी में 162 रन की बढ़त हासिल करने वाली एमपी के सामने 108 रन का लक्ष्य था, जिसे उन्होंने चार विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज यश दूबे सिर्फ एक रन बनाकर पवेलियन लौट गये थे और एक समय पर लग रहा था कि मैच रोमांचक हो सकता है, मगर हिमांशू और शुभम ने दबाव में संयम दिखाते हुए 52 रन की साझेदारी की।

हिमांशू के 54 रन पर आउट होने तक एमपी ने आधा रास्ता तय कर लिया था। चौथे नंबर पर आए पार्थ साहनी सिर्फ पांच रन ही बना सके, लेकिन शुभम ने टीम पर दबाव नहीं बढ़ने दिया और पाटीदार के साथ 45 रन की साझेदारी कर अपनी टीम के लिये पहली रणजी ट्रॉफी सुनिश्चित की। पहली पारी में शतक लगाने वाले शुभम ने दूसरी पारी में एक चौके और एक छक्के के साथ 30 रन बनाये। 101 रन के स्कोर पर शुभम बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में आउट हुए जिसके बाद पाटीदार ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

हमेशा लगता था कि 23 साल पहले यहां कुछ छूट गया है : पंडित

बेंगलुरू, 26 जून। मध्य प्रदेश के मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित दो दशक से अधिक समय से दर्दनाक हार का बोझ उठाये हुए थे और रविवार को टीम के रणजी ट्राफी खिताब जीतने के बाद उनकी नम आंखों से मुंबई के ड्रेसिंग रूम की ओर सम्मान के तौर पर हाथ जोड़ने की प्रतिक्रिया को बखूबी समझा जा सकता है। रजत पाटीदार के मध्य प्रदेश के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण एक रन लेने के बाद मुख्य कोच पंडित के लिये एक चक्र पूरा हुआ जो 23 साल पहले बतौर खिलाड़ी राज्य की टीम को पहला रणजी ट्राफी खिताब जीतने की विफलता के बाद हुआ। रणजी ट्राफी जीतने के बाद थके हुए दिख रहे पंडित ने कहा, "हर ट्राफी संतुष्टि देती है लेकिन यह विशेष है। मैं 23 साल पहले मध्य प्रदेश के कप्तान के रूप में इसे नहीं दे सका था। इतने वर्षों तक मुझे हमेशा महसूस हुआ कि यहां मेरा कुछ छूट गया है। इसलिये ही मैं इसके बारे में थोड़ा ज्यादा उत्साहित और भावुक हूं। खिलाड़ी के तौर पर पंडित काफी दिल तोड़ने वाली हार देख चुके हैं जिसमें उनकी सर्वश्रेष्ठ 39 रन की पारी चेपक में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टाई हुए टेस्ट में बनना शामिल है।

भारत, लेस्टरशर का अभ्यास मैच ड्रॉ

लेस्टर, 26 जून। भारत और लेस्टरशर के बीच चार दिवसीय अभ्यास मैच रविवार को ड्रॉ में समाप्त हुआ। भारत ने चौथे दिन 364 रन बनाकर लेस्टरशर के सामने 366 रन का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में लेस्टरशर ने दिन के अंत तक चार विकेट के नुकसान पर 219 रन बनाये। इस मैच से भारत कई सकारात्मक पहलू लेकर जा सकता है। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने अभ्यास मैच की दो पारियों (33, 67) में कुल 100 रन बनाये।

सलामी बल्लेबाज़ शुभमन गिल भी लय में नज़र आये और उन्होंने लेस्टरशर की ओर से दूसरी पारी में खेलते हुए 62 रन बनाये। उन्होंने 77 गेंदों की अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाये। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज़ में खराब प्रदर्शन करने वाले रिषभ पंत ने लेस्टरशर की ओर से पहली पारी में 14 चौकों और एक छक्के की बदौलत 76 रन बनाये। श्रेयस अय्यर ने भी दूसरी पारी में 62 रन बनाकर इंग्लैंड के खिलाफ एक जुलाई को शुरू होने वाले पांचवें टेस्ट के लिये अपनी दावेदारी पेश की। ऑल राउंडर रविंद्र जडेजा दूसरी पारी में 56 रन बनाकर नाबाद रहे।

इसके अलावा शीर्ष गेंदबाज़ मोहम्मद शमी ने पहली पारी में तीन विकेट लिये, हालांकि उन्हें दूसरी पारी में कोई विकेट हासिल नहीं हुआ। जडेजा ने चार, शार्दुल ठाकुर ने तीन और मोहम्मद सिराज ने दो विकेट लिये।

भारत को एक जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ पुनर्निर्धारित पांचवां टेस्ट खेलना है। यह टेस्ट पिछले साल हुई पांच मैचों की श्रंखला का हिस्सा है, जो कई भारतीय खिलाड़ियों के कोरोना संक्रमित होने के बाद स्थगित हो गया था। भारत इस समय श्रंखला में 2-1 से आगे चल रहा है।

भारत ने 5-नेशन्स टूर्नामेंट में जीता रजत

डबलिन, 26 जून। भारतीय अंडर-23 महिला हॉकी टीम ने रविवार को यूनीफार अंडर-23 5-नेशन्स टूर्नामेंट के फाइनल में नीदरलैंड से 1-4 से हारने के बाद रजत पदक प्राप्त किया। नीदरलैंड ने आयरलैंड के यूसीडी डबलिन में हुए फाइनल मुकाबले के पहले हाफ में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। भारत ने दूसरे हाफ में वापसी का प्रयास किया, मगर डच टीम ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मैच को अपने शिकंजे में कस लिया। नीदरलैंड ने दूसरे हाफ में दो और गोल करके मैच 4-1 से जीता और 5-नेशन्स टूर्नामेंट का स्वर्ण अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में फाइनल के अलावा एक भी मैच न हारने वाली भारतीय टीम को रजत से नवाज़ा गया। इससे पहले लीग स्टेज में नीदरलैंड के साथ हुए मुकाबले में भारत ने 2-2 से ड्रॉ खेला था, जबकि आयरलैंड, यूक्रेन और अमेरिका के खिलाफ भारत ने जीत दर्ज की थी।

चेन्नई ओपन शतरंज : बोरिस सावचेंको बने चैम्पियन

चेन्नई, 26 जून। रूस के शीर्ष वरीय ग्रैंडमास्टर बोरिस सावचेंको ने रविवार को यहां 13वें चेन्नई ओपन अंतरराष्ट्रीय ग्रैंडमास्टर शतरंज टूर्नामेंट 2022 में टाई-ब्रेक के जरिए भारतीय अंतरराष्ट्रीय मास्टर नितिन सेंथिलवेल को हराकर चैंपियन बने।

सावचेंको और नितिन दोनों के 10 दौर में साढ़े आठ अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर थे। रूस के खिलाड़ी ने हालांकि बेहतर टाई-ब्रेक स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया।

नितिन नौवें दौर के बाद बढ़त बनाए हुए थे लेकिन आखिरी दौर में ग्रैंडमास्टर एलेक्सी फेडरोव (बेलारूस) के साथ मुकाबला ड्रॉ होने के बाद उनका अभियान साढ़े आठ अंक के साथ खत्म हुआ। इससे सावचेंको को तालिका में नितिन की बराबरी करने का मौका मिल गया। उन्हें आखिरी दौर के अपने मैच में अंतरराष्ट्रीय मास्टर आरण्यक घोष से कड़ी चुनौती मिली लेकिन वह भारतीय खिलाड़ी को शिकस्त देने में सफल रहे।

ग्रैंडमास्टर सावचेंको ने चेन्नई ओपन 2022 ट्रॉफी और तीन लाख रुपये का नकद पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि उपविजेता नितिन को दो लाख रुपये मिले। बेलारूस के एलेक्सी फेडरोव और भारत के एल आर श्रीहरि ने आठ-आठ अंक हासिल किए, लेकिन फेडरेव बेहतर टाई-ब्रेक स्कोर के कारण तीसरे स्थान पर रहे।

स्विस प्रारूप में खेले गए इस टूर्नामेंट में 275-खिलाड़ियों ने भाग लिया। दस दौर के इस टूर्नामेंट में 11 ग्रैंडमास्टर और 14 अंतरराष्ट्रीय मास्टर सहित 275 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

मेयर्स के शतक से वेस्टइंडीज ने हासिल की बढ़त

ग्रॉस आइलेट, 26 जून। काइल मेयर्स (126 नाबाद) के शतक और कप्तान क्रेग ब्रेथवेट (51) के अर्द्धशतक ने वेस्ट इंडीज को बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शनिवार को 106 रन की बढ़त दिलायी। पहली पारी में बांग्लादेश को 234 रन पर समेटने के बाद कैरिबियाई टीम ने पहले दिन के अंत तक बिना किसी नुकसान के 67 रन बना लिये थे। दूसरे दिन मैच को यहीं से आगे बढ़ाते हुए ब्रेथवेट और जॉन कैम्पबेल ने 100 रन की साझेदारी की। शोरिफुल इस्लाम ने 78 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 45 रन बनाने वाले कैम्पबेल को आउट कर बांग्लादेश को पहली सफलता दिलायी। कप्तान ब्रेथवेट भी अपना अर्द्धशतक पूरा करते ही 51 रन पर आउट हो गये। उन्होंने 107 गेंदों की अपनी पारी में सात चौके लगाये।

इसके फौरन बाद ही वेस्ट इंडीज ने रेमन रीफर (22) और न्क्रुमाह बोनर (0) का विकेट भी गंवा दिया, मगर काइल मेयर्स और जरमेन ब्लैकवुड ने पारी को संभालते हुए 116 रन की साझेदारी की। आउट होने से पहले ब्लैकवुड ने 121 गेंदें खेलकर छह चौकों की मदद से 40 रन बनाये और टीम के स्कोर को 248 तक पहुंचा दिया।

इसके बाद मेयर्स ने विकेटकीपर जोशुआ डा सिल्वा के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया और दिन का खेल खत्म होने तक वेस्ट इंडीज ने 340/5 रन बना लिये। इस दौरान मेयर्स ने अपना शतक भी पूरा किया। इस समय मेयर्स 180 गेंदों पर 15 चौकों और दो छक्कों की बदौलत 126 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं, जबकि डा सिल्वा 26 रन बनाकर खेल रहे हैं।

ओडिशा एफसी ने फर्नांडिज को मुंबई सिटी से ऋण पर लिया

भुवनेश्वर, 26 जून। ओडिशा एफसी ने रविवार को भारतीय मिडफील्डर रेनियर फर्नांडिज से करार की घोषणा की जो मुंबई सिटी एफसी के साथ 2020-21 सत्र में इंडियन सुपर लीग और शील्ड विजेता रह चुके हैं। मुंबई के 26 साल के खिलाड़ी को ओडिशा एफसी ने एक सत्र के लिये मुंबई सिटी एफसी से ऋण पर लिया है जिसकी ओर से वह तीन सत्र खेल चुके हैं। इसकी जानकारी क्लब ने एक बयान में दी।

फर्नांडिज ने अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण थाईलैंड में 2019 किंग्स कप में किया था। भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिये टीम में शामिल किया था और उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ टीम में भी चुना गया था। एयर इंडिया से अपना फुटबॉल करियर शुरू करने वाले फर्नांडिज ने संतोष ट्राफी में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया था।

रोहित हुआ कोरोना संक्रमित

लेस्टर, 26 जून। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा कोरोना संक्रमित हो गए हैं। बीसीसीआई ने रविवार को यह जानकारी दी। बीसीसीआई ने ट्वीट किया, "भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा का शनिवार को रैपिड एंटी-जेन टेस्ट हुआ जिसमें वह कोरोना संक्रमित पाए गए हैं।" रोहित शर्मा एक जुलाई से होने वाले पांचवें पुनर्निर्धारित टेस्ट के लिये भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड गये हैं। ट्वीट में कहा गया, "वह इस समय टीम होटल में बीसीसीआई चिकित्सक दल की निगरानी में हैं।" रोहित ने भारत और लेस्टरशर के बीच खेले जा रहे अभ्यास मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी भी नहीं की। उन्होंने पहली पारी में 25 रन बनाये थे। उल्लेखनीय है कि भारत के उपकप्तान केएल राहुल चोटिल होने के कारण इंग्लैंड दौरे पर नहीं जा सके थे। यदि रोहित एक जुलाई से शुरू होने वाले टेस्ट मैच से पहले स्वस्थ नहीं हो पाते, तो भारतीय टीम को इस एक मैच के लिए नया कप्तान चुनना होगा।

अच्छी टीमों के साथ पिच पर समय बिताना जरूरी : थॉमस डेनर्बी

नयी दिल्ली, 26 जून। भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम के हेड कोच थॉमस डेनर्बी ने मेक्सिको के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले से पहले कहा कि टीम को अपने खेल में सुधार करने के लिये अच्छी टीमों के खिलाफ पिच पर समय बिताने की जरूरत है। भारत की अंडर-17 लड़कियां वर्तमान में छठे टोरनेओ महिला फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग ले रही हैं जहां वे पहले ही इटली और चिली का सामना कर चुकी हैं, और रविवार, 26 जून को इटली के विलेसे में मैक्सिको से भिड़ेंगी।

डेनर्बी ने कहा, "समय हमारे लिए महत्वपूर्ण है। जितना अधिक हम इस स्तर पर खेलते हैं उतना ही हम एक टीम के रूप में बेहतर होते हैं। उम्मीद है कि हम निरंतर सुधार के साथ इन मैचों को संभालना शुरू कर सकते हैं, लेकिन पहले सबसे बढ़कर, हमें मेक्सिको के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है।"

भारत को इस सप्ताह इटली और चिली जैसे श्रेष्ठ विरोधियों के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन डेनर्बी का मानना है कि एक टीम के रूप में प्रदर्शन करके ऐसी बाधाओं को दूर किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, "लड़कियां लड़ रही हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अगर आप हमारी टीम की तुलना दूसरों से करते हैं, तो वे तकनीक में हमसे थोड़ी बेहतर हैं। वे थोड़े मजबूत हैं, थोड़े तेज हैं, इसलिए हमें एक टीम के रूप में इन मुकाबलों को खेलने की जरूरत है, न कि व्यक्तियों पर भरोसा करने की। उम्मीद है कि हम एक साथ अच्छा खेल कर अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।"

62 वर्षीय डेनर्बी ने कहा कि वह अपनी टीम को गोल स्कोरिंग क्षेत्र में सुधार करते हुए देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, "जब हम इस स्तर की टीमों के साथ खेलते हैं, तो हमें अपने पास मौजूद गोल करने के अवसरों का उपयोग करने की आवश्यकता होती है। अगर हम ऐसा करते हैं, तो हम अच्छी स्थिति में होंगे। केवल एक चीज जो हम कर सकते हैं वह है कोशिश करना। हमें चिली के मुकाबले बेहतर खेल की जरूरत है।"

200 मीटर में तीसरी सबसे तेज भारतीय महिला बनी धनलक्ष्मी, हासिल किया स्वर्ण पदक

अल्माटी, 26 जून। शीर्ष फर्राटा धाविका सेकर धनलक्ष्मी ने कोसानोव स्मारक एथलेटिक्स मीट में रविवार को यहां 200 मीटर स्पर्धा में अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया , जबकि गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर और भाला फेंक खिलाड़ी रोहित यादव बिना प्रतिस्पर्धा किए भारत लौट आए।

धनलक्ष्मी ने 22.89 सेकंड का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ समय निकाला और वह 23 सेकंड से कम समय लेने वाली तीसरी भारतीय खिलाड़ी बन गयी। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल 23.14 सेकेंड का था। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में चेन्नई में राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में 23.27 सेकेंड के समय के साथ 200 मीटर का स्वर्ण जीता था।

अंडर-23 टूर्नामेंट के अंतिम मुकाबले में अमेरिका ने भारत को 4-1 से हराया

हेलसिंगबोर्ग, 26 जून। भारतीय महिला अंडर-23 टीम को तीन देशों के बीच खेले जा रहे 3-नेशन्स टूर्नामेंट के आखिरी मुकाबले में अमेरिका के हाथों 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

स्वीडन के हेलसिंगबोर्ग के लैरोड्स आईपी में शनिवार को हुए मुकाबले में भारत ने शानदार शुरुआत करते हुए आठवें मिनट में ही 1-0 की बढ़त हासिल की, लेकिन इसके बाद टीम के हाथ से मैच निकलता गया। अमेरिका ने पहले हाफ के अंत तक 1-1 से बराबरी कर ली, और दूसरे हाफ में आक्रामक खेल दिखाते हुए तीन और गोल दागकर 4-1 से मैच अपनी झोली में डाल लिया। भारत का एकलौता गोल प्यारी शाशा ने किया। अमेरिका की ओर से पहले मेसियाह ब्राइट ने गोल कर मैच को 1-1 पर ला खड़ा किया, जिसके बाद जेना निस्वोंगर ने फ्री किक को गोल में तब्दील कर अपनी टीम को 2-1 की लीड दिलायी।

क्लीन स्वीप से 113 रन दूर इंग्लैंड

लीड्स, 26 जून। इंग्लैंड ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट में 296 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन के अंत तक रविवार को 183 रन बना लिये। सीरीज़ में 2-0 से आगे चल रही इंग्लैंड को अब न्यूजीलैंड को क्लीन स्वीप के लिये 113 रन की आवश्यकता है। चौथे दिन 168/5 से न्यूज़ीलैंड की पारी को आगे बढ़ाते हुए डैरिल मिशेल और टॉम ब्लंडेल ने 113 रन की साझेदारी की। मिशेल ने 152 गेंद पर नौ चौकों की मदद से 56 रन बनाये। वह तीन मैचों की इस सीरीज़ में 107.60 की औसत से 538 रन बनाकर सर्वश्रेष्ठ कीवी बल्लेबाज रहे हैं।

मिशेल के आउट होने के बाद ब्लंडेल ने न्यूज़ीलैंड की पारी को आगे बढ़ाया और वह 88 रन बनाकर नाबाद रहे, मगर जैक लीच ने दूसरे छोर से पुछल्ले बल्लेबाजों को तेजी से निपटाया और न्यूज़ीलैंड 326 रन पर ऑल-आउट हो गयी। लीच ने दोनों पारियों में पांच-पांच विकेट सहित मैच में कुल 10 विकेट लिये। यह टेस्ट क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। लीच के अलावा मैथ्यू पॉट्स ने तीन जबकि जेमी ओवरटन और जो रूट ने एक-एक विकेट लिया। इंग्लैंड ने 296 रन का पीछा करते हुए दोनों सलामी बल्लेबाज़ों को जल्दी खो दिया।

रूस, बेलारूस के खिलाड़ियों और रैंकिंग के बिना खेले जाने वाले विंबलडन में सेरेना की वापसी

विंबलडन, 26 जून। शीर्ष रैंकिंग के पुरुष टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव सोमवार से शुरू हो रहे विम्बलडन टूर्नामेंट अपने खेल कौशल का प्रदर्शन नहीं कर पायेंगे क्योंकि यूक्रेन के खिलाफ जंग छेड़ने के कारण मेजबान ऑल इंग्लैंड क्लब ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऑल इंग्लैंड के इस कदम के कारण पेशेवर टेनिस का संचालन करने वाले एटीपी और डब्ल्यूटीए ने घास के कोर्ट पर खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट से रैंकिंग अंकों को खत्म कर दिया है। इन सब के बावजूद टूर्नामेंट से सेरेना विलियम्स को महिला एकल में एक साल के बाद वापसी का मंच मिलेगा। कई बड़े खिलाड़ियों ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित करने के फैसले की आलोचना की है। दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा ने कहा, यह गलत कदम है । इसमें खिलाड़ी क्या कर सकते है, क्या वे अपना देश छोड़ दे?"पुरुषों में तीन बार के गत चैम्पियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा, " इसमें क्या सही है और क्या गलत यह कहना काफी मुश्किल है। 90 के दशक में जब मैं बच्चा था तब मैंने युद्ध को करीब से देखा है। मैं यूक्रेन के लोगों का दर्द समझ सकता हूं।" सर्बिया के 35 साल के इस खिलाड़ी ने कहा, " इन सब के बावजूद मैं रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों के प्रतिबंधित करने के फैसले से सहमत नहीं हो सकता हूं।" कुछ अन्य खिलाड़ियों के लिए हालांकि यह अलग तरह की सतह पर अपने कौशल के प्रदर्शन के साथ बड़ी पुरस्कार राशि जीतने के मौके की तरह है। अमेरिका के 24वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो ने कहा, इस बात को पचा पाना मुश्किल है कि यहां कोई रैंकिंग अंक नहीं होगा। लेकिन मैं यहां चीजों को हल्के में नहीं लूंगा।" मौजूदा महिला चैंपियन ऐश बार्टी मार्च में 25 साल की उम्र में संन्यास ले चुकी है। आठ बार के पुरुष चैंपियन रोजर फेडरर घुटने के ऑपरेशन के बाद खेल में वापसी नहीं कर सके हैं। उन्होंने पिछले साल के विंबलडन के बाद से किसी भी टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया है। रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज अलेक्जेंडर ज्वेरेव फ्रेंच ओपन में अपने दाहिने टखने में चोट के कारण खेल से दूर है। दिग्गज सेरेना विलियम्स को वाइल्ड कार्ड मिलने से हालांकि टूर्नामेंट में थोड़ी रौनक होगी। तेइस बार की गैंडस्लैम विजेता सेरेना ने विंबलडन में सात बार एकल खिताब अपने नाम किया है। रिकॉर्ड 22 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले राफेल नडाल ने अपने पसंदीदा फ्रेंच ओपन खिताब को 14वीं बार हासिल करने के बाद विम्बलडन में भी अपनी रिकॉर्ड को सुधारना चाहेंगे। चोट से जूझने के बाद भी लगातार अच्छा खेलने वाले स्पेन के 36 साल के खिलाड़ी ने कहा, " मैं बिना किसी परेशानी के चल पा रहा हूं। मेरे लिए यही मुख्य मुद्दा है। जब मैं सो कर उठ रहा हूं तो पहले की तरह दर्द महसूस नहीं कर रहा हूं।" फ्रेंच ओपन की महिला एकल चैम्पियन इगा स्वियातेक लगातार 35 मैचों से चली आ रहे जीत के सिलसिले को और लंबा खींचना चाहेगी।

अदिति अशोक केपीएमजी चैम्पियनशिप में 47वें स्थान पर

बेथेस्डा (अमेरिका), 26 जून। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने यहां महिला पीजीए चैंपियनशिप के तीसरे दौर के आखिरी नौ होल में वापसी करते हुए तीन बर्डी लगाकरपार 72 का स्कोर बनाया। बेंगलुरु की इस खिलाड़ी का कुल स्कोर अब तीन ओवर है, जिससे वह संयुक्त रूप से 47वें स्थान पर है। भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा मेजर टूर्नामेंट खेलने वाली अदिति ने इस सत्र में अब तक औसत प्रदर्शन किया है। वह सत्र के एलपीजीए मेरिट सूची में 80वें स्थान पर हैं।

साढ़े तीन बजे से नहीं शुरू होगा भारत-इंग्लैंड का टेस्ट

फैंस के लिए किया समय में बदलाव

लंदन, 26 जून। इंग्लैंड और भारत के बीच रिशेड्यूल टेस्ट सीरीज का 5वां और आखिरी मैच 1 जुलाई से खेला जाना है। पिछले साल कोरोना की वजह से चार मैच के बाद यह सीरीज स्थगित कर दी गई थी। अब दोनों टीमें इस मुकाबले के लिए तैयार हैं। भारतीय टीम इंग्लैंड पहुंच चुकी है और लीसेस्टरशायर के खिलाफ अभ्यास मैच खेल रही है। इसके बाद टीम बर्मिंघम जाएगी। जहां यह टेस्ट मैच खेला जाना है।

इंग्लैंड में कोई भी टेस्ट मैच भारतीय समय अनुसार शाम 3 बजकर 30 मिनट पर शुरू होता है। इंग्लैंड में उस समय 11 बज रहे होते हैं, लेकिन डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत और इंग्लैंड का टेस्ट मैच आधे घंटे पहले शुरू हो जाएगा। यानी भारत में यह मैच 3 बजे से ही लाइव दिखेगा। मैच की समाप्ति का समय 10 बजे होगा, जिसे आधे घंटे बढ़ाया जा सकता है। टीम को एक दिन में 90 ओवर फेंकने होते हैं।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय फैंस को देखते हुए यह फैसला किया है। लेकिन टी20 मैच की टाइमिंग में कोई बदलाव होने की रिपोर्ट नहीं है। तीन मैच की टी20 सीरीज के दो मैच भारतीय समय अनुसार रात 11 बजे शुरू होंगे। भारत में कोई भी टेस्ट मैच सुबह 9.30 मिनट पर शुरू होता है, लेकिन इंग्लैंड में ओस होने की वजह से मुकाबले की शुरुआत देरी से होती है।

उमरान मलिक ने भारत के लिए किया टी-20 डेब्यू, आयरलैंड के खिलाफ मिला मौका

डब्लिन, 26 जून। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 में जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज उमरान मलिक भारत के लिए अपना डेब्यू कर रहे हैं। उमरान को आयरलैंड दौरे पर टीम इंडिया में शामिल किया गया है। इससे पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की घरेलू सीरीज में भी वह स्क्वाड में शामिल थे लेकिन उन्हें प्लेइंग इलेवन में खेलने का मौका नहीं मिला था। उमरान ने हाल ही समाप्त हुए इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शानदार प्रदर्शन कर अपनी तेज गति की गेंदबाजी से प्रभावित किया था। बारिश के कारण यह मैच 12-12 ओवर का खेला जायेगा।

मंगोलिया के पश्चिम में गोबी रेगिस्तान में कभी एक फलता-फूलता समृद्ध साम्राज्य था। धार्मिक शिक्षा, कला और व्यापार का केन्द्र रहे इस साम्राज्य के अब सिर्फ अवशेष बचे हैं। खारा खोटो (मंगोलियन भाषा में ब्लैक सिटी) की स्थापना 1032 ईस्वी में हुई थी। यह पश्चिमी शिया राजवंश (1038-1227) की राजधानी था। जल्दी ही यह एक प्रमुख व्यापारिक केन्द्र बन गया। सन् 1226 ईस्वी में इस पर चंगेज़ खान ने कब्ज़ा कर लिया पर उसने इस शहर को तहस नहस नहीं किया, जैसे कि चंगेज़ खान की सेना आमतौर पर अन्य शहरों के साथ करती थी। उल्टे यह शहर मंगोल शासन काल में खूब फला फूला। चंगेज़ खान के पोते, कुबलई खान के समय में यह शहर अपने मूल आकार से तीन गुना बढ़ गया था। मार्को पोलो ने अपने यात्रा वृतांत में "एट्ज़ीना" के नाम से इस शहर का जिक्र किया था। मंगोलों के शासन में स्थानीय टैंगूट लोग 10 सालों तक शांति से रहे। फिर 1372 ईस्वी में मिंग साम्राज्य ने इस पर कब्ज़ा कर लिया। किसी को भी नहीं पता कि इस शहर का पतन क्यों हुआ। स्थानीय कहानियों के अनुसार चालाक मिंग राजाओं ने शहर में पानी के एकमात्र स्रोत, एजिन नदी का मार्ग बदल दिया। यह नदी खारा खोटो शहर के बाहर से बहती थी। इसके बाद मिंग राजाओं की फौज ने शहर को घेर लिया। जनता के पास दो ही विकल्प थे, या तो प्यासे मर जाएं या सैनिकों से लड़ें। कहते हैं कि, मंगोल सेनापति खारा बातोर इस स्थिति से इतना त्रस्त हो गया कि, अपनी पत्नी और बच्चों की हत्या करके उसने आत्महत्या कर ली। एक अन्य कहानी है कि, सेनापति खारा बातोर शहर की चार दीवारी के उत्तरी पश्चिमी कोने को तोड़कर भाग गया। मिंग सैनिकों ने ना केवल शहर के सभी लोगों को मार डाला बल्कि मवेशियों और घोड़ों को भी काट दिया। इसके बाद खारा खोटो उजड़ गया। बीसवीं सदी के आरंभ में रुसी खोजी यात्री, प्योत्र कुज़मिक कोज़लोव के नेतृत्व में हुई मंगोल शिचुआन खोज यात्रा में शहर का पता चला। इस खोज के दौरान टैंगूट भाषा की 2000 किताबें और पांडुलिपियां, तथा एक स्तूप में बौद्ध धर्म की मूर्तियां और लकड़ी की कलाकृतियां मिलीं। यह सारा खजाना सेंट पीटर्सबर्ग भेज दिया गया। बाद में हुई खोजों में कई किताबें रोजमर्रा की वस्तुएं, धार्मिक कलाकृतियां आदि भी मिलीं।

'प्रधानमंत्री अब फौजियों को नो रैंक नो पैंशन का संदेश दे रहे हैं'

कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि, अग्निपथ योजना के विरोध में राजस्थान के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विधायकों की मौजूदगी में होगा धरना प्रदर्शन

जयपुर, 26 जून (का.प्र.)। कांग्रेस अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग करते हुए 27 जून को पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करने जा रही है और राजस्थान में भी सभी विधानसभा क्षेत्रों में विधायक/विधायक प्रत्याशी और प्रमुख नेताओं के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन और सभाओं का आयोजन होगा।

इससे पहले रविवार को अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग करते राज्यसभा सांसद और कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने केन्द्र की अग्निपथ स्कीम में रजिस्ट्रेशन के मुद्दे पर कहा कि देश के नौजवान इसमें रजिस्ट्रेशन कराएं, हमें कोई ऐतराज नहीं है। हम देश के युवा की आवाज उठा रहे हैं। युवा स्वतंत्र है। जिसको लगता है कि, केन्द्र सरकार की अग्निवीर स्कीम में रजिस्ट्रेशन कराएं तो हमें कोई ऐतराज नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा कि शांति पूर्ण विरोध करें। केंद्र सरकार को भी कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए कि कोई शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात कहे। सरकार को भी संयम और बड़ा दिल रखना चाहिए।

हुड्डा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने संयुक्त रूप से

- **उन्होंने कहा कि, कांग्रेस पूरे देश भर में सभी विधानसभा क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन करेगी।**

संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बहुत से नौजवान इस स्कीम में अपना रजिस्ट्रेशन करवाएंगे। देश में बेरोजगारी का यह आलम है कि बहुत से नौजवान स्वाभाविक तौर पर रजिस्ट्रेशन करवाएंगे। देश में कहीं कोई चपरासी की पोस्ट भी निकलती है, तो पी.एच.डी. तक योग्यता वाले युवा उसमें आवेदन करते हैं। केन्द्र सरकार की आर्थिक नीतियों और सत्ता के कारण देश के युवाओं की ये हालात हैं। ऐसे में उस बात से सरकार को स्कीम की सफलता का अंदाजा नहीं लगाना चाहिए।

हुड्डा ने कहा केन्द्र सरकार देश के किसी भी छोटे गांव-कस्बे में चली जाए। हम निमंत्रण देते हैं राजस्थान में भी केन्द्र सरकार आए। मोदी अपना हेलिकॉप्टर सुबह 5-6 बजे उतार दें। राजस्थान हरियाणा में प्रैक्टिस करने वाले युवाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया होगा। उनसे पूछ लें क्या यह योजना ठीक है। इससे वो संतुष्ट हैं या नहीं हैं?

हुड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार सेना में पेंशन रोकने के लिए अग्निपथ स्कीम लाई है। हरियाणा में रेवाड़ी की वीर भूमि से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वन रैंक, वन पेंशन का नारा दिया, लेकिन अब दिल्ली से नो रैंक नो पेंशन का संदेश फौजियों में दिया है, जो नैगेटिव है। एन.डी.ए. सरकार के रक्षा बजट में पिछले 5 साल में बड़ी कटौती हुई है। साल 2017-18 में रक्षा बजट 17.8 फीसदी था। 2020-21 में यह घटकर 13.9 फीसदी रह गया। इतनी भारी गिरावट तब हुई है, जब चीन हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। कई-कई किलोमीटर अंदर तक चीन की फौज चली गई। जब सरकार और फौज ने खुद देश के सामने यथास्थिति रखी हो। जब पाकिस्तान और चीन दोनों एक होकर टू फ्रंट वॉर की बात करते हों, ऐसे समय में रक्षा बजट में भारी कटौती कौन सी देशभक्ति है।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि केन्द्र की अग्निपथ स्कीम में अग्निवीर सैनिकों की भर्ती रोकने और रोल बैक की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी देशभर में 27 जून को धरने प्रदर्शन करेगी। राजस्थान में भी सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक धरना दिया जाएगा। कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे देश में कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता धरना देंगे। नौजवान के हक, राष्ट्र सुरक्षा के हित, देश की फौज को कमजोर नहीं होने देने को लेकर यह धरना होगा। राजस्थान में कांग्रेस ने इसकी बहुत जबरदस्त तैयारी की है। राजस्थान के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस धरने-प्रदर्शन करेगी।

सपा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मशीनरी का दुरुपयोग करके रामपुर की जनता की जीत को हार में बदल दिया। उन्होंने रामपुर में भाजपा प्रत्याशी की जीत को लोकतंत्र की हार करार देते हुए कहा "बहुत अच्छी बात है, वह (भाजपा) जीत गए, लेकिन यह जीत नहीं है उनकी। इसी तरह तो उन्होंने उत्तर प्रदेश की सरकार भी बना ली है और मैं शर्म व एहसास दिलाना चाहूंगा उन तमाम ताकतों को, जो लोकतंत्र को कमजोर कर रही हैं।"

शिवसेना के बागी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को सुनवाई होगी। इस याचिका में शिंदे की जगह अजय चौधरी को सदन में शिवसेना के विधायक नेता के रूप में नियुक्त करने को भी चुनौती दी गई है।

इस बीच महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि, 20 मई को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे को फोन किया और उनसे मुख्यमंत्री बनने के लिए कहा। उस समय उन्होंने ड्रामा किया और रोने लगे। ठीक एक महीने बाद उन्होंने विद्रोह कर दिया। शिंदे गुट ने जो किया, वह विद्रोह नहीं है, यह अलगाववाद है। उन्होंने यह सब करने के लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की तबीयत का अनुचित फायदा उठाया।

उधर एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि हमारी पार्टी का पूरा समर्थन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ है। मैं कल राष्ट्रपति चुनाव के लिए यशवंत सिन्हा के नामांकन के लिए दिल्ली आया हूं। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे और उनके साथ गुवाहाटी गए अन्य विधायकों ने एक नया गठबंधन बनाने के लिए कहा है, लेकिन एन.सी.पी. और कांग्रेस की नीति हमारे द्वारा बनाई गई गठबंधन सरकार का समर्थन करने के लिए स्पष्ट है। महाराष्ट्र में एम.वी.ए. सरकार है और हम इसका समर्थन जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे और अन्य विधायक सरकार में राकांपा के साथ थे। पिछले 2.5 वर्षों में उन्हें कोई समस्या नहीं हुई। आज ही क्यों हो रही है? यह सिर्फ एक बहाना है। हम अंतिम समय तक मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का समर्थन करेंगे।

गुवाहाटी में एकनाथ शिंदे ने शिवसेना के बागी सभी विधायकों को आश्वासन दिया है कि सभी विधायक परिवारों को केंद्रीय सुरक्षा दी जाएगी। सुरक्षित मुंबई कैसे पहुंचे, अगले 2 दिनों में सरकार बनाने का दावा पेश करने और कानूनी पहलुओं पर भी हुई चर्चा। इस बीच महाराष्ट्र के भंडारा विधायक नरेंद्र भोंडेकर का जन्मदिन गुवाहाटी के रैडिसन ब्लू होटल में शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे और अन्य विधायकों की मौजूदगी में मनाया गया।

शिवसेना के वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने बताया कि शिवसेना द्वारा 16 विधायकों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की गई है, संविधान में प्रावधान के तहत जो कहता है कि यदि कोई व्यक्ति किसी पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है तो वह अयोग्यता के लिए पात्र है। शिवसेना द्वारा अलग-अलग समय पर कई बैठकें बुलाई गईं, जिनमें से किसी ने भी भाग नहीं लिया। भाजपा शासित राज्यों का दौरा करना, भाजपा नेताओं से मिलना और सरकार गिराने का प्रयास करना विद्रोहियों द्वारा उल्लंघन के समान है।

उन्होंने कहा कि दो तिहाई की अवधारणा केवल विलय होने पर ही लागू होती है। जब तक विधायक किसी अन्य पार्टी में विलय नहीं करते, अयोग्यता लागू होती है। आज तक विलय नहीं हुआ, उन्होंने स्वेच्छा से सदस्यता छोड़ी है।

'लोकसभा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का कहना है कि संगरूर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में उन्हें जीत मिली है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के लिए यह जीत काफी अहम है।

प्रदेश में पिछले छह दिनों से रोज सौ से अधिक नए करोना संक्रमित मिले रहे हैं

राज्य में रविवार को 161 नए संक्रमित मिले, इससे पहले शनिवार को 122 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 26 जून। प्रदेश में पिछले छह दिनों से नए करोना संक्रमितों की संख्या सौ से ऊपर बनी हुई है। इस दौरान राज्य में रविवार को भी थोड़ी और वृद्धि के बाद 161 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर साढ़े आठ सौ के पार हो गए हैं।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। इसके चलते रविवार को 13 जिलों में 161 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 122 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में भी पिछले चौबीस घंटों में नए संक्रमितों की संख्या में लगभग दोगुना वृद्धि हुई है। इस दौरान जिले में 66 नए मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा जोधपुर में 24, बीकानेर में 22, अलवर में 12, अजमेर में 10, नागौर में 7, भीलवाड़ा, उदयपुर में 6-6, चूरू में 3, झालावाड़ में 2, बांसवाड़ा, जालौर, चितौड़गढ़ में 1-1 नए संक्रमित मिला है। हालांकि इस बीच 20 जिलों बारां, बाड़मेर, भरतपुर, बूंदी, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। प्रदेश में रविवार को नए संक्रमितों के मुकाबले में रिकवरी कम हुई है। इस दौरान 12 जिलों में 125 संक्रमित ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 858 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 328 मामले जयपुर में है। इधर राहत की बात यह रही कि रविवार को करोना से राज्य में किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि, प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9563 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

- **राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा 66 नए संक्रमित सामने आए हैं। इनमें मालवीय नगर में 9, जगतपुरा में 8 जबकि मानसरोवर व वैशाली में 6-6 मरीज मिले हैं।**
- **प्रदेश में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर साढ़े आठ सौ से अधिक हो गए हैं।**

राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 26 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 9 नए संक्रमित मालवीय नगर में पाए गए हैं। इसके अलावा जगतपुरा में 8, वैशाली नगर व मानसरोवर में 6-6, सिविल लाइंस व सांगानेर में 5-5, दुर्गापुरा में 4, जवाहर नगर में 3, सोडाला व गोविंद नगर में 2-2, ब्रह्मपुरी, तिलक नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, बाइस गोदाम, निर्माण नगर, राजापार्क, लालकोठी, आदर्श नगर, अजमेर रोड, बजाज नगर, बनीपार्क, बापू नगर, बैनाड़ रोड, सी-स्कीम व शास्त्री नगर इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं एक संक्रमित का पता सही नही होने पर उसे ट्रेस किया जा रहा है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 64 रोगी ठीक हुए हैं।

अग्निपथ के खिलाफ कांग्रेस ने 20 राज्यों में प्रैस कॉन्फ्रेंस की

कांग्रेस प्रवक्ता शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि, सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन करेंगे

नई दिल्ली, 26 जून (वार्ता)। कांग्रेस ने अग्निपथ योजना को देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक बताते हुए इसे युवकों के साथ धोखा करार दिया और कहा कि यह फैसला सेना का नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी सरकार के जनविरोधी रवैया का परिणाम है।

कांग्रेस प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिल रविवार को यहाँ पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस इस फैसले का कड़ा विरोध कर देशभर में युवाओं को बता रही है कि सरकार उनके साथ धोखा कर रही है। देश के 20 राज्यों की राजधानियों में आज एक साथ संवाददाता सम्मेलन कर सरकार की इस नीति के खिलाफ युवाओं को जागृत किया जा रहा है और पार्टी प्रवक्ता प्रेस कॉन्फ्रेंस कर युवाओं को

- **गोहिल ने कहा कि, अग्निपथ योजना सेना का फैसला नहीं है। यह जबरदस्ती सेना पर थोंपा गया है।**

जगाने का काम कर रहे है और इसी क्रम में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता देश के हर विधानसभा क्षेत्र में अग्निपथ योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे।

प्रवक्ता ने कहा की अग्निपथ योजना सेना का फैसला नहीं है, यदि सेना यह निर्णय लेती तो दो साल से चल रही सेना में भर्ती की प्रक्रिया पहले ही रोक दी जाती और युवाओं को नई योजना के तहत सेना में शामिल होने के लिए कहा जाता।

सेना युवकों के साथ धोखा नहीं कर सकती है इसलिए सरकार ने जब देखा कि पूरे देश में इस योजना का विरोध हो रहा है तो उसने सारा जिम्मा सेना पर थोप दिया।

उन्होंने कहा कि पूर्व सी.डी.एस. जनरल बिपिन रावत ने भी कहा था कि सेना में अनुभव महत्वपूर्ण होता है इसलिए एक सैनिक को 58 साल की उम्र में सेवानिवृत्त किया जाना चाहिए लेकिन मोदी सरकार अपने ही द्वारा नियुक्त सी.डी.एस. की भावना के खिलाफ निर्णय ले रही है।

राहुल गांधी ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होगा कि सचिन पायलट अपने ऊपर हुए इस हमले का जवाब देते हैं या फिर हमेशा की तरह चुप्पी साध कर धैर्य का परिचय देते हैं।

यहां राजनीतिक जानकारों का कहना है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राहुल गांधी से ई.डी. की पूछता समाप्त होने के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय में हुई राहुल गांधी की सभा से पहले ही जयपुर लौट आए थे, जबकि उस दिन पूरे देश के सांसद विधायकों सहित प्रमुख नेताओं को वहां मौजूद रहना था।

इतना ही नहीं इस कार्यक्रम के लिए विशेष तौर पर मुख्यमंत्री एक दिन पहले ही रात को जोधपुर से दिल्ली गए थे। उस घटनाक्रम से पहले ऐसा क्या हुआ कि लगातार चार दिन दिल्ली में सक्रिय रहने वाले मुख्यमंत्री राहुल गांधी का भाषण सुने बिना ही जयपुर लौट आए। उनके लौटने के बाद उसी सभा में राहुल गांधी ने धैर्य की बात करते हुए सचिन पायलट का उदाहरण भी दिया।

ऐसे में शनिवार को सीकर में मुख्यमंत्री ने जिस तरह से सचिन पायलट का नाम लेकर आरोप लगाया है, उसे लेकर कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने सचिन पायलट के धैर्य को तोड़ने के लिए तथा राहुल गांधी को गलत साबित करने के लिए ही इस तरह का बयान दिया है।

अब 27 जून को जब सचिन पायलट राजस्थान में अपनी विधानसभा क्षेत्र में होंगे, तो देखना यह होगा कि वे किस भाषा में मुख्यमंत्री की ओर से लगाए गए आरोपों का जवाब देते हैं या फिर राहुल गांधी को सही साबित करते हुए एक बार फिर धैर्य रखते हैं। हालांकि इस बार यह काम इसलिए मुश्किल हो सकता है कि पहली बार नाम लेकर उन्हें मुख्यमंत्री की ओर से आरोपी बताया गया है तो वहीं मुख्यमंत्री के नजदीकी नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल की ओर से उस बयान का समर्थन किया गया है।

इसका मतलब यह भी हो सकता है कि मुख्यमंत्री खेमा इस लड़ाई को खत्म करने के मूड में नहीं है।

2.35 लाख आयकर दाता किसान उठा रहे हैं किसान सम्मान निधि

नई दिल्ली, 26 जून। उत्तर प्रदेश में किसानों की इनकम टैक्स रिटर्न की जांच में पता चला है कि, करीब 2.35 लाख किसान सरकार को धोखा देकर फर्जी तरीके से किसान सम्मान निधि उठा रहे हैं। ये किसान आई.टी.आर. चुकाने वाले हैं मगर मुफ्त के सरकारी छह हजार रुपये सालाना मिल रहे हैं तो छोड़े क्यों जाएं। इसी लोभ ने प्रदेश के 2 लाख 35 हजार किसानों को दागी बना दिया।

वित्तीय वर्ष 2017-18 और 2018-19 के आयकर रिटर्न खंगाले गए तो उत्तर प्रदेश से अब तक कुल 2 लाख 35 हजार किसान ऐसे मिले जिन्होंने इन्कम टैक्स अदा किया और किसान सम्मान निधि भी हासिल की। ऐसा तब किया गया जबकि किसान सम्मान निधि के नियम व शर्तों में यह स्पष्ट किया गया है कि किसान सम्मान निधि उसी किसान को मिलेगी जो भारत का नागरिक होगा, जिसकी खेती होगी और जो आयकरदाता नहीं होगा। अब इन सभी को किसान सम्मान निधि योजना में अपात्र मानते हुए इनसे निधि की अब तक प्राप्त की गई सारी राशि वसूली जा रही है। इन्हें नोटिस जारी किए गए हैं।

'भारत चौथी औद्योगिक क्रांति का भरपूर लाभ उठायेगा'

- **म्यूनिख (जर्मनी) में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्र.मंत्री मोदी ने एमरजेंसी के दिनों को याद करते हुए कहा कि, भारतीय लोकतंत्र हर आपदा पर विजय पाता है।**

म्यूनिख, 26 जून। जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जर्मनी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय समुदाय को संबोधित किया। यहां भारतीयों ने उनका जोरदार स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने म्यूनिख में प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा, "आज 26 जून है जो उस दिन के लिए भी जाना जाता है जब भारत का लोकतंत्र, जो हर भारतीय के डी.एन.ए. में है उसे 47 साल पहले कुचला और दबा दिया गया था। आपातकाल भारत के लोकतंत्र के जीवंत इतिहास पर एक काला धब्बा था।"

जर्मनी के म्यूनिख में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछली शताब्दी में, जर्मनी और अन्य देशों ने औद्योगिक क्रांति से लाभ उठाया। भारत उस समय गुलाम था इसलिए लाभ नहीं उठा सकता था। लेकिन अब चौथी औद्योगिक क्रांति में भारत भी पीछे नहीं रहेगा, अब यह दुनिया में अग्रणी है। मोदी ने कहा कि आज हमारे देश का हर गांव खुले में शौच मुक्त है, बिजली है और 99 गांवों में भी खाना पकाने का स्वच्छ ईंधन है। भारत पिछले 2 साल से 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त राशन मुहैया करा रहा है। भारत में अब हमारे पास हर 10 दिन में एक बिलियन डॉलर से बड़े स्टार्टप खड़ा हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम भारतीयों को अपने लोकतंत्र पर गर्व है। आज हम गर्व से कह सकते हैं कि भारत लोकतंत्र की जननी है। संस्कृति, भोजन, कपड़े, संगीत और परंपराओं की विविधता हमारे लोकतंत्र को जीवंत बनाती है। मोदी ने कहा कि भारत ने दिखाया है कि लोकतंत्र परिणाम दे सकता है और दिया भी है। भारत में जलवायु परिवर्तन सिर्फ नीतियों का मामला नहीं है। सतत जलवायु आचरण भारत के लोगों के जीवन का एक हिस्सा बन गया हैं। हमने देश में 10 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए हैं। अब लोग देश को स्वच्छ रखना अपना कर्तव्य समझते हैं।

'असम से यहां 40 विधायकों के सिर्फ शव लौटेंगे'

शिवसेना सांसद संजय राउत ने बागी विधायकों के खिलाफ यह बयान दिया और कहा कि, उनके शवों को हम पोस्टमार्टम के लिए विधानसभा भेजेंगे

मुंबई, 26 जून। शिवसेना सांसद संजय राउत ने बागी विधायकों के खिलाफ विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब यहां 40 विधायकों के सिर्फ शव लौटेंगे, जिसे हम पोस्टमार्टम के लिए विधानसभा भेजेंगे।

एक सभा को संबोधित करते हुए संजय राउत ने कहा, जो 40 लोग वहां हैं वे ज़िंदा लाश हैं। ये मुर्दा हैं। उनके शव यहां आएंगे। उनकी आत्मा मरी हुई है। ये 40 लोग जब उतरेंगे तो मन से ज़िंदा नहीं होंगे। उन्हें मालूम है कि ये जो आग लगी है उस से क्या हो सकता है। आकर दिखाएं वे।

हम नामर्द नहीं इससे पहले भी भड़काऊ बयान देते हुए संजय राउत ने कहा था, आप यहां से गुवाहाटी तक सब कुछ करेंगे और हम अपना गुस्सा भी नहीं निकालेंगे तो कैसा होगा? तो हम क्या नामर्द हैं, हम नामर्द नहीं हैं। उन्होंने कहा था, क्या होगा सत्ता चली जाएगी ज्यादा से ज्यादा और क्या होगा? सत्ता जाती है और सत्ता आती भी है।

बागी विधायकों को सुरक्षा वहीं दूसरी ओर, महाराष्ट्र में बागी विधायकों के खिलाफ शिवसैनिकों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए शिवसेना के 15 बागी विधायकों को केंद्र सरकार ने वाई प्लस कैटेगरी सुरक्षा प्रदान की है। कई जगहों पर शिवसैनिकों ने बागी विधायकों के दफ्तर को निशाना बनाया है। बागी विधायकों ने आरोप लगाया था कि उनके परिवार की सुरक्षा को वापस ले लिया गया है। बागी गुट के नेता एकनाथ शिंदे ने कहा था कि अगर हमारे विधायकों के परिवार को कुछ होता है तो इसके लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जिम्मेदार होंगे। वहीं, एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि हमारी पार्टी का पूरा समर्थन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ है। उन्होंने कहा, एकनाथ शिंदे और उनके साथ गुवाहाटी गए अन्य विधायकों ने एक नया गठबंधन बनाने के लिए कहा है, लेकिन एन.सी.पी. और कांग्रेस की नीति हमारे द्वारा बनाई गई गठबंधन सरकार का समर्थन करने के लिए स्पष्ट है। शरद पवार ने कहा, महाराष्ट्र में एम.वी.ए. सरकार है और हम इसका समर्थन जारी रखना चाहते हैं। एकनाथ शिंदे और अन्य विधायक सरकार में एन.सी.पी. के साथ थे। पिछले ढाई सालों में उन्हें कोई समस्या नहीं हुई। ये आज ही क्यों हुई? यह तो बस एक बहाना है, लेकिन हम आखिरी समय तक मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का समर्थन करेंगे।

- **इस बीच केन्द्र सरकार ने शिवसेना के 15 बागी विधायकों को वाई कैटेगरी की केन्द्रीय सुरक्षा मुहैया कराई है।**
- **शरद पवार ने कहा कि, अंत तक हमारा उद्धव ठाकरे को समर्थन जारी रहेगा।**
- **शरद पवार ने कहा, महाराष्ट्र में एम.वी.ए. सरकार है और हम इसका समर्थन जारी रखना चाहते हैं। एकनाथ शिंदे और अन्य विधायक सरकार में एन.सी.पी. के साथ थे। पिछले ढाई सालों में उन्हें कोई समस्या नहीं हुई।**

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908